■ पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी सेंसेक्स 852 अंक टूटा- 12

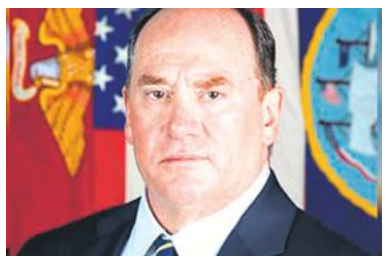

■ ईरान युद्ध अमेरिका की सेना पर भारी अब नौसेना प्रमुख ने दिया त्याग पत्र - 13

■ होर्मुज के बारूदी सुरंगों को हटाने में लग सकता है छह महीने का वक्त : पेंटागन - 13

■ 'मैदान पर आने से पहले होटल में ही छोड़ देता हूं अहंकार' - 14

आज का मौसम

42.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.38

सूर्यास्त 06.42

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी 07:22 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 149, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हाईस्कूल में कशिश-अंशिका संयुक्त टॉपर, इंटरमीडिएट में शिखा अव्वल

यूपी बोर्ड परीक्षाफल बेटियों का जलवा, 10वीं में 90.42% और 12वीं में 80.38% विद्यार्थी सफल, 12वीं में दूसरे व तीसरे स्थान पर बरेली और बाराबंकी की बेटियां संयुक्त टॉपर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के वर्ष 2026 के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए। इस वर्ष भी बेटियों का शानदार प्रदर्शन कायम रहा। हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा संयुक्त रूप से टॉपर बनीं, जबकि इंटरमीडिएट में सीतापुर की शिखा वर्मा ने प्रदेश में पहला स्थान, जबकि दूसरे व तीसरे स्थान पर बरेली और बाराबंकी की बेटियां संयुक्त टॉपर रहीं।

हाईस्कूल का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42 रहा, जबकि इंटरमीडिएट में 80.38 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा 22 फरवरी से 9 मार्च के बीच 8,265 केंद्रों पर आयोजित हुई थी और मूल्यांकन कार्य भी रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। हालांकि पंजीकरण कराने के बावजूद लगभग 1.2 लाख छात्र (सभी वर्गों को मिलाकर) परीक्षा देने ही नहीं पहुंचे। अकेले विज्ञान वर्ग में ही 45,000 छात्रों ने परीक्षा छोड़ी। इस वर्ष हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा व बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने 97.83 % अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। दूसरे पर बाराबंकी की अदिति (97.50%) रहीं, जबकि तीसरे पर सीतापुर की अर्पिता, झांसी के ऋषभ साहू और बाराबंकी की परी वर्मा रहे। 12वीं में भी सीतापुर का दबदबा कायम रहा। यहां शिखा वर्मा ने 97.60 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बरेली की नंदिनी गुप्ता और बाराबंकी की श्रेया वर्मा (97.20%) रहीं, जबकि तीसरे स्थान पर बरेली की सुरभि यादव और बाराबंकी की पूजा पाल (97%) ने जगह बनाई।

प्रयागराज : 10वीं और 12 वीं के परिणाम घोषित होने के बाद खुशी से झूम उठीं छात्राएं।

मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई

परिणाम जारी होते ही मुख्यमंत्री योगी ने सभी टॉपर और सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा कि यह सफलता विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों से भविष्य में भी इसी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

बेटियों ने मारी 'हैट्रिक'

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि हर वर्ग में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों से काफी बेहतर है। मानविकी वर्ग में जहां 81.06% लड़कियां पास हुईं, वहीं लड़कों का आंकड़ा महज 67.11% रहा। विज्ञान वर्ग में भी लड़कियों ने 90.44% रिजल्ट देकर लड़कों (76.79%) को पछाड़ दिया है। आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया है कि छात्राओं का दबदबा हर क्षेत्र में बरकरार है, जबकि स्ट्रीम के लिहाज से विज्ञान और कृषि विषयों में सफलता का प्रतिशत सबसे शानदार रहा है। परीक्षा परिणामों में कृषि भाग-2 के छात्रों ने 93.55% सफलता दर के साथ सबको पीछे छोड़ दिया है। वहीं, मुख्य स्ट्रीम्स की बात करें तो विज्ञान 82.15% छात्र सफल रहे।

हाईस्कूल में टॉप-3

97.83% कशिश वर्मा, सीतापुर

97.83% अंशिका वर्मा, बाराबंकी

97.50% अदिति, बाराबंकी

97.33% अर्पिता, सीतापुर

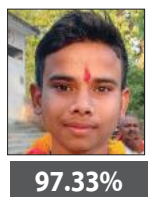

97.33% ऋषभ साहू, झांसी

97.33% परी वर्मा, बाराबंकी

इंटरमीडिएट में टॉप-3

97.60% शिखा वर्मा, सीतापुर

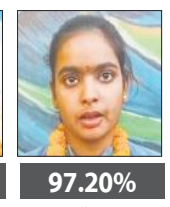

97.20% नंदनी गुप्ता, बरेली

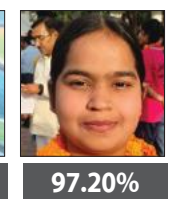

97.20% श्रिया वर्मा, बाराबंकी

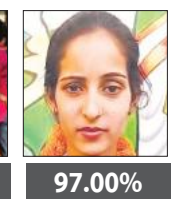

97.00% सुरभि यादव, बरेली

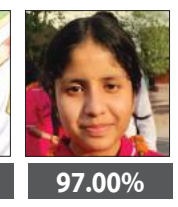

97.00% पूजा पाल, बाराबंकी

10वीं 12वीं परिणाम की खबरें भीतर पढ़े

ब्रीफ न्यूज

सीबीएसई की 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षाएं 15 से 21 मई तक होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई ने गुरुवार को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया, जो 15 मई से 21 मई तक आयोजित होंगी। जारी डेटशीट के अनुसार, परीक्षा की शुरुआत 15 मई को गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) के पर्चे से होगी। इसके बाद 16 मई को अंग्रेजी (कम्युनिकेटिव) और अंग्रेजी (लैंग्वेज एंड लिटरेचर) की परीक्षा होगी। विज्ञान विषय की परीक्षा 18 को और 19 मई को भाषा और वैकल्पिक विषयों की परीक्षा निर्धारित की गयी है, जिसमें हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बांग्ला, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती तथा कई विदेशी भाषाएं शामिल हैं। इसी दिन गृह विज्ञान और कुछ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं भी होंगी। 20 मई को छात्र संस्कृत, चित्रकारी, सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परीक्षा देंगे। इसके बाद 21 मई को सामाजिक विज्ञान की परीक्षा होगी।

अमित जोगी की उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को राकांपा नेता रामावतार जग्गी की 2003 में हुई हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। राकांपा के नेता रामावतार जग्गी की 4 जून 2003 को रायपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय अजीत जोगी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री थे। हाईकोर्ट ने 2 अप्रैल को जोगी को दोषी करार दिया और उन्हें उम्रकैद की सजा काटने के लिए तीन सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था।

बंगाल में 91.78% मतदान, आजादी के बाद सर्वाधिक, कई जगह हुई हिंसा

पहले चरण में 152 सीटों पर वोटिंग, तमिलनाडु की 234 सीटों पर 85.05% मतदान

- बीरभूम, मुर्शिदाबाद, दिनाजपुर आसनसोल में झड़प की घटनाएं
- दिनाजपुर में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु सरकार से हाथापाई

कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी

प. बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 91.78% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.05% वोटिंग हुई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि प. बंगाल में आजादी के बाद से अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया है। बंगाल में 2011 में 84.72% मतदान दर्ज किया गया था। राज्य में दूसरे चरण के चुनाव में 142 सीट पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे।

बंगाल में मतदान के दौरान बीरभूम, मुर्शिदाबाद, दिनाजपुर, आसनसोल में झड़प की घटनाएं हुई। कम से कम तीन उम्मीदवारों पर हमले हुए। निर्वाचन आयोग ने हिंसा के संबंध में अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। बीरभूम जिले के खारिसोल में अंतिम घंटों के दौरान तनाव काफी बढ़ गया, जब मतदाताओं ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में डाले गए वोट भाजपा के खाते में दर्ज हो रहे हैं। चुनाव अधिकारियों और नाराज मतदाताओं के बीच बहस छिड़ने के बाद स्थिति और बिगड़ गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों का एक समूह मतदान केंद्र के बाहर इकट्ठा हो गया और प्रदर्शन करने लगा। यहां स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई। इससे पहले, दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु सरकार के साथ उस समय हाथापाई की गई जब वह गड़बड़ी की खबरों के बाद एक मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे।

शुभेंदु सरकार ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में उनकी पिटाई की गई और उनके वाहन में तोड़फोड़ की गई। वहीं, एक अन्य घटना में आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के रहमत नगर में भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर पथराव किया गया जिससे उसकी पिछली खिड़कियों के शीशे टूट गए। मुर्शिदाबाद के नौदा में आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) और तृणमूल के समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। वाहनों में तोड़फोड़ और पथराव के बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए केंद्रीय बलों को लाठीचार्ज करना पड़ा।

मालदा में मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे मतदाता।

ईसी ने बूथ से नदारद रहने पर कर्मचारियों को किया निलंबित

कोलकाता। मेदिनीपुर के पिंगला विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान एक मतदान केंद्र से नदारद रहने के आरोप में निर्वाचन आयोग ने संबंधित बूथ के सभी मतदानकर्मियों को निलंबित कर दिया। आयोग ने घटना की जांच के आदेश भी दिए और जिला निर्वाचन अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

बंगाल में आंकड़ों से यकीन, भाजपा को शानदार जीत मिलेगी

कृष्णानगर। प्रधानमंत्री ने बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में वोट देने के लिए राज्य की जनता को बधाई दी और मतदान के अब तक के आंकड़ों को परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश का संकेत बताया। मोदी ने कहा कि निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं होने दी। मोदी ने कहा, पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं कम हुईं।

भारत महान देश, नरक वाले पोस्ट पर विवाद के बाद ट्रंप का यू-टर्न

नई दिल्ली/वाशिंगटन। भारत को 'नरक' बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का 24 घंटे के अंदर ही सुर बदल गया है। ट्रंप ने भारत को एक 'महान देश' बताया है। ट्रंप ने उन विवादित रीपोस्ट पर सफाई दी है जिसमें भारत को 'नरक जैसी जगह' कहा गया था। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने सफाई देते हुए कहा कि ट्रंप भारत को 'एक महान देश' मानते हैं। साथ ही उन्होंने मोदी को एक 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया है। भारत में स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत एक महान देश है। इससे पहले ट्रंप के रीपोस्ट में रेडियो शो होस्ट की टिप्पणियां शामिल थीं, जिसमें भारत, चीन को नरक कहा गया था।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी की जानकारी स्वीकार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह सभी प्रतिष्ठित लेखकों और विचारकों के विचारों का सम्मान करता है, लेकिन वह 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' से मिली जानकारी स्वीकार नहीं कर सकता।

नौ जजों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब वह केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा अपनाई जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा एवं दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया, जिसमें धार्मिक राहत से जुड़े मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों, विधिवेत्ताओं आदि का सम्मान करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत राय ही होती है। कौल ने कहा कि सभी स्रोतों से जानकारी लेने में कोई बुराई नहीं है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं।

- न्यायालय ने सबरीमाला मामले में सुनवाई के दौरान की टिप्पणी

नोएडा से दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एटीएस ने नोएडा से दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एटीएस ने पिस्तौल, पांच कारतूस, दो मोबाइल बरामद किया है। दोनों पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क से जुड़कर देश में हिंसात्मक आंदोलन व सांप्रदायिक दंगा कराने की साजिश रच रहे थे। इसके लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन चला रहे थे।

जांच में सामने आया कि आरोपी आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी व आबिद जट के सीधे संपर्क में थे। इन दोनों के इशारे पर युवकों को नेटवर्क से जोड़ रहे थे। एटीएस के मुताबिक आरोपियों में बागपत के रमाला का रहने वाला वर्तमान में मेरठ के कंकरखेड़ा में ठिकाना बनाए तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान व दिल्ली के सन लाइट कालोनी सीमापुर का समीर खान शामिल हैं। इनपुट मिला था कि आईएसआई के इशारे पर कुछ पाकिस्तानी कट्टरपंथी तत्व भारतीय युवाओं को इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए फंसाकर स्लीपर सेल तैयार करने में जुटे हैं।

तुषार समीर खान

- आईएसआई समर्थित पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी व आबिद जट के संपर्क में थे दोनों
- एटीएस ने नोएडा से दबोचा आरोपियों के पास से पिस्तौल कारतूस व मोबाइल बरामद

ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में पलटी, 5 की मौत

संवाददाता, निघासन (लखीमपुर खीरी)

- बहराइच के कालीकोट देवी मंदिर में मुंडन करवाने जा लौट रहे थे ट्रॉली सवार, 23 घायल
- तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह मरने वालों में दो महिलाएं और तीन किशोरियां

अमृत विचार : पढुआ थाना इलाके में मुंडन संस्कार कराने जा रही ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर- ट्रॉली अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 23 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में तीन किशोरियां और दो महिलाएं हैं। कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

शारदानगर क्षेत्र के सोहरिया गांव निवासी बाल गोविंद बेटे और अन्य परिवारों के साथ गुरुवार को बहराइच के कारीकोट काली मंदिर में मुंडन कराने जा रहे थे। सभी लोग एक ट्रैक्टर से जुड़ी दो ट्रॉलियों में सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे अधिक थे। ढखेरवा-गिरिजापुरी हाईवे पर बोझिया गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और करीब 10 फीट गहरी खाई में जा गिरा। ट्रॉली पलटते ही चीख-पुकार मच गई और कई लोग ट्रॉली के नीचे दब गए। दो महिलाओं और तीन किशोरियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल 23 लोगों को सीएचसी रमियाबेहड़ पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

> गांव सेहरिया निवासी बाल गोविंद के पुत्र का मुंडन कराने के लिए सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से गए थे। पढुआ क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है। - **पवन कुमार गौतम**, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी

सीएम ने लिया संज्ञान परिजनों को दो-दो लाख मिलेंगे

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले में हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली के दर्दनाक हादसे का संज्ञान लिया है। इस हादसे में हुई पांच लोगों की मृत्यु पर मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा प्रभावितों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाए।

सौगात गोरखपुर को दी 1055 करोड़ रुपये की 497 विकास परियोजनाओं की सौगात

नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती : मुख्यमंत्री

- लिगेसी वेस्ट बने ईको पार्क और नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क का लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती। उन्होंने गोरखपुर में विकास के पिछले नौ वर्षों को इसका उदाहरण बताते हुए कहा कि शहर ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखा है।

मुख्यमंत्री ने राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट के निस्तारण से विकसित ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क समेत 1055 करोड़ रुपये की 497 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही स्वच्छ स्कूल अभियान की शुरुआत करते हुए टूलकिट और कैलेंडर का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि गोरखपुर को 'गार्बेज फ्री सिटी' बनाने और स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान दिलाने के लिए एक लाख से अधिक स्कूली बच्चों को अभियान से जोड़ा जाएगा। आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) के जरिए स्वच्छता का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा। अभियान में 2000 से अधिक शिक्षकों और 1000 से ज्यादा अभिभावकों को जोड़ा जाएगा। वेस्ट टू आर्ट, निबंध और रील प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वच्छता का संदेश व्यापक स्तर पर फैलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इच्छा शक्ति और साफ नीयत के कारण गोरखपुर में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। एम्स और बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के केंद्र बने हैं, खाद कारखाना और पिपराइच चीनी मिल चालू हुई है तथा बाढ़ की समस्या के समाधान पर तेजी से काम हो रहा है।

परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने जाते मुख्यमंत्री योगी।

एकला बंधा पर विकसित हुआ ईको पार्क

दशकों से जमा कूड़े के ढेर को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित कर एकला बंधा पर आकर्षक ईको पार्क विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण संरक्षण का दिलाया संकल्प

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे।

मझोला, अमृत विचार : एसके पब्लिक स्कूल बिरहैनी में विश्व पृथ्वी दिवस उत्साह और रचनात्मक तरीके से मनाया गया। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता दिखाई। कुछ बच्चों ने सुंदर फ्लावर पॉट गमले लगाए। पोस्टर मेकिंग में भाग लिया और पृथ्वी दिवस से जुड़े नए-नए विचारों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य जीवन शर्मा ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

प्रश्नोत्तरी में आर्यन और मोहनी रहे विजेता

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान विकास समिति के तत्वाधान में सिटी मांटेसरी जूनियर हाईस्कूल में पुस्तक और कॉपीराइट दिवस पर कार्यक्रम हुआ। लक्ष्मीकांत शर्मा ने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्या मिथिलेश कश्यप, प्रबंधक सुरेश कौशल ने कहा कि आज के दिन का उद्देश्य साक्षरता को बढ़ावा देना और पुस्तकों का जश्न मानना व काफी राइट की रक्षा करना है। शिक्षिका खुशबू मौर्य ने ने भी विचार रखे। प्रश्नोत्तरी में आर्यन और मोहिनी ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रियांशी, राशि श्रीवास्तव, राहुल और वैष्णवी का प्रदर्शन भी श्रेष्ठ रहा। इस मौके पर ज्योति मौर्य, शिवानी सक्सेना, जयदेव, निधि, रिया आदि मौजूद रहे।

प्रिया और आशीष रहे कॉलेज के मेधावी

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा स्थित शेरवुड हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधक डॉ. नरेंद्र गंगवार, प्रधानाचार्य नंदराम ने बताया कि हाईस्कूल की छात्रा प्रिया देवी ने 87.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आशीष ने 85.16 प्रतिशत अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय का हाई स्कूल का परीक्षाफल 96 प्रतिशत रहा है।

चिरौंजीलाल वीरेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में खुशी मनाते छात्र। ● अमृत विचार

बिलसंडा के रुपदेवी पब्लिक इंटर कॉलेज में खुशी मनाते बच्चे। ● अमृत विचार

10वीं में प्रांजल, यश व युवराज, 12वीं में दर्शिका जिला टॉपर

दिनभर के इंतजार के बाद गुरुवार शाम यूपी बोर्ड परीक्षा का परिणाम हुआ जारी, 10वीं में टॉप-10 में 14, 12वीं में 12 विद्यार्थियों ने बनाई जगह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से गुरुवार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए गए। हाईस्कूल की टॉप-10 सूची में 14 विद्यार्थियों ने अपनी जगह बनाई, जबकि इंटरमीडिएट में 12 विद्यार्थियों ने परचम लहराया। परिणाम घोषित होते ही जिलेभर के स्कूलों में उल्लास की लहर दौड़ गई। जिले में टॉप करने वाले मेधावियों के स्कूल से लेकर घर तक जश्न देखने को मिला। सफल छात्र-छात्राओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। शिक्षकों ने मिठाइयां बांटी और अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताया।

यूपी बोर्ड की ओर से गुरुवार शाम करीब 4 बजे हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षाफल जारी किया गया। दिन से ही रिजल्ट आने का इंतजार चल रहा था। शाम को परीक्षा परिणाम आते ही कॉलेजों में छात्र-छात्राओं का रिजल्ट देखना शुरू हो गया। शिक्षकों ने कंप्यूटर पर अपने परीक्षार्थियों का रिजल्ट देखा। फाइनल रिजल्ट घोषित होने के बाद बोर्ड की ओर से यूपी के टॉपटेन के छात्र-छात्राओं की सूची भी जारी कर दी गई। हाईस्कूल में 94.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज के प्रांजल मौर्य, चिरौंजीलाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर के यश प्रजापति और सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर के युवराज संयुक्त रुप से जिला टॉपर रहे। दूसरे स्थान पर 94.17 प्रतिशत अंक के साथ सरस्वती एचएस विद्या मंदिर बिलसंडा की कीर्ति गोस्वामी रही। तीसरे स्थान पर 94 फीसदी अंक पाकर राम इंटर कॉलेज की अत्शरा, चौथे स्थान पर 93.50 प्रतिशत अंक के साथ सुखदेवी मेमोरियल इंटर कॉलेज आजमपुर बरखेड़ा की अंशिका देवी, पांचवें स्थान पर 93.17 प्रतिशत अंक के साथ सरस्वती विद्या मंदिर पूरनपुर के शिवा कश्यप, जनता एचएसएस जमुनिया खासपुर के राजवीर, छठे स्थान पर 92.83 अंक के साथ बालाजी गर्ल्स इंटर कॉलेज बीसलपुर की साक्षी गिहार, सातवें स्थान पर 92.67 प्रतिशत अंक के साथ सरस्वती एचएस विद्या मंदिर बिलसंडा की पंखुड़ी, आठवें स्थान पर 92.50 प्रतिशत अंक के साथ एसवीएम इंटर कॉलेज बीसलपुर की यामिनी राठौर, नौवें स्थान पर 92.33 प्रतिशत अंक के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज खमरिया पुल के निजामुद्दीन शेरी, दसवें स्थान पर 92.17 प्रतिशत अंक के साथ एसवीएम इंटर कॉलेज बीसलपुर के वीरेश गंगवार और केकेएसवीएम एचएसएस बीसलपुर की अनिका गंगवार रहीं।

वहीं, इंटरमीडिएट के टॉप -10 में 93.30 प्रतिशत अंक के साथ गुरुनानक इंटर कॉलेज मुड़लिया भैसहा की दर्शिका शर्मा जिला टॉपर रहीं।

दूसरे स्थान पर 91.40 प्रतिशत अंक पाकर सरस्वती विद्या मंदिर पूरनपुर की प्रियांशी देवी, तीसरे स्थान पर 90 प्रतिशत अंक पाकर ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पीलीभीत के रिषभ भास्कर, चौथे स्थान पर 89.30प्रतिशत अंक के साथ ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पीलीभीत नितिन वर्मा, पांचवें स्थान पर 89.20 प्रतिशत अंक पाकर एसवीएमआईसी बीसलपुर की साक्षी, छठवें स्थान पर 88.60 प्रतिशत अंक पाकर चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज ऐमी के अमन गंगवार, सातवें स्थान पर 88 प्रतिशत अंक के साथ वैदिक कन्या इंटर कॉलेज जतीपुर के अमन वर्मा, आठवें स्थान पर 87.80 प्रतिशत के साथ सरस्वती विद्या मंदिर पूरनपुर की मानवी वर्मा, नौवे स्थान पर 87.40 प्रतिशत अंक पाकर एसवीएमआईसी बीसलपुर के आदित्य गंगवार, दसवें स्थान पर 87.20 प्रतिशत अंक पाकर चिरौंजीलाल वीरेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर पीलीभीत के प्रमोद कुमार, एसवीएमआईसी बीसलपुर के विकास वर्मा और अंगूरी देवी बालिका इंटर कॉलेज पीलीभीत की अनामिका वर्मा संयुक्त रूप से रही।

● शिक्षकों ने मिठाइयां बांटी और अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताया

छात्रों को मिठाई खिलाते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बीसलपुर के प्रधानाचार्य डॉ .रविशरण चौहान। ● अमृत विचार

एचके नेशनल पब्लिक इंटर कॉलेज में हर्ष जताते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

परिवार के साथ मेधावी पंखुड़ी। ● अमृत विचार

पंखुड़ी का लक्ष्य शिक्षक बन सेवा करना

बिलसंडा के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की ही हाईस्कूल की छात्रा पंखुड़ी ने भी टॉप -10 में जगह बनाई। पंखुड़ी के पिता खेती किसानी करते हैं। छोटा सा व्यवसाय किया जाता है। पंखुडी भविष्य में शिक्षक बनकर शिक्षा की अलख जगाना चाहती हैं। बिटिया की कामयाबी पर परिवार में खुशियां छाई रही और बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। परिवार ने मिठाई भी बांटी।

चेहरे खुशी से खिले, खिलाई मिठाई

जहानाबाद, अमृत विचार : एचके नेशनल पब्लिक इंटर कॉलेज में भी सुबह से ही परीक्षा परिणाम को लेकर छात्र छात्राओं की धड़कन बढ़ी रही। शाम को परीक्षा परिणाम घोषित हुआ तो विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। प्रबन्धक उवैद खान, प्रधानाचार्य शेषपाल सक्सेना, योगेन्द्र गंगवार, इनातुल्ला, हरिदेव शर्मा, हरिशंकर, मोहम्मद शाहिद आदि ने बच्चों को मिठाई खिलाई और उज्जवल भविष्य की कामना की। कॉलेज का परीक्षा परिणाम भी बताया गया। हाईस्कूल में 98 प्रतिशत जबकि इंटरमीडिएट में शत प्रतिशत बच्चे उत्तीर्ण हुए।

मेधावी कीर्ति बनना चाहती हैं आईएएस

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा कीर्ति गोस्वामी ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल की टॉप-10 सूची में जगह बनाकर नाम रोशन किया है। कीर्ति ने 600 में 565 अंक प्राप्त किए। जिले में दूसरे स्थान पर रहीं। वह सरकारी शिक्षक मुनीष गोस्वामी की पुत्री हैं, मां निर्मला गृहिणी हैं। कीर्ति ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने बताया कि वह आईएएस अधिकारी बनकर सेवा करना चाहती हैं। इसके लिए कड़ी मेहनत करेंगी। उन्होंने बताया कि किताबें पढ़ने के साथ ही डांस और सिंगिग का भी शौक है। बेटी की सफलता पर ताऊ रामेंद्र गोस्वामी, विष्णु गोस्वामी और पिता ने खिलाकर खुशियां साझा की। परिवार में हर्ष का माहौल रहा।

चिकित्सक बनना चाहते हैं जिला टॉपर युवराज

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : श्रमिक सत्यपाल के पुत्र युवराज ने सीमित संसाधनों के बीच न सिर्फ खुद कामयाबी हासिल की बल्कि परिवार का मान भी बढ़ाया। यूपी बोर्ड हाईस्कूल का परिणाम घोषित होने के बाद जैसे ही पता चला कि बेटे युवराज ने जिले में टॉप किया है, परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। युवराज चिकित्सक बनना चाहते हैं।

बीसलपुर के ग्राम सौंधा गौटिया के रहने वाले सत्यपाल के पुत्र युवराज सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में पढ़ते हैं। युवराज ने हाई स्कूल की परीक्षा में 94.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में टॉप करने का गौरव हासिल किया है। बता दें कि उनके पिता के पास महज आठ बीघा जमीन है। इससे परिवार का गुजारा नहीं हो पाता, इसलिए पिता

● पिता के पास आठ बीघा जमीन खेती के साथ करते हैं मजदूरी

दिल्ली में एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। मां राम देवी, दादी मैना देवी के पास रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनका मन पढ़ाई में अधिक लगता है और खेलकूद पर कम ध्यान देते हैं। सात से आठ घंटे रोज पढ़ाई करते हैं। रविवार को अवकाश के दिन चाचा की किराना दुकान पर कुछ देर बैठकर उनकी भी मदद करते हैं। खाली वक्त में छोटी बहन को भी पढ़ाते हैं। पिता ने उसे डॉक्टर बनने का सपना सजाया है, जिसे वह हर हाल में साकार करेंगे। दिल्ली में रह रहे पिता ने कॉल कर बेटे की कामयाबी पर बधाई दी। छात्र ने सफलता का श्रेय गुरुजनों व माता-पिता को दिया। कहा कि प्रधानाचार्य डॉ. रवि शरण सिंह चौहान भी काफी सहयोग करते हैं।

मां और दादी के पैर छूकर आशीर्वाद लेते जिला टॉपर युवराज। ● अमृत विचार

चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज में जुटे छात्र, बांटी मिठाई

पीलीभीत, अमृत विचार : ऐमी गांव स्थित चौधरी निहाल सिंह इंटर कॉलेज में गुरुवार को यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर छात्र छात्राएं पहुंचते रहे। यहां पर हार्ठस्कूल में 99 विद्यार्थियों में 92 ने परीक्षा उत्तीर्ण की जबकि 07 अनुत्तीर्ण रहे। 600 में 516 अंक पाकर नितिन प्रजापति, सौरभ प्रथम, 504 अंक पाकर अमित कुमार द्वितीय और 496 अंक पाकर अंशिका तीसरे नंबर पर रहीं। वहीं इंटरमीडिएट में विज्ञान वर्ग में 88 में 77 छात्र उत्तीर्ण हुए। कला वर्ग में 39 में 21, कृषि एफवन में 21 में 15 और कृषि एफटू में 10 में सभी दस बच्चे पास हुए। जिले की टॉप टेन सूची में जगह बनाने वाले अमन गंगवार 443 अंक पाकर कॉलेज में प्रथम, रचित सिंह द्वितीय रहे। कॉलेज प्रबंधन की ओर से बच्चों को मिठाई खिलाई गई।

इंतजार खत्म, रिजल्ट आते ही खिले चेहरे

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार : गुरुवार का दिन छात्र छात्राओं के नाम रहा। दिनभर यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित होने का इंतजार चलता रहा और शाम को जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुए खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई। उत्तीर्ण छात्र छात्राएं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाते हुए दिखे।

मरौरी खास गांव के गुरु तेगबहादुर इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में प्रबलिन कौर 83 प्रतिशत, शरद 82.83,विशेष 80.66 प्रतिशत अंक के साथ कॉलेज के होनहार बने। बमरौली के आरपीएमपी इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में आस्था मिश्रा ने 88 प्रतिशत, रितिका सिंह ने 85.5 प्रतिशत, पार्थ शुक्ला ने 85.3 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इंटरमीडिएट में विदित ने 84,प्राची ने 73,मनीषा ने 72.57 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। स्वामी त्रिलोकानंद हायर सेकेंडरी स्कूल में लहर जायसवाल ने 85 प्रतिशत ,लक्ष्मी ने 83 प्रतिशत, दीया जायसवाल 80 प्रतिशत अंक के साथ कॉलेज के मेधावी लिस्ट में शामिल हुए। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में शगुन जायसवाल 88.33,आदित्य 84.33, नव्या 83.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेधावी बने। इंटरमीडिएट में आयुषी गौतम 84.6,दीपक सागर 84,प्रियांशु 83.2 प्रतिशत अंक पर रहे। मार रोड स्थित रश्मि धर्मेंद्र इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में श्रव्या मिश्रा ने 90 फीसदी, स्मृति वर्मा ने 83 प्रतिशत, अर्शदीप कौर ने 81 प्रतिशत, इंटरमीडिएट में सौरभ कुमार 77प्रतिशत, मनोज कुमार ने 73, रुद्रांश ने 73 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

बिलसंडा में एक दूसरे को मिठाई खिलाती छात्राएं। ● अमृत विचार

इंटरमीडिएट के टॉपर

93.30 प्रतिशत
दर्शिका शर्मा
गुरुनानक इंटर कॉलेज

89.20 प्रतिशत
साक्षी
स्कूल : एसवीएमआईसी

88.60 प्रतिशत
अमन गंगवार
चौ .निहाल सिंह इंटर कॉलेज

87.40 प्रतिशत
आदित्य गंगवार
स्कूल : एसवीएमआईसी

87.20 प्रतिशत
प्रमोद कुमार
चिरौंजीलाल वीरेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर

87.20 प्रतिशत
विकास वर्मा
स्कूल : एसवीएमआईसी

87.20 प्रतिशत
अनामिका वर्मा
अंगूरी देवी इंटर कॉलेज

● गुरुवार शाम यूपी बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी होते ही इंटरनेट कैफे पर जुटी भीड़

यश के संघर्ष ने पाया मुकाम

पीलीभीत, अमृत विचार : जहानाबाद क्षेत्र के बरहा विक्रम गांव निवासी यश प्रजापति ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो हालात भी रास्ता नहीं रोक सकते। चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल इंटर कॉलेज के छात्र यश ने हाईस्कूल परीक्षा में 94.33 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त किया है। उनके पिता अटल प्रजापति एक निजी स्कूल में अंग्रेजी के शिक्षक हैं, जबकि मां गंगा प्रजापति परिषदीय विद्यालय में शिक्षामित्र हैं। शिक्षा का माहौल घर में ही था, जिसने यश को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। यश बताते हैं कि स्कूल के बाद उनके पिता स्वयं उन्हें अंग्रेजी पढ़ाते थे।

प्रांजल और अक्शरा ने बढ़ाया मान

बेटी अक्शरा को कामयाबी पर मिठाई खिलाते परिजन।

जिला टॉपर प्रांजल मौर्य को बैडबाजे के साथ ले जाते परिजन।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परिणाम में इस बार पीलीभीत के कई विद्यालयों ने अपनी खोई पहचान फिर से स्थापित करते हुए शानदार वापसी की है। जिसमें राम इंटर कॉलेज भी शामिल हो सका है। इतना ही नहीं जिला टॉपर भी इसी कॉलेज से निकलकर आया।

शहर से सटे ग्राम नौगवां पकड़िया के रहने वाले प्रांजल मौर्य ने खुद के साथ ही कॉलेज का भी मान बढ़ाया। उनकी इस कामयाबी पर परिवार ने बैडबाजे के साथ रोड शो निकालते हुए घर तक ले गए। उनके पिता अशोक मौर्य एक अधिवक्ता के पास काम करते हैं। टॉपर ने बताया कि उन्होंने सेल्फ स्टडी के दम पर मुकाम हासिल किया। इधर, प्रधानाचार्य सुरेंद्र गंगवार ने बताया कि ये कॉलेज के लिए बड़ी उपलब्धि है। बदलते समय और संसाधनों के दम पर शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वहीं, हाईस्कूल की मेधावी अक्शरा ने टॉप टेन में जगह बनाई। उनके पिता मोहम्मद इकबाल खां मजदूरी कर परिवार का भरण करते हैं और बेटी को शिक्षित बनाना चाहते हैं। पिता ने बताया कि बेटी की पढ़ाई को प्राथमिकता देते हैं। मगर आर्थिक स्थिति के चलते कोचिंग नहीं दिला सके लेकिन बेटी ने परिवार का मान बढ़ाया।

दर्शिका कृषि अधिकारी बनकर करना चाहती हैं अन्नदाता की सेवा

पीलीभीत, अमृत विचार : यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट में जिला टॉपर दर्शिका शर्मा गुरुनानक इंटर कॉलेज मुड़लिया भैंसहा की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वह कृषि अधिकारी बनकर देश के अन्नदाता की सेवा करना चाहती हैं। उन्होंने सेल्फ स्टडी की। वह हाईस्कूल मेंभी टॉप टेन में शामिल रही थी। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन 12 घंटे पढ़ाई करती थी। उनके पिता परमात्मा स्वरुप शिक्षक, जबकि मां मालती देवी गृहणी है। उन्होंने सफलता का श्रेय परिजन और गुरुजन को दिया है। वह कृषि अधिकारी बनना चाहती है।

परिवार के साथ इंटरमीडिएट की जिला टॉपर दर्शिका। ● अमृत विचार

हाईस्कूल के टॉपर

94.33 प्रतिशत
प्रांजल मौर्य
राम इंटर कॉलेज

94.33 प्रतिशत
यश प्रजापति
चिरौंजीलाल वीरेंद्रपाल सरस्वती विद्या मंदिर

94.33 प्रतिशत
युवराज
सरस्वती विद्या मंदिर

94.17 प्रतिशत
कृति गोस्वामी
सरस्वती एचएस विद्या मंदिर

93.50 प्रतिशत
अंशिका देवी
सुखदेवी मेमोरियल इंटर कॉलेज

92.83 प्रतिशत
साक्षी गिहार
बालाजी गर्ल्स इंटर कॉलेज

92.67 प्रतिशत
पंखुड़ी
सरस्वती एचएस विद्या मंदिर

92.50 प्रतिशत
यामिनी राठौर
एसवीएम इंटर कॉलेज

92.17 प्रतिशत
वीरेश गंगवार
एसवीएम इंटर कॉलेज

92.17 प्रतिशत
अनिका गंगवार
केकेएसवीएम एचएसएस

शहर में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- जिले की समस्त राशन की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण सुबह 08 बजे से।
- श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में आरती शाम 07 बजे।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम सुबह 09 बजे से।
- हनुमान गढ़ी बिलसंडा में कैलाश तिथि पर्वोत्सव पत्रिका का विमोचन सुबह 10 बजे

न्यूज ब्रीफ

टेंपो में गिरा महिला का कुंडल, चालक लेकर भागा, पुलिस ने पकड़ा

बीसलपुर, अमृत विचार : निगोही शाहजहांपुर से टेंपो में सवार होकर पति के साथ महिला अपने मायके जा रही थी। ईदगाह पर टेंपो से उतरते वक्त उसका कुंडल गिर गया। वह कुंडल उठाती इससे पहले ही चालक अपना टेंपो लेकर भाग गया। बता दें कि ग्राम दौलतपुर हीरा निवासी दिनेश पाल अपनी पत्नी सीमा देवी को लेकर निगोही के एक गांव गए थे। गुरुवार दोपहर निगोही से टेंपो में सवार होकर गांव जा रहे थे। ईदगाह चौराहे के पास पहुंचते ही घटना हुई। फिलहाल पुलिस ने टेंपो चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

भैंस चोरी की एक माह बाद रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : एक माह बाद भैंस चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। ग्राम रायपुर निवासी रविंद्र प्रसाद की पत्नी ओमवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च की रात उसके घर के बाहर बंधी भैंस चोरी हो गई। काफी ढूंढने के बाद भी भैंस का पता नहीं चला। इसी रात ग्राम मीरपुर ग्रंथ निवासी ओम प्रकाश की दो भैंस भी चोरी हुई। ग्राम रायपुर के सत्यपाल, ग्राम रसिया खानपुर के बाबू, कल्लू, आबिद और सलीम पर शक जताया। रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ग्रामीण को हमला कर पीटा, एफआईआर दर्ज

दियोरियाकलां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव भगौतीपुर निवासी प्रेमपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके गांव निवासी मुकेश से जगह को लेकर बातचीत हो रही थी। इस पर मुकेश, अनिल, अजयपाल निवासी गांव ताजपुर ने हमला कर पिटाई कर दी। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

बाइक सवार सांड़ से टकराकर घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : मोहल्ला ग्यासपुर निवासी फहीम पुत्र हबीब अपने साथी मोहम्मद हसीम के साथ बाइक से पीलीभीत से बीसलपुर की ओर आ रहे थे। ग्राम जोगीठेर के पास पहुंचते ही सड़क के किनारे खड़ा साड़ अचानक सामने आ गया और बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें दोनों घायल हो गए। सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

राज्यमंत्री के ओएसडी कार्यमुक्त

पीलीभीत, अमृत विचार : गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने उनके कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर कार्यरत अवधेश वर्मा को कार्य मुक्त कर दिया है। राज्यमंत्री की ओर से जारी प्रेसनोट में बताया है कि जन सामान्य के कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण अवधेश वर्मा को कार्य मुक्त किया गया है। अभी उनके स्थान पर किसी अन्य की ओएसडी पद पर तैनाती नहीं की गई है।

तराई की आबोहवा में जहर घोल रहे हजारों वाहन

8820 वाहन प्रदूषण की श्रेणी में, 30 फीसदी माल वाहक वाहन शामिल, चालान करने तक सीमित रह गई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शहर की सड़कों पर दौड़ते वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अप्रैल के आखिर में प्रचंड गर्मी शुरू हो गई। वहीं जिले में बढ़ते वाहनों के बीच प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लापरवाही चिंता का कारण बन गई है। सरकारी आंकड़ों पर ही गौर करें तो करीब आठ हजार से अधिक वाहन बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इनसे निकलने वाला धुंआ लोगों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। अब परिवहन विभाग ऐसे वाहनों के खिलाफ चालान के साथ सीज की कार्रवाई करेगा।

उप संभागीय परिवहन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार जिले में 15,118 कार, 1,76,382 बाइक समेत कुल 1,95,029 वाहन पंजीकृत हैं। व्यावसायिक श्रेणी में 882 हैवी गुड्स वाहन और 2,647 एलएमवी मालवाहक वाहन सड़कों पर संचालित हो रहे हैं। इनमें से करीब 8,820 वाहन ऐसे हैं जिनकी पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र) की अवधि समाप्त हो चुकी है, फिर भी ये वाहन खुलेआम सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इनमें लगभग 30 प्रतिशत मालवाहक वाहन हैं, जबकि बाकी निजी और अन्य श्रेणियों के वाहन शामिल हैं। अभियान के दौरान कई बार वाहनों का चालान भी किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में करीब हजारों की संख्या में बिना प्रदूषण वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई थी। मगर स्थिति जस की तस बनी हुई है। आलम यह है कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन भी अब सिर्फ औपचारिकता पूर्ण कार्रवाई ही कर रहा है। जिले में करीब 16 प्रदूषण केंद्र चल रहे हैं। जहां ऐसे वाहनों की जांच कर प्रदूषण सर्टिफिकेट दिया जाता है, मगर चालक वाहनों को चेक नहीं करते हैं। जिसका असर और लोगों के साथ उन पर भी बुरा असर डाल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती गर्मी में प्रदूषण का असर और अधिक घातक हो जाता है। वाहनों के धुएं से कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड, शूट पार्टिकिल्स निकलता है। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने लगती है। इसके कारण सबसे अधिक बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी होती है। चौराहों पर जाम की स्थिति में आस-पास की हवा काफी दूषित हो जाती है। इससे वहां के आस-पास के लोगों के बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है। पुरानी गाड़ियों के धुएं से सीसा (लेड) निकलता है। यह लोगों के लिए काफी घातक होता है। गनीमत यह है कि तराई और जंगल से घिरा होने के कारण जिले में प्रदूषण पूरी तरह हावी नहीं हो पाता है, लेकिन अनदेखी की गई तो आने वाले समय में यह मुसीबत बनेगा। एआरटीओ वीरेंद्र कुमार की ओर से अब ऐसे वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। मेडिकल कॉलेज में कार्यरत कॉर्डियोलॉजी चिकित्सक डॉ. जीके अनेजा ने बताया कि वाहनों से निकलने वाला धुआं शरीर के लिए बेहद हानिकारक है।

जिस तरह से सिगरेट पीने से फेफड़ आदि खराब होते हैं। उसी तरह वाहनों का प्रदूषण भी मनुष्य के जीवन में प्रभाव डालता है। इससे सांस की बीमारियां, दमा, एलर्जी, फेफड़ों के संक्रमण, हृदय रोग, आंखों में जलन, स्ट्रोक आदि का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर पर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग इसके ज्यादा शिकार होते हैं।

बिना फिटनेस दौड़ रहे वाहन बढ़ा रहे खतरा

जिले में करीब 590 वाहन ऐसे हैं जो बिना फिटनेस के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय स्तर पर फिटनेस जांच की सुविधा न होने के कारण वाहन स्वामियों को अब बरेली जाना पड़ता है। फिटनेस सेंटर को यहां से बरेली शिफ्ट किए जाने के बाद कई वाहन मालिक जांच कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में वाहन बिना फिटनेस के ही संचालित हो रहे हैं। ऐसे वाहन न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि प्रदूषण बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बिना फिटनेस में कई स्कूली वाहन भी शामिल है। जिनसे बच्चे ढोहए जा रहे हैं।

ऐसे की जाती है प्रदूषण की जांच

एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदूषण जांच केंद्र पर कंप्यूटर से जुड़ा एक गैस एनालाइजर होता है। इसके साथ एक कैमरा और प्रिंटर भी होता है। वाहन को स्टार्ट करने के बाद गैस एनलाइजर को साइलेंसर में लगाया जाता है। वाहन से निकलने वाली गैस के आंकड़े कंप्यूटर में दर्ज हो जाते हैं। उनका कहना है कि मापदंड के भीतर अगर वाहन से प्रदूषण हो रहा है तो पीयूसी जारी करने का प्रावधान है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के वाहनों के लिए प्रदूषण का दायरा अलग-अलग होता है। प्रदूषण प्रमाण पत्र छह माह से लेकर एक साल के लिए बनता है।

ये हैं आंकड़े

- कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या - 1,95,029
- पंजीकृत कार की संख्या - 15,118
- पंजीकृत बाइकों की संख्या - 1,76,382
- पंजीकृत हैवी व्यावसायिक वाहन- 882
- पंजीकृत एलएमवी व्यावसायिक वाहन - 2,647
- बिना प्रदूषण की जांच वाले वाहन 8820
- बिना फिटनेस वाले वाहनों की संख्या 590

"वाहनों को पीयूसी सर्टिफिकेट के लिए हमेशा जागरूक किया जाता है। कई बार अभियान चलाकर चालान और जुर्माना की कार्रवाई भी की गई है। अब ऐसे में इन वाहनों के खिलाफ सीज की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए निरंतर अभियान चलाया जाएगा। अगर कोई भी वाहन बिना पीयूसी या फिटनेस के पाया गया तो कार्रवाई तय है। कुछ लोगों ने फिटनेस सेंटर की दूरी अधिक होने का हवाला दिया था। इसको लेकर शासन में पत्राचार किया गया है।
-वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ

बहन ने बनाने से किया इनकार तो मंदिर में रखे मछली के टुकड़े

घुंघचिहाई, अमृत विचार : धार्मिक स्थल में मछली के टुकड़े रखने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बहन से हुए झगड़े के बाद वह घर पर खाने के लिए लाई गई मछली को नशे की हालत में धार्मिक स्थल पर रख गया था।

घटना थाना घुंघचाई क्षेत्र के ग्राम सिमरिया ताल्लुके अजीतपुर बिल्हा की है। बुधवार को गांव में स्थित भूमसेन मंदिर पर लगी मूर्ति के पास कोई व्यक्ति मछली के टुकड़े रख गया था। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और एकत्र ग्रामीणों को शांत कराया था। अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने सुरागरसी की। इसके बाद आरोपी गांव के ही सत्यपाल पुत्र शान्ति स्वरूप को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शादी न होने को लेकर परेशान रहता है और नशा अधिक करता है। बुधवार को वह ग्राम कैशोपुर की बाजार से आधा किलो मछली लेकर आया था। जिसको घर लेकर गया और अपनी बहन से उसे बनाने के लिए कहा। मगर, बहन ने मना कर दिया। इसी को लेकर उसकी परिवार में कहासुनी हो गई थी। नशे की हालत में ही वह घर से मंदिर पहुंचा और मछली के टुकड़ों को रख दिया था। चालान कर पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया।

वन वॉचरों को मिला चार माह का मानदेय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **210 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को किया गया 66 लाख रुपये का भुगतान**

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में लगे 210 वन वॉचरों एवं अन्य दैनिक भोगी कर्मचारियों को अब आर्थिक तंगी से नहीं जूझना होगा। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने वन वॉचरों समेत अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के 10 माह के बकाये मानदेय में से 04 माह का मानदेय दे दिया गया है। बजट न मिलने पर इन कर्मियों को यह मानदेय टाइगर फाउंडेशन से दिया गया है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में करीब 210 वन वॉचर तैनात हैं। दिन-रात जंगलों के भीतर अपनी जान-जोखिम में डालकर ड्यूटी करने वाले इन वाचरों को मात्र 9,634 रुपये ही प्रति माह मानदेय दिया जाता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में स्टाफ की कमी को पूरा करने वाले इन वन वॉचरों को पूर्व में कई-कई माह बीत जाने के बाद भी वेतन नहीं मिल पाता था। अधिकतर वन वॉचर तो वेतन न मिल पाने के कारण तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इनकी जिम्मेदारी की बात करें तो वन वाचरों की ड्यूटी की कोई सीमा नहीं है। रात-दिन उनको ड्यूटी करना पड़ती है। हालांकि पिछले साल तक मानदेय देने की व्यवस्था को काफी हद तक दुरुस्त किया गया, मगर उसके बाद स्थिति जस की तस हो गई। मौजूदा समय में इन वन वॉचरों का करीब 10 माह का मानदेय बकाया चल रहा है। इधर वन वॉचर समेत दैनिक वेतन भोगी कर्मियों की समस्या को देखते हुए टाइगर रिजर्व प्रशासन ने उच्चाधिकारियों से पत्राचार कर उन्हें अवगत कराया। जिसके बाद उच्चाधिकारियों की ओर से टाइगर फाउंडेशन से मानदेय भुगतान की अनुमति दे दी गई। जिसके बाद टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से 210 वन वॉचरों समेत दैनिक वेतन भोगी कर्मियों को 04 माह का मानदेय यानी करीब 66 लाख का भुगतान कर दिया गया है। इसमें वन वॉचरों के अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर, चालक, महावत भी शामिल हैं। फिलहाल अभी इन वन वाचरों को 06 माह के बकाया मानदेय का इंतजार रहेगा।

"पीटीआर में तैनात दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को 04 माह का मानदेय दिया गया है। यह मानदेय टाइगर फाउंडेशन के फंड से दिया जाएगा। शेष बचे बकाया मानदेय को लेकर शासन से पत्राचार किया गया है। **-मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर**, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

नरई में लगाई आग खेत की फसल जली

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव भैसहा ग्वालपुर निवासी गोविंदराम पुत्र मिश्रीलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके तीन बीघा खेत में गन्ने की पेड़ी और तीन बीघा में गन्ने के पौधे की फसल लगी थी। एक तरफ की मेड़ के पास गांव के मानसिंह का खेत है। 21 अप्रैल को वह अपने पुत्र राजेश कुमार की बरात में गांव मानपुर गए थे। आरोप है कि इसी दौरान 22 अप्रैल को मानसिंह ने अपने खेत में खड़ी गेहूं की नरई को जलाया और उससे निकली आग से पीड़ित का तीन बीघा गन्ने की पेड़ी वाला खेत की फसल जल गई। गांव के लोगों के बीच पहले आरोपी ने सुलह की और फिर मुकर गया। विरोध करने पर हमला कर मारपीट कर धमकाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ई-रिक्शा वाटर कूलर जलसेवा शुरू

- **भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका की सकारात्मक पहल**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

नगरपालिका की जलसेवा की शुरुआत करतो प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख।

अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल की पहल पर शहर में वाटर कूलर से लैस ई-रिक्शा जल सेवा शुरू की गई है। जनपद के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने हरी झंडी दिखाकर ई-रिक्शा को रवाना कराया।

नगर पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक चरण में चार ई-रिक्शा शहर के विभिन्न इलाकों में संचालित किए गए हैं, जो दिनभर घूम-घूमकर राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी के दौरान आमजन, खासकर मजदूर, रिक्शा चालक और राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। प्रत्येक ई-रिक्शा पर महिला कर्मचारी तैनात की गई हैं। प्रभारी मंत्री ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना की। कहा कि इस तरह के प्रयास गर्मी के मौसम में आमजन को बड़ी राहत देते हैं और अन्य नगर निकायों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी सुकीर्ति माधव, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, रेखा सिंह परिहार, इंद्रेश सिंह चौहान, सभासद साकेत सक्सेना, पंकज तिवारी आदि मौजूद रहे।

आस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के नाम पर छह लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **एसपी के आदेश पर न्यूरिया पुलिस ने दर्ज की एफआईआर**

अमृत विचार : आस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के नाम पर 13 लाख रुपये ठग लिए गए। नौकरी न लगने पर सात लाख रुपये वापस कर दिए, लेकिन छह लाख नहीं लौटाए। मांगने पर धमकाया। एसपी के आदेश पर न्यूरिया पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम उलकरी ढकिया निवासी पुष्पेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका एक परिचित के माध्यम से बहेरुआ गांव निवासी गुरप्रीत सिंह पुत्र नगेंद्र सिंह से संपर्क हुआ। उसने ऑस्ट्रेलिया में पक्की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। ये कहा कि उसका विदेश भेजने का काम है और कई लोगों को नौकरी दिला चुका है। आरोपी ने वीजा, टिकट और अन्य प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर उससे तीन किस्तों में कुल 13 लाख रुपये ले लिए। जमीन तक बेचकर रुपये दिए गए थे। पूरी रकम लेने के बाद आरोपी ने दिल्ली बुलाया और वहीं से टिकट व वीजा मिलने की बात कही। मगर वहां पर कोई दस्तावेज नहीं मिला। इसके बाद से आरोपी टालमटोल करता रहा। कार्रवाई से बचने के लिए सात लाख रुपये अलग-अलग किस्तों में वापस कर दिए। मगर छह लाख हड़प लिए। मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। न्यूरिया एसओ सुभाष मावी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

देवी सिंह और राजकुमार बने अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रोडवेज परिसर में हुए कार्यक्रम के दौरान नवमनोनीत पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ की पीलीभीत शाखा के वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का मनोनयन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इसमें कार्यशाला शाखा के देवी सिंह एवं ट्रैफिक शाखा के राजकुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष मनोनीत किए गए। अन्य पदों पर पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। नवमनोनीत पदाधिकारियों को अभिनंदन कर उन्हें बधाई दी गई।

स्थानीय रोडवेज परिसर में गुरुवार को आयोजित बैठक के दौरान कार्यशाला और ट्रैफिक शाखा के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। कार्यशाला शाखा से देवी सिंह को अध्यक्ष, प्रीतम सिंह भारती को मंत्री, वीरपाल सिंह को कोषाध्यक्ष और रिजवान अहमद को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, ट्रैफिक शाखा में राज कुमार श्रीवास्तव को अध्यक्ष चुना गया। इनके साथ ही साधु राम दिवाकर को मंत्री, विजयपाल कोषाध्यक्ष और हरीश गंगवार को संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है। चुनाव प्रक्रिया क्षेत्रीय संरक्षक अमरीश सक्सेना और क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष केसी गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुई। संचालन क्षेत्रीय मंत्री रविप्रकाश ने किया, जबकि क्षेत्रीय अध्यक्ष कौशल बाबू ने आभार जताया। इस दौरान भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष ब्रहम स्वरूप वर्मा ने संगठन की नीतियों पर प्रकाश डाला और जिला मंत्री शेर सिंह चौहान ने अनुशासन के महत्व को समझाया। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दशरथ प्रसाद यादव समेत गिरधर गोपाल, देवेंद्र गंगवार, अमित चौबे, रवि कुमार, राजीव पांडेय सहित लगभग 100 कर्मचारी मौजूद रहे।

मां पूर्णागिरि सीमा दर्शन यात्रा की तैयारियां हुईं तेज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा आयोजित मां पूर्णागिरि सीमा दर्शन यात्रा को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारी तेज कर दी गई है। इसी को लेकर गुरुवार को प्रांत संगठन मंत्री राजेश, विभाग संगठन मंत्री देवेंद्र पीलीभीत पहुंचे और पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा नौ मई की सुबह नौ बजे गांधी स्टेडियम से शुरू होगी। यात्रा शहर का भ्रमण करते हुए मझोला में जलपान के लिए रुकेगी, जिसके बाद उत्तराखंड में प्रवेश कर श्रद्धालु मां पूर्णागिरि के पावन दर्शन करेंगे। वापसी मार्ग में नेपाल स्थित प्रसिद्ध सिद्ध बाबा के दर्शन भी किए जाएंगे।

बजरंग दल के जिला संयोजक को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक प्रखंड में प्रवास कर कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाएं और यात्रा में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करें। साथ ही दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति को भी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने और महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

नकली हार्पिक, कॉलिन व वीट क्रीम बरामद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **सुनगढी और कोतवाली क्षेत्रों में कंपनी के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई**

अमृत विचार : ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली सामान की बिक्री का धंधा एक बार फिर शहर से उजागर हुआ। घरेलू उपयोग के नकली उत्पादों की बिक्री को लेकर कार्रवाई की गई। कंपनी के अधिकारियों की ओर से की गई शिकायत के बाद छापामारी की गई। इसके बाद हार्पिक, कॉलिन और वीट क्रीम जैसे ब्रांडेड सामान के नकली उत्पाद का जखीरा बरामद किया गया। टीम में अल्फा इंटेलिजेंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर और कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि शामिल रहे। पुलिस ने कॉपीराइट अधिनियम और ट्रेडमार्क अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की है।

बताते हैं के कंपनी के प्रतिनिधियों को पिछले काफी समय से शहर में ब्रांडेड के नाम पर नकली सामान बेचने की शिकायतें मिल रही थी। इस पर थाना सुनगढी क्षेत्र में अल्फा इंटेलिजेंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर रंजीत कुमार साहू ने राकेट वकीसर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर जांच कराई।

टीम मां भगवती एजेंसी लोहा मंडी चौराहे पर पहुंची। वहां उसके स्वामी शैलेंद्र अग्रवाल पुत्र पवन अग्रवाल निवासी मोहल्ला डोरीलाल के प्रतिष्ठान से हार्पिक नाम से बिक रही 500 एमएल की 103 नकली प्लास्टिक बोतलें बरामद हुईं। कोतवाली क्षेत्र में संजीत कुमार पासवान के नेतृत्व में कई दुकानों पर जांच की गई। किराना मंडी स्थित आयुष अग्रवाल की दुकान से हार्पिक 200 एमएल के 2 पीस और 500 एमएल के 3 पीस बरामद हुए। घंटाघर के पास एमबीएस जनरल स्टोर से वीट हेयर रिमूवल क्रीम 30 ग्राम के 11 डुप्लीकेट पैकेट मिले। पुरानी गली मंडी स्थित प्रदीप किराना स्टोर से हार्पिक 500 एमएल की 4 बोतल और 200 एमएल की 4 बोतल बरामद हुईं। गंगवार किराना स्टोर से हार्पिक 500 एमएल की 18 और 200 एमएल की 18 बोतलें मिलीं। इसके अलावा मुकेश व विकास पटवा जनरल स्टोर, गणेश मार्केट से सबसे अधिक नकली सामान मिला। यहां से हार्पिक 200 एमएल की 121 बोतल, 500 एमएल की 4 बोतल, एक लीटर की 9 बोतल, कॉलिन 250 एमएल की 39 बोतल, 500 एमएल की 17 बोतल और वीट क्रीम 30 ग्राम के 32 पीस बरामद किए गए। पुलिस ने इस मामले में छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जब्त सामान कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि इसे लेकर गहनता से पड़ताल कराई जाएगी।

स्वर्णकार समाज की एकता संगठन विकास पर दिया जोर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अतिथियों को श्रीराम का चित्र भेंट करते जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा।

अमृत विचार : ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन की ओर से एक होटल में बुधवार रात स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा ने इसकी अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक लोकेश अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री महिला शक्ति जया वर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक महिला शक्ति अंजू अग्रवाल का प्रथम बार पीलीभीत आगमन पर स्वागत किया गया। नगरपालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एएसपी विक्रम दहिया, भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य बतौर अतिथि शामिल हुए। स्वर्णकार समाज की एकता, संगठन एवं विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने और युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने पर जोर दिया। साथ ही समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। सहभागिता हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने हस्ताक्षर कर समाज की एकता एवं प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में आभार व्यक्त किया गया।

माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त
सिर्फ अच्छी पढ़ाई का वायदा
शानदार सफलता के लिए अवश्य प्रवेश लें
शेरवुड हायर सेकेण्डरी स्कूल
कक्षा NC से 8 तक इंग्लिश मीडियम | कक्षा 1 से 10 तक हिन्दी मीडियम
1 अप्रैल से प्रवेश प्रारम्भ

डॉ. नरेन्द्र गंगवार
प्रबन्धक
विशेषताएं : 1. उच्च शिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य। 2. छोटे-छोटे बच्चों को लाने तथा ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था 3. सी.सी.टी.वी. कैमरे से मॉनीटरिंग की व्यवस्था 4. सुंदर व हवादार कमरों की उचित व्यवस्था 5. आधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की व्यवस्था 6. स्वच्छ व शांत वातावरण 7. विद्यालय का निजी शानदार भवन 8. प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को शिक्षा 9 छात्र- छात्राओं के बैठने के लिए बेंचों की सुविधा 10. बोर्ड परीक्षार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा 11. 100 प्रतिशत विद्यालय में आने पर उपहार में 1 साईकिल 12. सामान्य अध्ययन की भी पढाई कराई जायेगी।

नन्दराम
प्रधानाध्यापक
9761712928
सरकारी अस्पताल के आगे पिपरा रोड बरखेड़ा कलां, पीलीभीत
सम्पर्क सूत्र : 8899163053, 9536121024, 9759723097

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए साजिश रचता है विपक्ष : प्रभारी मंत्री

बलदेव सिंह औलख ने विपक्ष पर साधा निशाना, बोले- महिलाओं को लड़नी है अपने अधिकारों की लड़ाई

- गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया भाजपा का जन आक्रोश सम्मेलन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गांधी प्रेक्षागृह में हुए सम्मेलन में प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, भाजपा जिलाध्यक्ष, जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के खिलाफ कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा किए गए मतदान का विरोध दर्ज करने को लेकर जन आक्रोश सम्मेलन का आयोजन गांधी प्रेक्षागृह में किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री बलदेव सिंह औलख रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने की।

प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में नारी शक्ति के हित में बिल लेकर आए, लेकिन विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों का विरोध किया। अब महिलाओं को अपने अधिकार की लड़ाई लड़नी है। आज सरकार ने महिलाओं को रोजगार देने का कार्य किया है। भाजपा सरकार की महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं को विस्तार से बताया। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाया है जबकि विपक्ष ने महिलाओं का हमेशा अपमान किया है। पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से महिलाएं देश के विकास में और तीव्र गति से सहभागी बनतीं मगर विपक्ष ने महिलाओं के साथ छल किया और इस बिल को सदन में पास नहीं होने दिया। बरखेड़ा विधायक स्वामी ने कहा कि एक तरफ भाजपा नारियों के पूजन की बात करती है दूसरी तरफ विपक्ष नारियों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए साजिश रचता है। पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने भी विचार रखे। नगर पालिका चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि संसद में विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों को छीना है। महिलाएं इसका आगामी चुनाव में विपक्ष को इसका जवाब भी मिलेगा। इस मौके पर पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा गीता मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, रेखा सिंह परिहार, ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा, जिला मंत्री ऋचा पटेल, पंकज तिवारी, पुष्पा शुक्ला, नगराध्यक्ष इंद्रेश चौहान, अभिषेक सिंह पटेल, अभिमन्यु गंगवार आदि मौजूद रहे।

शहर में निकाली गई पदयात्रा में भाजपा की महिला जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी।

हाथ में पट्टिकाएं लेकर नारेबाजी करते हुए निकाली पदयात्रा

महिलाओं द्वारा जन आक्रोश पदयात्रा निकाली गई। हाथ में पट्टिकाएं लेकर नारेबाजी करते हुए महिला जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता चल रहे थे। अधिनियम से होने वाले लाभ को भी बताया गया। वहीं, विपक्ष के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। वहीं, प्रभारी मंत्री ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि विपक्ष का चरित्र और महिलाओं के प्रति उनकी सोच इस बिल का विरोध करते ही उजागर हो गई है। प्रधानमंत्री ने बड़ी साफ नीयत के साथ देश की आधी आबादी को सदन में आधा अधिकार दिलाने के लिए ये प्रयास किया था जिसे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा गिरा दिया गया जोकि निंदनीय है।

ज्योतिष मुहूर्त पत्रिका के विमोचन में पहुंचे विधायक

संवाददाता, बिलसंडा

- श्रीब्रह्म जन सेवा समिति ने एक बरातघर में किया कार्यक्रम

अमृत विचार: नगर के एक बारात घर में श्रीब्रह्म जन सेवा समिति द्वारा ज्योतिष मुहूर्त पत्रिका विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि गोला विधायक अमन गिरि रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर शुरुआत कराई। विधायक अमन गिरी ने पत्रिका का विमोचन किया। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री प्रतीक पांडेय, राष्ट्रीय हनुमान दल प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष सक्सेना, नितिन पाठक, अरविंद अवस्थी, पंडित संतोष मिश्रा, रामेंद्र गोस्वामी, बृज क्षेत्र उपाध्यक्ष वैभव सक्सेना, सौरभ जायसवाल गोलू, अमित मिश्रा, अनुपम दीक्षित, विष्णु गोस्वामी, बंटी शुक्ला, अशोक शुक्ला, अनुजेंद्र मिश्रा, जागेश मिश्रा, धीरज जायसवाल, अनुज कुमार, सर्वेश कुमार सिंह, मोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

ज्योतिष मुहूर्त पत्रिका का विमोचन करते गोला विधायक अमन गिरी। ● अमृत विचार

राशन कोटों पर 24 से बंटेगा खाद्यान्न

पीलीभीत, अमृत विचार : जनपद के राशन कार्ड धारकों को मई का का राशन 24 अप्रैल से 08 मई तक वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि राशन कोटे की दुकानों पर राशन का वितरण सुबह 06 बजे से रात्रि 09 बजे तक किया जायेगा। अन्त्योदय राशन कार्ड धारकों को गेहूं 21 किग्रा प्रति राशन कार्ड, चावल 14 किग्रा प्रति राशन कार्ड नि :शुल्क दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को गेहूं 03 किग्रा प्रति यूनिट और चावल 02 किग्रा प्रति यूनिट निशुल्क बांटा जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी राशन कार्ड धारकों से वितरण के दौरान अपने राशन कार्डों में दर्ज सभी यूनिटों की ई–केवाईसी जल्द कराने की अपील की है।

मां और बेटे के साथ मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया क्षेत्र के ग्राम सददरपुर निवासी गुरुप्रताप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 अप्रैल की शाम साढ़े सात बजे वह अपनी कार से रुद्रपुर से वापस आ रहे थे। सितारगंज में उसका दोस्त केवल प्रधान निवासी ग्राम कटमटा मिला। उसने कार रोकी और गुरुद्वारे में अपने साथ ले गया। इसके बाद वापस कार से घर आए। 22 अप्रैल को सुबह नौ बजे पवनदीप सिंह, तेजेंद्र, सतपाल सिंह, सर्वजीत कौर निवासी ग्राम सितारगंज उधम सिंह नगर उसके घर में घुस आए। दरवाजा और मोबाइल भी तोड़ दिया। आरोपियों ने उसे और उसकी मां हरजिंदर कौर के साथ मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस जांच कर रही है।

प्रीपेड मीटर को लेकर व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : युवा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों को सौंपा। इसमें प्रीपेड मीटर में में आ ही समसयाओं को देखते हुए समाधान कराने की मांग की।

ज्ञापन में बताया कि प्रीपेड मीटर के कारण व्यापारियों और अन्य उपभोक्ताओं की लाइट कट रही है। विभाग के प्रीपेड मीटर के सर्वर काम नहीं कर रहा है। प्रीपेड मीटर के एव में जमा करने के बाद भी पेमेंट अपडेट नहीं हो रहा है। पुरानी सिक्योरिटी एडजस्ट करने की डिटेल उपभोक्ता को उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। बिना किसी आधार के अवैध वसूली के लिए वर्षों पुराना बकाया दर्शाकर रिकवरी भेजी जा रही है। इसके अलावा अन्य समस्याएं भी रखी ओर निस्तारण कराने की मांग की है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शैली शर्मा, सुनील वर्मा, हरीश सिंह, वीरेंद्र रस्तोगी, राशिद आदि मौजूद रहे।

ज्ञापन देने पहुंचे व्यापारी। ● अमृत विचार

शाम को निकाली प्रतीकात्मक शव यात्रा

पीलीभीत, अमृत विचार : उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की युवा विंग की ओर से दिन में स्मार्ट मीटर को लेकर आ रही समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया था। इसके बाद शाम को व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराया। स्मार्ट मीटर की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली गई और विरोध प्रदर्शन किया गया। जल्द समस्या का समाधान ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई।

संदिग्ध हालात में संग्रह अमीन की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : संग्रह अमीन की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह घर पर मृत मिले।

मूल रूप से बुलंदशहर जिले के कस्बा गुलावठी के रहने वाले 56 वर्षीय सतीश कुमार संग्रह अमीन थे। वर्तमान में उनकी तैनाती अमरिया तहसील में चल रही थी। वह शहर की तहसीलदार कालोनी में रहते थे। उनका गुरुवार को आवास में बेसुध पड़े थे। काफी देर बाद भी जब वह बाहर नहीं निकले तो संदेह पर आसपास के लोगों ने जाकर देखा और होश उड़ गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाली पुलिस भी पहुंच गई। आननफानन में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने लोगों से जानकारी की और परिवार को सूचित किया। बताते हैं कि सतीश कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। इसी दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत की आशंका जताई जाती रही।

समयसीमा में पूरे करें निर्माण लापरवाही पर कार्रवाई तय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सीएम डैशबोर्ड और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

अमृत विचार : डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल संबंधित विभागों को हैंडओवर करने की प्रक्रिया शुरू की जाए।

गांधी सभागार में गुरूवार को हुई बैठक में डीएम ने शिक्षा, सामूहिक विवाह, ग्राम्य विकास और आयुष्मान कार्ड की स्थिति पर असंतोष जताते हुए इसमें तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने ब्रह्मचारी घाट, मेडिकल कॉलेज में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज और मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय बिठौरा कलां के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सख्त चेतावनी दी कि निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

तैयारियों को धरातल पर जांचने पहुंचे डीएम-एसपी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह व एसपी सुकीर्ति माधव।

अमृत विचार : जनपद में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स एनरोलमेंट 2025 की लिखित परीक्षा को शुचितापूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। यह भर्ती परीक्षा 25 अप्रैल से छह परीक्षा केंद्रों पर होगी। गुरुवार को डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को परखा और संबंधितों का दिशा निर्देश दिए।

उप्र होमगाड्र्स लिखित एनरोलमेंट 2025 परीक्षा जनपद में 25,26 व 27 अप्रैल को होगी। यह लिखित परीक्षा जनपद में 06 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में संपन्न कराई जाएगी। इधर गुरुवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और एसपी सुकीर्ति माधव ने होमगाड्र्स भर्ती परीक्षा को सकुशल व निर्विघन ढंग से संपन्न कराने के लिए शहर स्थित ड्रमंड राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कालेज, एसएन इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय एवं राजकीय पालिटेक्निक कालेज के परीक्षा केंद्र कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्युत व्यवस्था, पेयजल, पंखा, शौचालय, सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य व्यवस्थाओ को परखा। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि जो भी कमियां हों, उन्हें समय से ठीक करा लिया जाए ताकि परीक्षा बेहतर ढंग से कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी समेत विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने निर्माणाधीन खेल मैदान देखा

पीलीभीत, अमृत विचार : जिले के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने गांधी स्टेडियम में निर्माणधीन हॉकी एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गांधी स्टेडियम में खिलाड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में मौके पर मौजूद अधिकारियों से जानकारी की। इस मौके पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी सुकीर्ति माधव, सी डीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह , पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य आदि मौजूद रहे।

शेक्सपियर के जीवन और साहित्यिक योगदान को बताया

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर पब्लिक स्कूल, बेन– हर गुरुकुल में विलियम शेक्सपियर दिवस पर इंग्लिश क्लब का आयोजन किया गया। शेक्सपियर के जीवन, उनके महान साहित्यिक योगदान के बारे में जानकारी दी गई। रूपरेखा एक्टिविटी इंचार्ज रोशनी बग्गा व गुरसेवक सिंह ने तैयार की। कक्षा 12 के छात्र सौगात शुक्ला ने शेक्सपियर की प्रसिद्ध रचनाओं जैसे हैमलेट, मैकबेथ, ओथेलो, रोमियो एंड जूलियट आदि का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। कक्षा 9 और 10 की माहिरा रिजवान ,अनमोल, आन्या, नवरीतकौर, व्याख्या और सवीहा ने विलियम शेक्सपियर द्वारा रचित नाटक मैकबेथ के माध्यम से उनके जीवन काल पर प्रकाश डाला और उनके महान साहित्य की चर्चा की। संस्थापिका रंजीत सैहमी, मैनेजिंग डायरेक्टर परविंदर सिंह सैहमी, गुरदित्त सैहमी ने सराहना की। कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों की क्विज प्रतियोगिता हुई। प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी, डॉ. निर्मल कौर, हेडमिस्ट्रेस निर्मला शर्मा, एकेडमिक इंचार्ज आयुषी दीक्षित, सैयदा अमन, संस्कृति कश्यप, पूनम रानी, अंजनी श्रीवास्तव, सादर जहां आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज

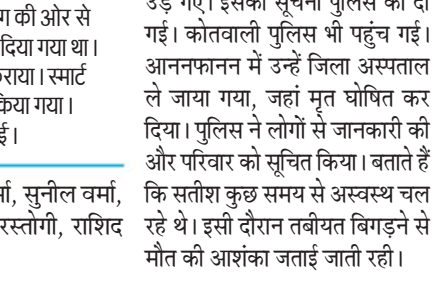

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया में दी तहरीर में ग्राम कैचूटांडा निवासी इस्तार अहमद पुत्र निसार अहमद ने बताया कि उसकी पुत्री का देवर अरबाज पुत्र मोहम्मद सदीक निवासी ग्राम कैचूटांडा उसकी दूसरी पुत्री के साथ शादी का दबाव बनाता है। विरोध करने पर 23 अप्रैल की रात आरोपी ने घर में घुसकर मारपीट की। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

लेंसकार्ट शोरूम के कर्मचारियों को तिलक लगाकर बांधा कलावा

पीलीभीत, अमृत विचार : लेंसकार्ट शोरूम पर भाजपा नेता नाजिया इलाही खान का मुंबई के अंधेरी वेस्ट से जुड़ा एक वीडियो पिछले कुछ दिनों में तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें वह शोरूम पर पहुंचकर वहां के कर्मचारियों को तिलक लगाकर और कलाबा बांधती दिखाई दे रही थी। इसी तरह से अब शहर में भी राष्ट्रीय हनुमान दल के कार्यकर्ता लेंसकार्ट शोरूम पर पहुंचे और वहां के कर्मचारियों को तिलक लगाया और कलवा बांधा। जिलाध्यक्ष अमित गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ता पहुंचे थे।

किताबें केवल पन्नों का समूह नहीं

पीलीभीत, अमृत विचार : शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक और शैमरॉक किरन स्कूल में बुक डे मनाया गया। शिक्षकों ने कहा कि किताबें केवल पन्नों का समूह नहीं, बल्कि ज्ञान की वो चाबियां हैं जो सफलता और समझ के द्वार खोलती हैं। बुक टॉक्स और बुक कैरेक्टर इंटरव्यू मुख्य आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने मोगली और निंजा हथौड़ी जैसे लोकप्रिय पात्रों के रूप में मंच पर आकर अपनी पसंदीदा कहानियों के अनुभव साझा किए। इस मौके पर सदफ, लव ज्योति, सिदरा, दिव्यांशी, इक़रा, सुबह, गौरांशी, रूचि, दीपिका, अदिति, मंजरी, शानी, सागर, सायमा, गौरव, आयुष, संजय, प्रदक्षिना, तान्या, सुम्बुल, वैष्णवी, उमम आदि मौजूद रहे।

बंटवारे के विवाद में पीटा, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्राम भूड़िया नौगवां निवासी राजेंद्र ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि उनका बंटवारे को लेकर भाईयों से विवाद है। 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे उसके भाई बच्चा लाल के पुत्र जितेंद्र कुमार, प्रेम पाल, नेहा ने पत्नी रामवती को पीटा। जब वह बचाने गए तो उनकी भी पिटाई कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. आंचल अग्रवाल एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई) फीजिशियन
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

न्यूज ब्रीफ

इंजीनियर बनना चाहते हैं हाईस्कूल टॉपर अर्जित

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र अर्जित गुप्ता ने हाईस्कूल की परीक्षा में जिला टॉप कर जिले का मान बढ़ाया है। अर्जित ने बताया कि वह इंजीनियर बनकर देश सेवा करना चाहता है। 5 से 6 घंटे की नियमित पढ़ाई और माता पिता व शिक्षकों के सहयोग से सफलता मिली। उनके बाबा कृषक समाज इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता रामनरेश गुप्ता से उन्होंने गणित की पढ़ाई की। बैडमिंटन खेलना उनका शौक है। इंजीनियर बनना है उमाशंकर का सपना चेतना मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज नैनापुर रमियाबेहड़ के छात्र उमाशंकर ने 93 .60 प्रतिशत अंक हासिल कर इंटरमीडिएट परीक्षा में जिला टॉप किया है। उमाशंकर के पिता भगवती दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि उनकी मां कामना ग्रहणी हैं। उमाशंकर ने बताया कि वह इंजीनियर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं। सोशल मीडिया से दूर रहने वाले उमाशंकर ने अपनी उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को दिया है।

इंजीनियर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं हर्षित

हाईस्कूल में 94 .50 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में दूसरा स्थान पाने वाले हर्षित तिवारी इंजीनियर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं। वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र हैं। मितौली तहसील के कस्ता गांव निवासी हर्षित के पिता रवींद्र कुमार किसान और मां सुधा देवी गृहिणी हैं। हर्षित ने बताया कि गणित के कठिन सवालों को समझने के लिए उन्होंने शिक्षकों के साथ ऑनलाइन पढ़ाई की मदद ली। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों को दिया।

हर्षित तिवारी।

डॉक्टर बनना चाहते हैं शौर्य गुप्ता

अस्तल सरस्वती विद्या मंदिर कॉलेज मोहम्मदी में इंटरमीडिएट के छात्र शौर्य गुप्ता ने 92 .6 प्रतिशत अंक पाकर जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया। शौर्य के पिता मेडिकल स्टोर चलते हैं, जबकि माता ग्रहणी हैं शौर्य गुप्ता आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहते हैं। शौर्य ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और विद्यालय के शिक्षकों को दिया है।

शौर्य गुप्ता।

डॉक्टर बनकर देश सेवा करना चाहते हैं अचल

इंटरमीडिएट परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में तीसरा स्थान पाने वाले गोकुलपुरी निवासी अचल वर्मा अब चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र हैं। अचल के पिता परचून की दुकान चलाते हैं, जबकि मां शशि कला गृहिणी हैं। अचल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है।

अचल वर्मा।

इंजीनियर बनना चाहते हैं हाईस्कूल टॉपर सिद्धार्थ

धौरहरा के श्रीमती चन्द्रप्रभा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज खमरिया के छात्र सिद्धार्थ दीक्षित ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 93 .56 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले की टॉप-10 सूची में छठा स्थान हासिल किया है। छात्र की इस उपलब्धि से विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सिद्धार्थ दीक्षित के पिता शिव प्रसाद दीक्षित निवासी ढाकिनिया एक मध्यम किसान है और माता संगीता देवी गृहणी हैं। सिद्धार्थ इंजीनियर बनना चाहते है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के त्याग और गुरुओं के मार्गदर्शन को दिया।

सिद्धार्थ दीक्षित।

यूपी बोर्ड: हाईस्कूल-इंटरमीडिएट में बालकों का दिखा दबदबा

हाईस्कूल में अर्जित व इंटरमीडिएट में उमाशंकर बने जिला टॉपर, सूबे की टॉप टेन सूची में स्थान बनाने में वंचित रहे मेधावी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया। जिले में रिजल्ट जारी होते ही हजारों छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला और कुछ ही देर में सफलता की खबरों से माहौल खुशियों से भर गया। हाईस्कूल में विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गोला के अर्जित गुप्ता ने 95.33 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटरमीडिएट में चेतना मेमोरियल इंटर कॉलेज, नैनापुर के उमाशंकर ने 93.60 प्रतिशत अंक के साथ टॉप कर जिले का नाम रोशन किया।

इस वर्ष जिले से कुल 92,930 छात्र-छात्राएं यूपी बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें हाईस्कूल के 50,188 और इंटरमीडिएट के 42,472 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। इस बार हाईस्कूल वर्ग में 28,221 बालक और 21,967 बालिकाएं शामिल हुई थीं, जबकि इंटरमीडिएट में 24,189 बालक और 18,853 बालिकाएं परीक्षा में बैठे थे। बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेरिट सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। खास बात यह रही कि इस बार हाईस्कूल और इंटर दोनों ही परीक्षाओं में टॉप-श्री में लड़कों का दबदबा रहा। कई विद्यालयों के छात्रों ने शानदार अंक हासिल कर अपने परिवार, स्कूल और जिले का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम आने के बाद स्कूलों में जश्न जैसा माहौल रहा और सफल छात्रों को लगातार बधाइयां मिलती रहीं।

कुं. खुशवक्त राय इंटर कॉलेज में खुशी मनातीं छात्राएं। ● अमृत विचार

परिणाम घोषित होने के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज में खुशी मनाते छात्र और शिक्षक। ● अमृत विचार

हाईस्कूल में दीनदयाल के हर्षित दूसरे, विद्या मंदिर गोला के आयुष तीसरे स्थान पर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में इस बार जिले के छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। गुरुवार को घोषित रिजल्ट में दूसरे स्थान पर दीनदयाल इंटर कॉलेज, लखीमपुर के हर्षित तिवारी रहे, जिन्होंने 94 .50 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं विद्या मंदिर गोला के आयुष वर्मा ने 94 .17 प्रतिशत अंक पाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। राम प्रसाद इंटर कॉलेज, सहिजना रामपुर बनवारी के अरविंद गौतम ने 94 प्रतिशत अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। पांचवें स्थान पर प्रांशू, आयुष और ईशांत शर्मा ने 93 .83 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से जगह बनाई। छठे स्थान पर हृदयांशी सक्सेना, अंश पटेल और सिद्धार्थ दीक्षित रहे, जिन्हें 93 .67 प्रतिशत अंक मिले। सातवें स्थान पर सात छात्रों ने 93 .50 प्रतिशत अंक के साथ अपनी जगह बनाई। आठवें स्थान पर आयुष खन्ना और पीयूष कुमार (93 .33 प्रतिशत), नौवें स्थान पर अमरेंद्र वर्मा (93 .17 प्रतिशत) और दसवें स्थान पर समीक्षा भारती व दीपिका सिंह (93 प्रतिशत) ने टॉप-10 में स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया।

अर्जित गुप्ता।

उमाशंकर।

अर्जित को मिठाई खिलाते माता-पिता। ● अमृत विचार

दिहाड़ी मज़दूर के बेटे ने जिले में किया टॉप मोबाइल से दूरी बनाकर पाई सफलता

मेहनत और लगन से बड़ी से बड़ी मुश्किल को हराया जा सकता है। यह साबित कर दिखाया है दिहाड़ी मजदूर के बेटे उमाशंकर ने, जिन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में पहला स्थान हासिल कर सभी को गर्व महसूस कराया है। साधारण परिवार से आने वाले उमाशंकर ने सीमित संसाधनों के बीच रहकर अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने कभी हालात को अपने सपनों के बीच नहीं आने दिया और पूरी मेहनत के साथ लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखा। उमाशंकर ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई के दौरान मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी। उनके घर में केवल एक कीपैड मोबाइल है, जिसका इस्तेमाल वह सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही करते थे। उनका कहना है कि समय का सही उपयोग और पढ़ाई पर पूरा ध्यान ही उनकी सफलता की असली वजह है। उमाशंकर की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता उन छात्रों के लिए प्रेरणा है, जो कम संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं।

इंटरमीडिएट में दूसरे स्थान पर रहे अस्तल विद्या मंदिर मोहम्मदी के शौर्य गुप्ता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में इस बार जिले के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे स्थान पर अस्तल विद्या मंदिर, मोहम्मदी के शौर्य गुप्ता रहे, जिन्होंने 92 .60 प्रतिशत अंक पाए। वहीं दीनदयाल इंटर कॉलेज, लखीमपुर के अचल वर्मा ने 92 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। एसपीएसएस कॉलेज, चौखड़िया के आयुष ने 91 .80 प्रतिशत अंक पाकर चौथा स्थान प्राप्त किया। पांचवें स्थान पर प्रियांशु सिंह, शुभम मौर्य और श्रद्धेया श्रीवास्तव ने 91 .40 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से जगह बनाई। छठे स्थान पर रजत चक्रवर्ती (91 .20 प्रतिशत) और सातवें स्थान पर तेजस्वी नारायण शर्मा (91 प्रतिशत) रहे। आठवें स्थान पर अनुरुद्ध कुमार ने 90 .80 प्रतिशत अंक हासिल किए। नौवें स्थान पर सेहत कुमार, आर्य त्रिपाठी और पंकज कुमार ने 90 .60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं दसवें स्थान पर शिवांश शर्मा ने 90 .40 प्रतिशत अंक के साथ टॉप-10 में अपनी जगह बनाई।

दसवीं के टॉपर

नाम	प्रतिशत	स्कूल का नाम
अर्जित गुप्ता	95 .33	विद्या मंदिर गोला
हर्षित तिवारी	94 .50	दीन दयाल लखीमपुर
आयुष वर्मा	94 .17	विद्या मंदिर गोला
अरविंद गौतम	94 .00	राम प्रसाद इंटर कालेज सहिजना रामपुर बनवारी
प्रांशू	93 .83	जिला पंचायत काला आम
आयुष	93 .83	विद्या मंदिर गोला
ईशांत शर्मा	93 .83	अस्तल विद्या मंदिर मोहम्मदी
हृदयांशी सक्सेना	93 .67	केएस कालेज गोला
अंश पटेल	93 .67	विद्या मंदिर गोला
सिद्धार्थ दीक्षित	93 .67	श्रीमती चंद्र प्रभा खमरिया
प्रियांशू कश्यप	93 .50	डीएस लखीमपुर
अनुभव पांडे	93 .50	विद्या मंदिर गोला
अजिति रस्तोगी	93 .50	सनातन धर्म लखीमपुर
अनुराधा मिश्रा	93 .50	सरस्वती विद्या मंदिर पलिया
रोहित राठौर	93 .50	राजरानी बेहजम
अमन पाल	93 .50	राजकीय हाईस्कूल गूमचीनी
आकाश गुप्ता	93 .50	अस्तल विद्या मंदिर मोहम्मदी
आयुष खन्ना	93 .33	विद्या मंदिर गोला
पीयूष कुमार	93 .33	इंटर कालेज तेजापुर
अमरेंद्र वर्मा	93 .17	विद्या मंदिर गोला
समीक्षा भारती	93	सनातन धर्म लखीमपुर
दीपिका सिंह	93	विद्या मंदिर निघासन

इंटरमीडिएट के टॉपर

नाम	प्रतिशत	स्कूल का नाम
उमाशंकर	93 .60	चेतना मेमोरियल नैनापुर
शौर्य गुप्ता	92 .60	अस्तल विद्या मंदिर मोहम्मदी
अचल वर्मा	92	दीनदयाल लखीमपुर
आयुष	91 .80	एसपीएस कालेज चौखड़िया
प्रियांशु सिंह	91 .40	वाईडीसी ओयल
शुभम मौर्य	91 .40	दीनदयाल लखीमपुर
श्रद्धेया श्रीवास्तव	91 .40	सिटी मांटेसरी
रजत चक्रवर्ती	91 .20	गुरु नानक इं कॉलेज लखीमपुर
तेजस्वी नारायण शर्मा	91	विद्या मंदिर गोला
अनुरुद्ध कुमार	90 .80	दीनदयाल उपाध्याय
सेहत कुमार	90 .60	ज्ञानस्थली लखीमपुर
आर्य त्रिपाठी	90 .60	केदार सिंह मेमोरियल- मितौली
पंकज कुमार	90 .60	राधेश्याम सोमदेवी कालेज कस्ता
शिवांश शर्मा	90 .40	सिटी मांटेसरी

जनसमस्याओं के समाधान पर फोकस

● पहली प्रेसवार्ता में नवागत डीएम ने बताईं प्राथमिकताएं

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले के नए जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अपनी पहली प्रेसवार्ता में प्रशासनिक कार्यशैली की झलक पेश की। उन्होंने साफ कहा कि आम जनता की शिकायतों का तेजी और पारदर्शिता के साथ निस्तारण उनकी कार्यप्रणाली का मुख्य आधार रहेगा।

उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी की जाएगी। साथ ही लंबित न्यायालयी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश भी दिए जाएंगे। डीएम ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के लिए आईजीआरएस जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाएं भी सक्रिय हैं, जिससे लोग घर बैठे अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक स्वयं जनता से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और अधिकारियों को समयसीमा में निस्तारण के निर्देश देंगे। मीडिया द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए सूख चुके तालाबों में पानी की व्यवस्था, मेडिकल कॉलेज के संचालन में तेजी और यातायात व्यवस्था को सुधारना प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है।

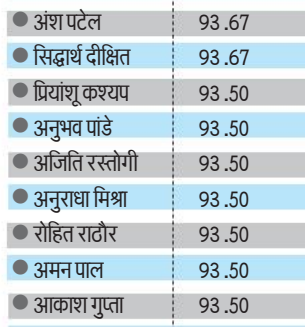

नवागत डीएम अंजनी कुमार सिंह।

न्यूज ब्रीफ

तस्कर गिरफ्तार, 11 ग्राम स्मैक बरामद

पलिया कलां, अमृत विचार : स्थानीय पुलिस ने नगर के मोहल्ला पठान दो निवासी गौरव को 11 ग्राम ब्राउन शुगर सहित गिरफ्तार किया है। जिसकी कीमत करीब 44 हजार रुपये आंकी गई है । इसके अतिरिक्त उसके पास से एक बिना कागजात वाली सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल नंबर यूपी 31 बी ई 85 56 भी बरामद हुई। थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि अभियुक्त को एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जहां न्यायालय रवाना किया गया, वहीं उसकी बाइक को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। अफसरों ने तस्करों पर सख्ती करने के निर्देश दिए है।

पंचमुखी हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव संपन्न

पलिया कलां, अमृत विचार : निघासन रोड पर ग्राम बोझवा के आगे स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में मौजूद द्वादश ज्योतिर्लिंगों के समक्ष पूजन-अर्चन के बाद शुरू हुए श्री राम नाम जप संकीर्तन का आज जोरदार जयकारों के साथ समापन हुआ। इसके पश्चात श्री रामचरितमानस के पंचम सोपान सुंदरकांड का नगर के श्री सुंदरकांड समाज सेवा मंडल द्वारा संगीतमय सस्वर वाचन किया गया। जिसकी समाप्ति पर हवन एवं भंडारा प्रसाद वितरण हुआ ।इस मौके पर नगर के प्रमुख व्यापारी सुरेश गर्ग,गोल्डन अग्रवाल, नीरज गर्ग, विनोद अग्रवाल नौगवां, पंडित वेद प्रकाश मिश्र, विश्वकांत त्रिपाठी, निरंकार प्रसाद बरनवाल ,उमाशंकर मिश्र, सहित अनेक श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

बक्खारी गांव में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बक्खारी के एक घर में दीवार फांदकर घुसे चोरों ने नकदी और जेवर चुरा लिये थे। पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी है गांव निवासी राजश्री पत्नी रामकुमार ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 22 अप्रैल की रात चोर दीवार पर चढ कर छत से सीढ़ी के सहारे घर में घुस आए। घर में रखे पुत्री पूजा देवी, बहू गीता देवी के जेवर और नकदी चुरा ले गए। सुबह जागने पर परिवारवालों को घटना की जानकारी हुई। मौके का सीओ रमेश कुमार तिवारी ने मुआइना किया था। पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है।

होमगार्ड्स परीक्षा: डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं कसीं

केंद्रों पर स्ट्रांग रूम से कंट्रोल रूम तक जांचा, सुरक्षा व पारदर्शिता पर दिए कड़े निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों पर एनरोलमेंट परीक्षा के लिए डीएम अंजनी कुमार सिंह और एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने एएसपी पूर्वी पवन गौतम के साथ गुरुवार को संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल की और अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए।

डीएम-एसपी ने क्रमशः राजकीय इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज एवं अबुल कलाम आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज पहुंचकर परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, कंट्रोल रूम की मॉनिटरिंग प्रणाली और परीक्षा कक्षों की तैयारियों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने सीटिंग प्लान, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था, कक्ष निरीक्षकों की तैनाती तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीएम अंजनी कुमार सिंह ने केंद्र व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की सुचिता सर्वोपरि है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, छाया एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कक्षा में ब्लैक बोर्ड पर बच्चों को समझाते डीएम। ● अमृत विचार

वहीं, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए।

डीएम-एसपी ने संयुक्त रूप से यह भी निर्देशित किया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी केंद्रों की निगरानी की जाए। इसके अलावा उन्होंने परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी कार्मिकों को निर्देशित किया। परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया।

चाक से पढ़ाया विज्ञान

परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम अंजनी कुमार सिंह व्यवस्थाओं की समीक्षा के बीच वे अचानक एक कक्षा में पहुंचे और हाथ में चाक थामकर उन्होंने छात्रों से सीधे संवाद शुरू किया। डीएम ने सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान की अवधारणाएं समझाईं। बीच-बीच में सवाल पूछकर उन्होंने छात्रों की भागीदारी भी सुनिश्चित की, जिससे कक्षा का वातावरण पूरी तरह संवादात्मक और ऊर्जा से भर गया। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक उत्तर दिए और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस दौरान डीएम ने शिक्षकों से कहा कि शिक्षा को केवल पुस्तक तक सीमित न रखे प्रायोगिक और जीवन से जोड़कर पढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाए।

ई-लॉटरी से 11 देशी शराब की दुकानों का आवंटन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: जिले की 11 नवसृजित देशी मदिरा दुकानों के व्यवस्थापन के लिए गुरुवार को ई-लॉटरी का तृतीय चरण पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुआ। डीएम अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं एसपी डॉ. ख्याति गर्ग की मौजूदगी रही।

डीएम ने लॉटरी प्रक्रिया की शुरुआत में सभी आवेदकों को सिमुलेशन (डेमो) के माध्यम से पूरी प्रणाली की जानकारी दी, ताकि प्रक्रिया की पारदर्शिता पर किसी प्रकार का संदेह न रहे। इसके बाद फाइनल ई-लॉटरी सम्पन्न कराई गई, जिसमें 212 आवेदकों में से 11 अनुज्ञापियों का चयन किया गया।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि सभी चरण निर्धारित मानकों के अनुरूप निष्पादित किए गए हैं। ई-लॉटरी प्रक्रिया के सफल आयोजन के बाद चयनित आवेदकों में उत्साह देखा गया। इस दौरान जिला आबकारी अधिकारी राजवीर सिंह, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

चित्र प्रदर्शनी में दिखी कलाकारों की प्रतिभा

गोला के गुरु हरिकिशन महाविद्यालय में लगी कला प्रदर्शनी देखते अतिथि और प्राचार्य।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● गुरु हरिकिशन में नारी शक्ति वंदन ग्रुप 21 का किया आगाज

अमृत विचार : गुरु हरिकिशन महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने नारी शक्ति वंदन पर कला प्रदर्शनी लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि सीजीएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह और विशिष्ट अतिथि गुरुनानक कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजू भोगल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि प्रो. पंकज सिंह ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों की प्रशंसा करते हुए उनकी भाव भंगिमा, सृजनात्मकता एवं प्रस्तुति की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजू भोगल ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की प्रशंसा की। विभिन्न चित्रों का सृजन अनुष्का वर्मा, रोशनी, नाजरीन, खुशबू बानो, श्वेता, प्रीतिका, रोशनी मित्र, मानसी मौर्य, रागिनी वर्मा, सुषमा गुप्ता, सुनीता और आंचल आदि ने चित्रकला द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक चित्रकला विभाग के सहायक प्राध्यापक अशोक वर्मा एवं कन्हैया लाल मिश्र रहे, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्राध्यापक आकाश कुमार शर्मा, शांति देवी, अनुराधा रानी, सुधाकर मिश्र, वीरेंद्र प्रजापति, सुनील गुप्ता, पदुमकान्त मिश्रा, विनीत मोहन मिश्र, ऋषि मिश्र आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में बिजली कटौती से मची त्राहि-त्राहि, लोग हो रहे बेहाल

संवाददाता, रोशननगर

● निर्धारित18 घंटे में मात्र पांच घंटे मिल पा रही बिजली

● रात में मोमबत्ती का सहारा लेने को मजबूर हो रहे लोग

अमृत विचार : हैदराबाद फीडर से संबद्ध रोशन नगर क्षेत्र के दर्जनों गांवों की अंधाधुंध बिजली कटौती जारी है। इससे उपभोक्ता परेशान हैं।

उपभोक्ताओं का कहना है कि दिन में तो हवा चलती है पर रात में हवा नही चलती, फिर भी बिजली आने का घंटों इंतजार करना पड़ता है। बिजली विभाग से जानकारी की गई तो बताया गया कि अजान फीडर के कौरेया एजेंट में 11 केवी का तार टूटने से बिजली बाधित हुई है। रोशननगर के उपभोक्ता लाल सिंह का कहना है कि दिन तो कट जाता हैं पर रात्रि में खाना खाने के वक्त बिजली नहीं रहती, तब मोमबत्ती का सहारा लेना पड़ता है। बिजली उपकरण शोपीश बने हुए हैं, मोबाइल भी डिस्चार्ज हो जाते हैं। रोशननगर, ममरी, हैदराबाद, परेली, बाबरपुर, रामपुर, सरकारगढ़, जमुनहां, सौखियां, लखैया, दूलीपुर, सेखवापुर, भगतपुर, जनकपुर आदि दर्जनों गांवों के उपभोक्ता बिजली कटौती से बेहाल हैं।

सात दिन बाद भी नहीं बदला गया ट्रांसफार्मर

बिझौली, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र गोला के बेहटा बरगदिया गांव में लगा ट्रांसफॉर्मर सप्ताह भर से फुंका है। इसके चलते गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। इससे ग्रामीणों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है। बेहटा बरगदिया गांव के उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति देने के लिए विभाग ने 10 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगवा रखा है। सप्ताह भर से यह ट्रांसफॉर्मर फुंका हुआ है। पूर्व प्रधान राजेश वर्मा, सर्वजीत वर्मा, देवेश आदि लोगो ने बताया कि लाइन मैन और जेई से बात हुई, लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया हैं।

> दिन में तेज हवा चलने के कारण लाइन में फाल्ट आ जाने पर ब्रेकडाउन की गई है, जो सही कर जल्द ही बिजली सप्लाई चालू कर दी जाएगी।
>
> – अर्जुन सिंह, जेई हैदराबाद फीडर

बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित इकाई ने ली शपथ

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : पलिया बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित इकाई का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को पलिया तहसील परिसर में हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष व सदस्य अजय कुमार शुक्ल रहे। विशिष्ट अतिथियों में सिविल जज राजीव कुमार पाल, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह, जिला महामंत्री मथुरा प्रसाद अवस्थी तथा नायब तहसीलदार अखिलेश श्रीवास्तव शामिल रहे।

समारोह की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो ने की, जबकि संचालन पूर्व महामंत्री अमित महाजन ने किया। इस दौरान पलिया बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों अध्यक्ष अफसर अली, महामंत्री सतीश सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार राठौर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मराज शाक्य, कनिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार, संयुक्त मंत्री परविंदर भार्गव, ऑडिटर उमेश कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष बसंत कुमार प्रजापति, गवर्निंग काउंसिल वरिष्ठ सदस्य एम.यू. खान व कमाल इदरीशी तथा कनिष्ठ सदस्य अहसान खान, आमिर हुसैन व हेमंत मानक को मुख्य अतिथि अजय कुमार शुक्ल एवं अन्य अतिथियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शारदा प्रसाद राणा, श्रीष द्विवेदी, मधुसूदन तिवारी, राजीव शुक्ला, रविंद्र कुमार शर्मा, राम प्रकाश पाल, विष्णु शुक्ला, बनारसी लाल गौतम, राजेंद्र राठौर, अशर्फी लाल शर्मा, रामचंद्र गौतम, दीपक पांडे, फजल अहमद, संजय राठौर, जगदीश सोनी, रानू त्रिवेदी सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान फूलमाला पहने पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● पलिया तहसील परिसर में हुआ कार्यक्रम

पहलगाम के आतंकी हमले में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

गोला में कैंडिल जलाकर श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● कांग्रेसियों ने लोगों की याद में जलाए कैंडिल

अमृत विचार : पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने कैंडिल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने कहा कि पहलगाम हमले में जो पर्यटक मारे गए हैं, उनकी सहादत को भुलाया नहीं जायेगा। जिला प्रभारी कंट्रोल रूम इकबाल अहमद खान, जिला उपाध्यक्ष प्रेम वर्मा, जिला सचिव मनीष वर्मा, सुधीर शुक्ला, पप्पू बाजपेई, अफजल शाह, शोएब अहमद, अतीक अहमद (रिंकू), राकेश विश्वकर्मा आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

तेंदुआ ने किया पालतू कुत्ते का शिकार

बिलहरी, अमृत विचार : महेशपुर रेंज की बिलहरी बीट के गांव कोटवारा के मजरा नौगवां में ग्राम प्रधान सुशील वर्मा के पालतू कुत्ते को तेंदुआ ने अपना शिकार बनाया। इससे ग्रामीणो में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुआ के हमले की पुष्टि की है।

ग्राम पंचायत कोटवारा के ग्राम प्रधान सुनील वर्मा का पालतू कुत्ता बुधवार की शाम से गायब था, जिसकी खोज दूसरे दिन भी की जा रही थी, तभी गांव के लोग अपने खेतो में काम करने के लिये जा रहे थे, उन्होंने ही खेतों के पास कुत्ते के अवशेष और उसके गले का पट्टा पड़ा देखकर ग्राम प्रधान को सूचना दी। ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे और अपने पालतू कुत्ते को पहचान कर वन विभाग को सूचित किया। बिलहरी वन चैकी के वन दरोगा विजय सिंह, माया प्रकाश वर्मा, वाचर सचिव वर्मा, रोहित सिह, अरविंद कश्यप ने घटनाास्थल पर पहुंचकर पगचिन्ह देखकर तेन्दुआ होने की पुष्टि की। वनकर्मियों ने ग्रामीणों को सचेत किया

माता-पिता की मौत के बाद भी नहीं डिगा हृदयांशी का हौसला

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: कृषक समाज इंटर कॉलेज की कक्षा 10 की छात्रा हृदयांशी सक्सेना ने हाईस्कूल परीक्षा की जिला टॉप टेन सूची में छठा स्थान प्राप्त कर कॉलेज और नगर का मान बढ़ाया है। उन्हें 93.67 प्रतिशत अंक मिले हैं। अप्रैल 2025 में 10 दिन के अंतराल में हृदयांशी के माता पिता की मौत हो गई।

विषम परिस्थितियों में हौसला रखते हुए मेहनत कर उसने 93.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। उसके भाई स्वास्तिक सक्सेना हरियाणा में एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा है। हृदयांशी का सपना यूपीएससी की तैयारी कर आईएएस बनकर देश की सेवा करना है। उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने ताऊ विपिन सक्सेना, ताई पूनम सक्सेना को दिया है।

गोला में हृदयांशी को मिठाई खिलाते ताऊ विपिन सक्सेना। ● अमृत विचार

इंटरमीडिएट में दूसरा स्थान पाने वाले शौर्य गुप्ता का स्वागत करते लोग।

तेजस्वी नारायण शर्मा को मिठाई खिलाते पिता।

रोहित राठौर का माल्यार्पण करते प्रधानाचार्य आलोक सैनी।

राजरानी माता इंटर कॉलेज के रोहित टॉप टेन में

बेहजम, अमृत विचार : राजरानी माता शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के रोहित राठौर ने हाईस्कूल की परीक्षा में 93 .50 अंक पाकर जिले में सातवां स्थान हासिल किया है। रोहित ने बेहजम क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, इंटरमीडिएट में आशीष कुमार ने 87 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉप कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय के व्यवस्थापक उमेश कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य आलोक कुमार सैनी और उप-प्रधानाचार्य संतोष कुमार मिश्रा ने छात्रों को जीत का टीका लगाया और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

जिला टॉप टेन सूची में विद्या मंदिर के हाईस्कूल के आठ और इंटर का एक छात्र शामिल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही जनपद की हाईस्कूल टॉप टेन सूची में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के आठ विद्यार्थियों, इंटरमीडिएट टॉप टेन सूची में हैं। विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी है। जिले की हाईस्कूल टॉप टेन सूची में विद्यालय के आठ विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है, वहीं जिले का टॉपर अर्जित गुप्ता भी सरस्वती विद्या मंदिर में अध्यापन कार्य कर रहे कमलेश गुप्ता का पुत्र है। कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा, प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया ने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

गोला के सरस्वती विद्या मंदिर में टॉपर्स के साथ प्रबंधक और प्रधानाचार्य।

सेल्फ स्टडी से मिली सफलता, इंजीनियर बनना है लक्ष्य

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में जिले में तीसरा स्थान प्राप्त कर आयुष वर्मा ने विद्यालय, नगर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। उन्होंने 94 .17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह सफलता प्राप्त की है। गांव बगहा निवासी मनोज कुमार के पुत्र आयुष वर्मा ने बताया कि उनके पिता चीनी मिल में सुपरवाइजर और माता पुष्पा देवी गृहणी हैं। उन्होंने चार पांच घंटे सेल्फ स्टडी कर सफलता प्राप्त की है। इंजीनियर बनना उनका लक्ष्य है, जिसे वह हर हाल में मेहनत कर प्राप्त करेंगे।

पिता के साथ आयुष वर्मा।

श्रेया दीक्षित।

रिया वर्मा।

विद्या निकेतन में श्रेया, रिया ने किया कॉलेज टॉप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में श्रेया दीक्षित ने 91 .16 प्रतिशत अंक और इंटरमीडिएट में रिया वर्मा ने 87 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉप किया है। उनकी सफलता पर प्रधानाचार्य महेंद्र त्रिपाठी, मधु त्रिपाठी ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। गुरुवार को घोषित हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में विद्यालय की टॉप टेन सूची में हाईस्कूल परीक्षा में श्रेया दीक्षित 91 .16, सत्येंद्र पाल 90 .33, सक्षम शर्मा 89 .33, श्रेष्ठ शुक्ला 89 .66, आराध्य शुक्ल 87 .66, शौर्य वर्मा 87 .50, अंश पटेल 86 .83, आशीष कुमार 86 .50, पल्लवी सिंह और श्रेष्ठ मिश्रा 86 .33 और मोहम्मद सैफ ने 86 .16 प्रतिशत अंक और इंटरमीडिएट परीक्षा में रिया वर्मा 87 .8, अनन्या मिश्रा 87 .6, वर्षा कुमारी 87 .6, समृद्धि 86 .6, प्रज्ञा राज 86 .4, वसुंधरा तिवारी 84 .6, अंश मुंडावल 84 .4, नैंसी वर्मा 83 .4, माही मिश्रा 83 .2, अवंतिका बाजपेई 82 .8 और दिव्यांश यादव ने 82 .6 प्रतिशत अंक पाकर कॉलेज का मान बढ़ाया है।

आईएएस बनकर देश सेवा करना चाहती हैं तेजस्वी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की जिला टॉप टेन सूची में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सातवां स्थान पानी वाली तेजस्वी नारायण शर्मा का सपना आईएएस बनकर देश की सेवा करना है। तेजस्वी ने बताया कि 2024 में हाईस्कूल की परीक्षा में उसने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉप किया था। उसके पिता काशीराम शर्मा बेसिक शिक्षा विभाग में अध्यापक और मां कुसुमलता शर्मा गृहणी हैं। मेधावी तेजस्वी शर्मा का सपना आईएएस बनकर देश सेवा करना है। बताया कि अपने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह कड़ी मेहनत कर रही हैं। उसने मोबाइल का प्रयोग सीमित और पढ़ाई के उद्देश्य से किया।

हाय महंगाई: नींबू के दाम आसमान पर पहुंचे, अनार से भी हुआ महंगा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● गर्मी बढ़ते ही फुटकर में 10 रुपये प्रति पीस तक पहुंचा भाव

अमृत विचार : गर्मी की शुरुआत के साथ ही नींबू के दामों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। इस समय नींबू के भाव अनार से भी अधिक हो गए हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। बाजार में फुटकर में एक नींबू 10 रुपये तक बिक रहा है, जबकि थोक में इसका भाव करीब 260 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है।

व्यापारियों का कहना है कि इस बार उत्पादन कम होने के कारण कीमतों में तेजी आई है। थोक विक्रेताओं के अनुसार नींबू की आवक मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश से होती है, लेकिन इन राज्यों में फसल कम होने से आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसका सीधा असर स्थानीय बाजारों में देखने को मिल रहा है। वहीं इन दिनों सहालग (शादी विवाह) का दौर भी चल रहा है, जिससे नींबू की मांग और बढ़ गई है। विवाह आदि कार्यक्रमों में सलाद, पेय पदार्थ और विभिन्न व्यंजनों में नींबू का उपयोग अधिक होता है। मांग बढ़ने और आपूर्ति कम रहने के कारण कीमतों में लगातार उछाल बना हुआ है। व्यापारी बताते हैं कि गर्मी के मौसम में नींबू की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। लोग गर्मी से राहत पाने के लिए नींबू पानी और शिकंजी का अधिक सेवन करते हैं, वहीं सलाद में भी इसका इस्तेमाल होता है। ऐसे में दाम बढ़ने से आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ठेले पर बिक्री के लिए रखे नींबू।

ब्रीफ न्यूज

सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग घायल

कलान, अमृत विचार : सनाय मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक बच्चा सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दिनेश यादव, गिरीश यादव व सानवी निवासी शाहाबाद बहन के घर धर्मपुर गणेशपुर से वापस लौट रहे थे। बाइक सनय मोड़ के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार अज्ञात युवक को बेहोशी की हालत में पुलिस को सूचना देकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल फर्रुखाबाद भेजा।

गोली मारने वाले आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नीलकंठ चैकी इंचार्ज राकेश राय ने दर्ज करायी रिपोर्ट में कहा है कि भवानीगंज निवासी जगतपाल सिंह ने अपने पिता की लाइसेंसी दोनाली बंदूक से किसी बात को लेकर अपनी पत्नी निर्दोष सिंह के सिर पर फायर कर दी, जिससे उसकी गंभीर घायल हो गई, जिसका इलाज लखनऊ के अस्पताल में हो रहा है, जहां अब हालत में कुछ सुधार बताया गया है। पुलिस को लिखित सूचना देने के बजाय परिजन घायल महिला का लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन पर मिला वृद्ध का शव

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : जीआरपी चैकी इंचार्ज विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर दो पर स्टेशन अधीक्षक कक्ष के सामने सीट पर 4.45 बजे शाम लगभग 65 वर्षीय वृद्ध का शव पडा हुआ दिखाई दिया जिसके शरीर पर आसमानी कुर्ता, सफेद धोती और हवाई चप्पल मिली है। उसे एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रतिबंध के बावजूद ट्रॉली लोडर में सफर ले रहा जानें

सीएम के सख्त आदेश भी बेअसर, हादसों के बाद भी नहीं चेत रहा प्रशासन

संवाददाता, निघासन लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पढुआ में हुए भीषण हादसे ने एक बार फिर सिस्टम की लापरवाही, ढिलाई और जमीनी हकीकत को पूरी तरह उजागर कर दिया है। सवाल वही है, लेकिन इस बार और ज्यादा तीखा की जब ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवारी ढोने पर साफ प्रतिबंध है, तो आखिर ये जानलेवा सफर किसकी मौन सहमति से जारी है। प्रदेश स्तर पर बार-बार निर्देश जारी होते हैं।

मुख्यमंत्री खुद ऐसे हादसों पर नाराजगी जता चुके हैं और साफ आदेश दे चुके हैं कि ट्रैक्टर-ट्रॉली माल वाहक वाहनों का इस्तेमाल सवारियों को ढोने में नहीं किया जाएगा, इस्तेमाल सिर्फ कृषि कार्यों के लिए होगा।

इसके बावजूद सड़कों पर लोडर वाहन और ट्रैक्टर ट्रॉली सवारियों को भरकर खुलेआम दौड़ रही हैं। ऐसा नहीं है कि इनकी जानकारी जिम्मेदारों को नहीं है, लेकिन पुलिस चौकियों और थानों के सामने से फर्राटा भरने वाले इन वाहनों को देखकर भी जिम्मेदार अंजान बन जाते हैं।

हालांकि नियम कागजों में सख्त हैं, लेकिन जमीन पर पूरी तरह बेअसर। पढुआ हादसे में करीब 50 लोग एक ट्रैक्टर से जुड़ी दो ट्रॉलियों में ठूंस-ठूंसकर ले जाए जा रहे थे।

महिलाएं, बच्चे किसी की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं। क्या रास्ते में किसी पुलिसकर्मी ने इसे नहीं देखा? क्या स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं थी? या फिर सब कुछ देखकर भी नजरअंदाज कर दिया गया?

ट्रैक्टर- ट्रॉली पलटने के बाद मौके पर लगी भीड़ और मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में गई इनकी जान

हादसे में नैंसी (15) पुत्री रमाकांत, आरुषि (12) पुत्री विनोद, राजकुमारी (40) पत्नी केसकुमार, पंछी (16) पुत्री विशंभर और मखाना (45) पत्नी मेवालाल की मौके पर ही मौत हो गई।

पहले भी हो चुके हादसे नहीं लिया सबक

जिले में पहले भी ऐसे कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार हादसे के बाद जांच होगी कार्रवाई होगी, लेकिन हकीकत यह है कि कुछ दिन बाद सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नियम साफ कहते हैं कि जिस थाना क्षेत्र में इस तरह का हादसा होगा, वहां के सीओ और इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी तय होगी और उन पर कार्रवाई भी हो सकती है। गांवों में ट्रॉली को सवारी वाहन के रूप में इस्तेमाल करना अब आम बात हो गई है। शादी-ब्याह, मुंडन, मेले हर मौके पर लोग ट्रॉली में भरकर निकल पड़ते हैं।

एंबुलेंस से ले जाए जा रहे घायल। ● अमृत विचार

डीएम, एसपी और सीएमओ पहुंचे जिला अस्पताल, घायलों का जाना हाल

घायलों का जिला अस्पताल ओयल में इलाज जारी है। वहीं एक गंभीर घायल को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया, जिसे एंबुलेंस से भेजा गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग एवं सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता जिला अस्पताल ओयल पहुंचे। अधिकारियों ने सीएमएस डॉ आरके कोली के साथ घायलों का हालचाल लिया। परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

घायलों का हालचाल लेते डीएम और एसपी। ● अमृत विचार

अजान में मुख्य सड़क से गुजरती सवारियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली। ● अमृत विचार

अजान क्षेत्र में भी नहीं थम रहा ट्रैक्टर-ट्रॉली से सफर

केशवापुर, अमृत विचार : सहालग सीजन शुरू होते ही शादी-ब्याह और मुंडन संस्कार जैसे कार्यक्रमों की धूम बढ़ जाती है। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों को लाने-ले जाने के लिए कृषि कार्य हेतु बने ट्रैक्टर-ट्रॉली का खुलेआम उपयोग किया जा रहा है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सैकड़ों लोगों की जान के साथ खिलवाड़ भी है। गुरुवार को भी अजान से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में महिलाएं, बच्चे और पुरुष सवार होकर एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ट्रॉली में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जिनमें से कई सामान के ऊपर खड़े होकर सफर कर रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नजारा रोज का है, लेकिन पुलिस और परिवहन विभाग कोई कार्रवाई नहीं करते।

घटना के बाद अफरातफरी

घटना के बाद अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। मौके पर और सीएचसी में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पढुआ, निघासन, सिंगाही, शारदानगर और धौरहरा थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना पर एसडीएम राजीव कुमार निगम तत्काल स्थानीय तहसील प्रशासन की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल सीएचसी रमियाबेहड़ में प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। इसके उपरांत सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल ओयल भिजवाया गया।

सड़क पार करते समय वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : निगोही थाना क्षेत्र के गांव रेभा निवासी अखिलेश कुमार(45) बुधवार की शाम बलेली बाजार में सब्जी खरीदने पैदल गया था। वह रात आठ बजे पैदल बाजार से गांव लौट रहा था स्टेट हाइवे पर निगोही रोड पर सड़क पार करते समय निगोही की ओर जा रहे वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। चालक वाहन लेकर भाग गया। सूचना पर पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। अखिलेश की शादी नहीं हुई थी और मजदूरी करते थे। पांच भाई में तीन का निधन हो चुका है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि वाहन से टकराकर उसकी मौत हो गयी है। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आग की चपेट में आए अमरपुर में 66 घर चिन्हित

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव में बुधवार को लगी भीषण आग के बाद प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। विधायक अमन गिरि दूसरे दिन भी पहुंचे और पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की। उधर, राजस्व विभाग के सर्वे के अनुसार गांव में 66 घर आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। गुरुवार को जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और प्रभावित परिवारों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने स्वयं गांव पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया। उनके साथ उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी, क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी, एडीओ पंचायत अनिल वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने नुकसान का आकलन करते हुए प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कराई।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि सभी पात्र परिवारों को दो दिन के भीतर मुआवजा उपलब्ध करा दिया जाएगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गौरतलब है कि बुधवार शाम अचानक लगी आग ने तेज हवा के चलते देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया था। आग की चपेट में आने से कई घरों का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पशुओं की मौत से ग्रामीणों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। फिलहाल तहसील प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवारों को तिरपाल, राशन और अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं पुनर्वास की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

अमरपुर गांव में अग्नि पीड़ितों से बात करते डीएम। ● अमृत विचार

- दूसरे दिन भी पहुंचे विधायक ने की मदद
- डीएम ने मौके पर पहुंच कर लिया जायजा

अग्नि पीड़ितों को राहत सामग्री बांटते विधायक। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के बौधिया कलां गांव के मजरा लोनियनपुरवा में गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भीषण आग लगने से 43 घर जल गए। इससे गांव में हड़कंप मच गया।

आग सरवन पाल के घर से अज्ञात कारणों से लगी और तेज हवा के चलते देखते ही देखते पूरे मोहल्ले को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय गांव के अधिकांश लोग पास में चल रहे एक अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। जब तक लोग वापस लौटे, तब तक आग ने भीषण रूप ले लिया था।

अग्निकांड में सरवन पाल की तीन गाय जलकर मर गईं, जबकि दो अन्य झुलस गईं। जयप्रकाश की तीन बकरियां और दो बकरे भी आग की भेंट चढ़ गए। वहीं शहीदुल की एक गाय झुलस गई। जान बचाकर भाग रहे प्यारेलाल का पैर टूट गया।

इस भीषण आग में सतीश, शिवप्यारी, नंदराम, बहादुर, अरविंद, किशोर, प्रमोद, मीना, सुमित, पुत्तू, सुशील, हीराकली, पप्पू, रामगुलाम, पवन, दयाराम, सोनपाल, शिवपुरी, सुनीता, संदीप, हरिराम, पतराम, जसपाल, छोटूराम, तीरथराम, रामकली, सचिन, चुन्नी, विजयपाल समेत कुल 43 परिवारों के आशियाने जलकर खाक हो गए। रामबहादुर की बेटी की 13 मई को होने वाली शादी के लिए रखा दहेज का पूरा सामान आग में जल गया। वहीं शरीफुल को मिला दहेज भी राख हो गया। इससे उसकी पत्नी जुबेदा का रो-रोकर बुरा हाल है। कमरुन्निशा के जेवरात और करीब एक लाख रुपये नकद भी आग की भेंट चढ़ गए। सूचना पर निघासन तहसीलदार दिव्यांशु शाही, कानूनगो लक्ष्मण यादव, लेखपाल शैलेंद्र सिंह, अवधेश कुमार और आपदा मित्र अश्विनी कुमार मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी अनिल कुमार भी पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गांव में धू धू कर जल रहे घर। ● अमृत विचार

- तेज हवा से बेकाबू हुई आग नगदी-जेवर समेत लाखों का नुकसान
- मजरा लोनियनपुरवा में फायर बिग्रेड की तीन गाड़ियों ने पाया काबू

गांव में घरों से उठ रही आग की लपटे। ● अमृत विचार

घटना के बाद पूरे गांव में अफरातफरी और मातम का माहौल है। सभी पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए हैं और प्रशासन से राहत व मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन विषय पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोरैया पर्यावरण संरक्षण सेवा समिति ने कलावती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों पोस्टर पर जलवायु परिवर्तन के कारण एवं निवारण को दर्शाया। प्रधानाचार्य जगजोत कुमार सिंह के निर्णायक मंडल में विवेक शुक्ला, अखिलेश, उपेंद्र, कंचन, प्रीति ने मूल्यांकन किया। आदर्श सिंह को प्रथम स्थान दिया। उप प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार धुरिया के साथ मिलकर ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कॉलेज में पोस्टर दिखाते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

अग्निपीड़ितों को बांटे लंच पैकेट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : बुधवार को ब्लॉक बिजुआ की ग्राम पंचायत गोगावां के गांव अमरपुर में हुए भीषण अग्निकाण्ड में 70 परिवार चपेट में आ गए हैं। कांग्रेसी नेता ने गांव पहुंचकर लंच पैकेट बांटे हैं।

अमरपुर गांव में हुये अग्निकांड में पीड़ित परिवारों का सारा सामान आदि जल गया। गुरुवार दोपहर किसान कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष विपुल गुप्ता अपनी टीम में बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अनूप वर्मा एडवोकेट, शोएब आलम, मनोज शर्मा और अफजल शाह के साथ गांव का दौरा किया। कांग्रेसियों ने वहां के अग्निपीड़ितों को भरोसा व हिम्मत दिलाई। साथ ही पीड़ितों को लंच पैकेट बांटे एवं यथासंभव मदद की।

लंच पैकेट बांटते विपुल गुप्ता।

अजबापुर चीनी मिल के पावर प्लांट में लगी आग

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार : अजबापुर चीनी मिल के मिल हाउस स्थित पावर प्लांट की टरबाइन के पास गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। आसमान में उठते धुएं के गुबार को देख आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही मिल की राहत-बचाव यूनिट और दमकल टीम मौके पर पहुंच गई। तेज हवाओं और ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब एक घंटे से अधिक की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर आग प्रभावित क्षेत्र के आसपास आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

अजबापुर चीनी मिल में उठती लपटे।

फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। आग से मिल की मशीनरी को नुकसान पहुंचने की संभावना है। इस संबंध में यूनिट हेड प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच के लिए तकनीकी टीम को निर्देश दिए गए हैं, ताकि घटना का सही कारण पता लगाया जा सके।

आवश्यकता है

- नर्स ANM/GNM
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया/कैंटीन कुक/कैंटीन हेल्पर
- वार्ड बॉय/वार्ड आया

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

हमने अपनी सौतेली सास परवीन व सौतेली ननद नेहा व ननदोई अलमास उर्फ सोमी व सौतेली ननद निशा व ननदोई अनस के आचरण व व्यवहार से दुखी होकर इनसे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। यह लोग अपने कृत्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा उनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **तबस्सुम पत्नी काशिफ पुत्री फईम अहमद निवासी 103 सूफी टोला, पुराना शहर, थाना बारादरी जिला बरेली। मो. 7302126727**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल मार्कशीट अनुक्रमांक 1011160 प्रमाण पत्र सं. 29022221 एवं इण्टरमीडिएट की मार्कशीट अनुक्रमांक 0725959 प्रमाण पत्र सं. 29008729 ट्रेन में जाते समय कहीं खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **देवेश कुमार पुत्र श्री गयादीन निवासी ग्राम मवैया वि.खं. बिलसण्डा तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

हम अपने पुत्र ओमवीर को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर सम्बन्ध विच्छेद व अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं वह अपने लेन-देन कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा। **प्रेमपाल मौर्य पुत्र पोथीराम एवं शीला देवी पत्नी प्रेमपाल मौर्य निवासी जोगीनवादा गोसांई गौटिया थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना

मैं अपने पुत्र मो. इमरान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर सम्बन्ध विच्छेद कर समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, वह अपने कृत्यों लेन-देन आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **छोटे पुत्र मोहम्मद सफी निवासी सीबीगंज, महेशपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को ले जाने की एफआईआर दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अप्रैल को परिवार समेत खेत पर गेहूं कटवाने के लिए गए थे। घर पर 15 वर्षीय पुत्री अकेली थी। उधमसिंह नगर उत्तराखंड के सितारगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर निवासी सुरेंद्र पुत्र हरप्रसाद अपने साथी मुनीश और पिता हरप्रसाद के साथ घर पर पहुंचा और पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया। हरप्रसाद ने 21 अप्रैल की दोपहर दो बजे कॉल करके उसको शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घर में घुसकर मारपीट मामले में रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया में दी तहरीर में ग्राम कैचूटांडा निवासी इस्तार अहमद पुत्र निसार अहमद ने बताया कि उसकी पुत्री का देवर अरबाज पुत्र मोहम्मद सदीक निवासी ग्राम कैचूटांडा उसकी दूसरी पुत्री के साथ शादी का दबाव बनाता है। विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट की। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

युवक पर हमला, केस

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम घियोना निवासी ओमपाल पुत्र हेतराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 अप्रैल की रात आठ बजे गांव का सौरभ पुत्र पप्पू उसको मिला और गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बांका से मारने का प्रयास किया। लोगों के एकत्र होने पर भाग गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

बंटवारे के विवाद में पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : ग्राम भूड़िया नौगवां निवासी राजेंद्र ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि उनका बंटवारे को लेकर भाईयों से विवाद है। 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे उसके भाई बच्चा लाल के पुत्र जितेंद्र कुमार, प्रेम पाल, नेहा ने पत्नी रामवती को पीटा। जब वह बचाने गए तो उनकी भी पिटाई कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक चोरी की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग इंचार्ज नरेंद्र कुमार त्यागी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमे बताया कि 19 अप्रैल को वह अस्पताल में डयूटी के पद पर थे। उसकी बाइक अस्पताल में ही खड़ी हुई थी। उसे कोई चोरी कर ले गया। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि सीसीटीवी की मदद से सुराग जुटा रहे हैं।

टीटीई ने दिया यात्री को ट्रेन से धक्का, टूटी हड्डी

यात्री ने लगाया अवैध वसूली, जातिसूचक अपमान, मारपीट का आरोप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीआरएम बोले, मामला संज्ञान में जांच करा की जाएगी कार्रवाई

अमृत विचार : रेलवे यात्रा के दौरान एक बेहद गंभीर घटना सामने आई है। शाहजहांपुर निवासी एक यात्री ने टीटीई पर अवैध वसूली, जातिसूचक अपमान, मारपीट और ट्रेन से धक्का देकर जान लेने की कोशिश जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। मुरादाबाद डीआरएम ने मामले की जांच करा कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

थाना रोजा क्षेत्र के ग्राम हथौड़ा बुजुर्ग निवासी शैलेश कुमार 22 अप्रैल को बरेली आ रहे थे। वह अवध आसाम एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस-5 में सवार हुए थे। समय की कमी के चलते वह स्टेशन से टिकट नहीं ले सके थे, हालांकि उनका कहना है कि ट्रेन में ही नियमानुसार टिकट बनवाने का प्रयास कर रहे थे। पीड़ित के मुताबिक, बरेली जंक्शन के करीब कोच में तैनात टीटीई ने 35 सौ रुपये की मांग की। उसने रसीद देने की बात कही, तो मामला बिगड़ गया। शैलेश ने बताया कि टीटीई ने नाम और जाति पूछकर आपत्तिजनक और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। विरोध करने पर मारपीट की और ट्रेन बरेली जंक्शन के प्लेटफार्म पर प्रवेश कर रही थी, तभी धक्का दे दिया। उसके बाएं पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है, साथ ही अन्य चोटें भी आई हैं।

अस्पताल में भर्ती घायल।

पीड़ित ने राजकीय रेलवे पुलिस से शिकायत कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और ट्रेन के चार्ट को सुरक्षित रखने की भी अपील की गई है। मुरादाबाद मंडल डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच कराई जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही जांच के लिए टीम गठित की जाएगी।

मुरादाबाद में गाड़ियों के स्क्रैप के ढेर में लगी भीषण आग

अमृत विचार : भीषण गर्मी में आग लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। लदावली में गुरुवार को गाड़ियों के स्क्रैप के ढेर में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस और मुख्यालय से अग्निशमन विभाग का दल पहुंचा। आग बुझाने के लिए पांच फायर टेंडर प्रयोग में लाए गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। तब तक स्क्रैप बुरी तरह जल गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि गुरुवार दोपहर 2:53 बजे आग लगने की सूचना लदावली से प्रखर नारायण नामक व्यक्ति के द्वारा मिली। इसके बाद उनके नेतृत्व में अग्निशमन दस्ता दोपहर में तीन बजकर 19 मिनट पर मौके पर पहुंच गया। वहां पाया कि आग काका ग्रुप्स वाहन स्क्रैप सेंटर में स्क्रैप के ढेर में आग लगी थी। फायर सर्विस यूनिटों ने कई घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया।

सह पाठ्यक्रम विषय में चंद नंबरों से अनुत्तीर्ण हुए छात्रों को मिले ग्रेस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति को संबोधित ज्ञापन गुरुवार को उपाधि कॉलेज के प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार को सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के अधिकांश छात्र-छात्राएं सह-पाठ्यक्रम विषय मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन और विश्लेषणात्मक क्षमता एवं डिजिटल जागरूकता में अत्यंत कम अंकों के कारण अनुत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि जिन विषयों का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुदृढ़ करना है, उन्हीं विषयों में मात्र 1-2 अंकों से असफल होने के कारण विद्यार्थियों का शैक्षिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। इससे छात्र-छात्राओं में निराशा एवं हताशा का वातावरण है। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए मांग की है कि सह-पाठ्यक्रम विषयों की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों को विशेष राहत प्रदान की जाए।

उपाधि कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन देते अभाविप कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अधिकतम 10 अंकों तक अनुग्रह अंक (ग्रेस अंक) प्रदान कर अधिकाधिक छात्रों को उत्तीर्ण किया जाए। जिला संयोजक आयुष मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समय रहते समाधान होना आवश्यक है, अन्यथा लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री रौनक पाल, प्रिया शर्मा, अर्पित, वंश, शुभम, प्रमोद, आयुष मौर्य, योगेंद्र, कुणाल, अंश, कृतिका, वंदना आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने ज्योति कलश यात्रा का किया स्वागत

यात्रा का पूजन करते चेयरमैन श्याम बिहारी भोजवाल। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: शांतिकुंज हरिद्वार से शुरू हुई माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में ज्योति कलश यात्रा राष्ट्र निर्माण का संदेश लेकर भ्रमण कर रही है। इसी क्रम पवित्र ज्योति कलश यात्रा बरखेड़ा पहुंची।

नगरवासियों में भारी उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल, ममता भोजवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यात्रा का स्वागत किया। संतों एवं भक्तों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया और उनके लिए भोजन एवं जलपान की व्यवस्था की। इस मौके पर जगदीश भोजवाल, भगवानदास, लालता प्रसाद, श्रीराम आचार्य, दीपचंद महाराज, प्रदीप सक्सेना, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

बंद घर से चोर समेट ले गए सामान, टूटी मिली खिड़की

पीलीभीत, अमृत विचार : मकान को बंद कर परिवार के लोग शादी में शामिल होने चले गए। इस बीच चोर सामान समेट ले गए। वापस आने पर मकान की खिड़की टूटी मिली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला देशनगर निवासी छत्रपाल पुत्र स्वर्गीय डोरीलाल ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमे बताया कि वह 21 अप्रैल को अपने परिवार के साथ बरेली एक बरात में शामिल होने गए थे। 22 अप्रैल को दोपहर करीब तीन बजे जब वह घर लौटे तो रसोई की खिड़की टूटी मिली। चोर घर में रखे 78 हजार रुपये, गुल्लकों में रखे पांच हजार रुपये, कान के झाले, कुंडल, गले की चेन, दो जोड़ी पायल, कमर बिछुआ और मंगलसूत्र समेट ले गए। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मौका मुआयना कर जानकारी की है।

दंपती के दो हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: सिविल लाइन क्षेत्र में 20 अप्रैल की रात चक्कर की मिलक मोहल्ले में दंपति राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या के मामले में सिविल लाइन पुलिस में दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपियों पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस दो आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुकी है। अभी भी दो आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन मनीष सक्सेना ने बताया कि कांठ रोड स्थित समर वैली स्कूल के पास दो बदमाश होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों की घेराबंदी की। पुलिस को देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। इसमें फरजान के पैर में दो गोली लगीं और सुहेल के पैर में एक गोली लगी। इसके बाद दोनों जमीन पर गिर पड़े। उन्हें पुलिस ने दबोच लिया। घायल बदमाशों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में घायल सुहैल और फरजान को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दोहरे हत्याकांड में फहीम और अनस को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। फरार चल रहे सोहेल और फरजान मुठभेड़ के बाद पकड़ लिए गए हैं। पुलिस ने दोनों के ऊपर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

मुठभेड़ में घायल आरोपी से जानकारी लेते एसपी सिटी। ● अमृत विचार

- सिविल लाइंस क्षेत्र के चक्कर की मिलक मोहल्ले में चाकू से गोदकर हुई थी दंपती की हत्या

मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा

बरेली, अमृत विचार: युवती के साथ प्रेम संबंध के नाम पर धोखाधड़ी, अश्लील स्क्रीनशॉट के जरिए ब्लैकमेलिंग और दहेज मांगने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने झूठी पहचान से उसे अजाल में फंसाया और वीडियो कॉल के दौरान आपत्तिजनक स्क्रीनशॉट ले लिए।

पीड़िता के अनुसार आरोपी ने खुद को एक संपन्न परिवार से जुड़ा बताया और शादी का प्रस्ताव देकर उसका विश्वास जीता। बाद में जब परिजनों ने जांच की तो उसकी असलियत सामने आ गई और पता चला कि वह किसी बड़े कारोबारी परिवार से नहीं, बल्कि सामान्य नौकरी कर रहा है। सच्चाई उजागर होने के बाद आरोपी और उसके परिजनों ने कथित तौर पर 5 लाख रुपये की मांग रख दी। पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत बारादरी पुलिस से की है।

कार्यालय जिला पंचायत, बदायूँ

पत्रांक : 94/जि.पं./नि.अनु./2026-27 दिनांक : 23.04.2026

अल्पकालीन सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33-2-2019-198जी/2018 दिनांक 16 अगस्त 2019 व शासनादेश सं. 1129/33-2-2020-167जी/2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 23 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 14.05.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 14.05.2026 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 14.05.2026 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते है। निविदा शुल्क की धनराशि फार्म-5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARBOBADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की युनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ-साथ जी.एस. टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण/पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी/अध्यक्ष, जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BADAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
1.	समरेर	दातागंज बरेली मार्ग से गांव समरेर में प्रा.वि. ओर स्टेट बैंक की ओर सी.सी. कार्य	353912	35400	1200	60 दिन
2.	सहसवान	मुजरिया चौराहे स्थित नव निर्मित गौशाला में अवशेष बाउण्ड्री वॉल कार्य	178433	17850	1200	60 दिन
3.	जगत	ग्राम किसरूआ मेन रोड से भानू के मकान से आरोग्य मंदिर तक सी.सी. कार्य	563840	56400	1200	60 दिन
4.	सलारपुर	ग्राम ललई हाकिम सिंह के मकान से आंगनबाड़ी केन्द्र तक सी.सी. कार्य	462232	46250	1200	60 दिन
5.	सहसवान	ग्राम खुखनिया जोजे में गूड्डू के मकान से मंदिर तक सी.सी. कार्य	643315	64350	1200	60 दिन
6.	दहगवां	ग्राम मझोलरा में श्री कृष्ण के घर से मनोज के घर तक नि.खं. कार्य	196725	19700	1200	60 दिन
7.	मुख्यालय	जि.पं. कार्यालय मुख्य द्वार से जिला पंचायत कार्यालय परिसर तक पैच मरम्मत कार्य	265852	26600	1200	60 दिन
8.	कादरचौक	ग्राम धौकन नगला में मेन रोड से शिव मंदिर तक सी.सी. कार्य	689458	68950	1200	60 दिन
9.	सहसवान	ग्राम दरियापुर में काले रोड से भाय सिंह के मकान तक सी.सी. कार्य	668603	66900	1200	60 दिन
10.	सहसवान	ग्राम परसोना में मेन रोड से गांव की ओर सी.सी. कार्य	753398	75350	1200	60 दिन
11.	सहसवान	ग्राम मुडसान गांव में मंदिर तक सी.सी. कार्य	541073	54150	1200	60 दिन
12.	कादरचौक	कादरचौक नखासा से सिमरिया मार्ग पर पड़ने वाले पहुंच मार्ग पर मि.खं. कार्य	282873	28300	1200	60 दिन
13.	उझानी	ग्राम हजरतगंज कोठी नगला मार्ग के बीच डामर रोड तक अव. भाग पर. मि./ख.	525041	52550	1200	60 दिन
14.	उझानी	उझानी बदायूं मार्ग से ग्राम भवानीपुर तक विशेष मरम्मत लेपन कार्य	355402	35550	1200	60 दिन
		15वां वित्त आयोग अनटाइड				
15.	सहसवान	ग्राम महमूदपुर उधा में मेन रोड से भमोरी मार्ग तक मि.ख. कार्य	583374	58350	1200	60 दिन
16.	म्याऊं	ग्राम कनउ खेड़ा में फौजी के मकान से ढका खरन्जे का अवशेष भाग पर मि.खं. कार्य	196725	19700	1200	60 दिन
17.	सहसवान	ग्राम रम्पुरा में स्कूल से गांव की तरफ मि.खं. कार्य	835815	83600	1200	60 दिन
18.	सहसवान	ग्राम गुगौआ में टिटौली तक मि.ख. कार्य	817738	81800	1200	60 दिन
		15वां वित्त आयोग टाइड				
19.	कादरचौक	ग्राम सरकी में पप्पू प्रधान के खेत से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य	523693	52400	1200	60 दिन
20.	सहसवान	ग्राम साड़ी में पुराने नाले का अवशेष भाग में नाला निर्माण कार्य	316985	31700	1200	60 दिन
21.	बजीरगंज	ग्राम अगेई में रामचन्द्र के मकान के पास पुराने नाले से खन्ती तक नाला निर्माण कार्य	652496	65250	1200	60 दिन
22.	सहसवान	ग्राम नगला चोई में लक्ष्मीनारायण के मकान से पुराने नाले तक नाला निर्माण कार्य	452392	45250	1200	60 दिन
22.	म्याऊ	ग्रात गौतरा पट्टी नाजिम खां स्कूल के पास से रघुराज पाली के घर से खन्दी तक नाला निर्माण कार्य	798124	79850	1200	60 दिन

नोट :-

1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र-1, 2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.-2 के पत्रांक 819/33-2-2007-100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैद्य होना अनिवार्य है।
2. कार्यो के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा।
3. निर्माण कार्यो में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा जो कार्यो के प्राक्कलन में पृथक से नियमानुसार लगायी गयी है।
4. लेपन कार्य हेतु मैक्सफाल्ट व इमल्शन सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा क्रय कर भुगतान से पूर्व सी.आर.सी. कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा तथा सी.आर.सी. का सत्यापन उपरान्त ही भुगतान किया जायेगा।

(पवन कुमार गोयल) अभियन्ता जिला पंचायत, बदायूँ

(विनोद कुमार सिंह) अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, बदायूँ

(वर्षा सिंह) अध्यक्ष जिला पंचायत, बदायूँ

IS 15700:2018

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक

122, सिविल लाइन्स, बरेली E-Mail Id:-upavp.bly@rediffmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की आवासीय सम्पत्तिय के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण / नामान्तरण किये जाने हेतु परिषद में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन / भूखण्ड संख्या, सेक्टर / खण्ड व योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से मृतक का संबंध
1.	स्व० श्री सतीश चन्द्र पुत्र श्री सुम्मेर सिंह	दुर्बल आय वर्ग भवन सं०-ए-657, राजेन्द्र नगर, बरेली	27.08.2020	श्री कपिल भारती पुत्र स्व० सतीश चन्द्र	श्रीमती सावित्री, श्रीमती रजनी भारती, श्रीमती सपना, श्रीमती अंजना	पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति/ऋणदायी संस्था/फर्म को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति पत्र प्राप्त न होने पर परिषद अभिलेखों के कॉलम 5 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय सहायक अभियन्ता अध्ययन उपखण्ड, बनबसा

हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली।

अल्पकालीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि सिंचाई विभाग हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के अध्ययन उपखण्ड, बनबसा के कार्यक्षेत्र में आने वाले सिंचाई विभाग की भूमि पर मात्र कृषि हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये सार्वजनिक रूप से नीलामी दिनांक 04.05.2026 को समय 12 बजे अध्ययन उपखण्ड बनबसा के कार्यालय प्रांगण में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया जायेगा। जो व्यक्ति कृषि कार्य हेतु भूमि लेने के इच्छुक हों, वे कृपया निश्चित समय, तिथि व स्थल पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। नीलामी हेतु निर्धारित की गयी तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में नीलामी अगले कार्यदिवस में की जाये गी।

क0 सं0	स्थल व नीलामी का नाम	क्षेत्रफल (है0में)	धरोहर धनराशि
1	ग्राम हल्दी तहसील खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर के गाटा 26 पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	0.777	रू0 3,000.00
2	ग्राम हल्दी तहसील खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर के गाटा 28 पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	0.462	रू0 2,000.00
3	ग्राम हल्दी तहसील खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर के गाटा 66 पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	0.500	
4	ग्राम हल्दी तहसील खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर के गाटा 130 व 243 पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	2.744, 3.377	रू0 10,000.00
5	ग्राम हल्दी तहसील खटीमा जिला ऊधमसिंहनगर के गाटा 241 पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	3.079	रू0 5,000.00
6	पुरानी शारदा देवहा पोषक नहर के किमी0 0.400 पटरी दांयी पर नहरी भूमि पर मात्र कृषि कार्य हेतु एक वर्ष (फसल खरीफ व रबी 1434 फसली) के लिये नीलामी।	0.4695	रू0 1,000.00

नीलामी शर्तेः-

1. नीलामी क्रेता को विभागीय भूमि किसी अन्य व्यक्ति को देने या उस पर किसी प्रकार का निर्माण करने का कोई अधिकार नहीं है। नहर की पटरी पर भूमि जिस स्थिति में है, उसे नीलामी बोली बोलने से पूर्व भली-भांति देख लें। नीलामी के बाद कोई उज्र/क्लेम मान्य नहीं होगा।
2. नीलामी अवधि में वह भूमि जिसे मात्र कृषि कार्य के लिये नीलामी पर दी जायेगी, उस भूमि से मिट्टी आदि किसी प्रकार का खनन नहीं किया जायेगा। नहरी भूमि पर स्थित किसी भवन, नाली वृक्ष आदि किसी सम्पत्ति को क्षति नहीं पहुंचायी अन्यथा कि स्थिति में नीलामी निरस्त कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोलीदाता को अपनी उच्चतम बोली की सम्पूर्ण धनराशि बोली समाप्ति होने के तुरान्त बाद एकमुश्त नकद जमा करनी होगी अन्यथा उसके द्वारा जमा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और उपरोक्तानुसार क्रमशः द्वितीय व तृतीय उच्चतम बोलीदाता को अवसर दिया जायेगा। साथ ही नीलामी धनराशि पर नियमानुसार जी0एस0टी0 सहित देय समस्त कर जमा करना होगा।
4. प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता को बोली बोलने से पूर्व उक्त नीलामी विवरण के अनुसार एफ0डी0आर0/अपिरहार्य स्थिति में नकद धरोहर धनराशि जमा करके टोकन प्राप्त करना होगा। एफ0डी0आर0 अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के नाम बन्धक होगी। केवल टोकन धारक ही नीलामी में भाग ले सकेंगे।
5. अधिशासी अभियन्ता हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली को बिना कारण बताये नीलामी को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
6. कृषि कार्य हेतु नीलाम की गयी भूमि पर फसल खरीफ/रबी 1434 फसली के बाद नीलामी क्रेता का कोई अधिकार नहीं होगा।
7. नीलामी क्रेता को नीलामी धनराशि पर 8.50 प्रतिशत की दर से स्टाम्प शुल्क तथा रू0 100.00 मात्र का नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर जमा करना होगा।
8. इस भूमि पर ईख/गन्ना की फसल के अतिरिक्त खरीफ/रबी की फसल बोई जायेगी तथा नहरी भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं कराया जायेगा।
9. नीलामी बोली बोलने से पूर्व प्रत्येक बोली दाता को रू0 10.00 का स्टाम्प पेपर व पहचान पत्र/आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। नीलामी को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
10. नीलामी क्रेता सिंचाई विभाग से लगी वन विभाग की भूमि एवं किसी भी वन सम्पदा को कोई क्षति नहीं पहुँचायेगा अन्यथा उसके विरूद्ध वन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जायेगी।
11. किसी भी प्रकार का विवाद/मतभेद होने पर अधिशासी अभियन्ता हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।

सहायक अभियन्ता, अध्ययन उपखण्ड, बनबसा हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

UP-250359 दिनांक 22.04.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जमीन में गड़ा सोना बताकर अस्पताल संचालक से ठगी

संवाददाता, पाकबड़ा

अमृत विचार : जमीन में सोना गड़ा होने का झांसा देकर पांच ठगों ने अस्पताल संचालक से 15,000 रुपये ठग लिए। जब मटका निकला तो सोना नकली देखकर अस्पताल संचालक ने एडवांस में दिए 15,000 रुपये वापस मांगे। इस पर ठगों से उनका विवाद हो गया। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर मुकदमा पंजीकृत कराया। पुलिस ने पांचों ठगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जनपद संभल के थाना असमोली क्षेत्र के ग्राम इटायला माफी निवासी मुनशाद पुत्र नवाब के यहां पर भाडरी स्थित बंद पड़े अस्पताल पर याकूब का आना जाना था, जिससे अच्छी जान पहचान हो गई थी। तभी उसने बताया कि तुम्हारे बंद पड़े एचएनपी अस्पताल के नीचे सोने की मटकी दबी हुई है, जिसमें बहुत सारा सोना एवं जेवरात भरे हुए हैं। अगर तुम उसे निकलवाना चाहते हो तो कुछ लोगों को वह बुला लेगा। इस पर अस्पताल संचालक ने एडवांस में 15,000 रुपये दे दिए। इसके बाद याकूब पुत्र नवीजान निवासी ढक्का नगलिया, मो. जुबैर पुत्र मौ. उमर निवासी सहरिया जवाहर थाना टांडा रामपुर, सहजाद पुत्र अमीर दूल्हा निवासी ग्राम पसियापुरा थाना अजीमनगर रामपुर, निजामुद्दीन पुत्र निसार निवासी रतूपरा थाना असमोली जिला संभल, शाहिद पुत्र शरीफ निवासी खालसा कटोरा ताल थाना काशीपुर उत्तराखंड अस्पताल पर पहुंच गए।

आरोप है कि धोखाधड़ी कर तरह-तरह की तंत्र विद्या कर अस्पताल में गड्ढा खोदवा कर एक मटकी निकाली। उसमें 128 पीला कागज लगी छोटी चॉकलेट गोलनुमा, 4 छड़ 16 इंची पीली धातु, एक डलिया नुमा बर्तन निकला। जब मुनशाद ने देखा तो सोने की धातु न होने पर शक हुआ। इस पर उन्होंने ठगों से एडवांस में दिए 15,000 रुपये वापस मांगे। इस पर विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ कर थाना ले आई। उनके पास से कांच की चार सीसी, 7300 रुपये भी मिले। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर पांचों ठगों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

जननायक में 70 बच्चों की तस्करी, निकली अफवाह

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब चिल्ड्रेन हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 18001027222 पर जननायक एक्सप्रेस में करीब 70 बच्चों को तस्करी के जरिए ले जाने की सूचना मिली। जीआरपी और आरपीएफ समेत संस्था के लोगों ने ट्रेन के एक-एक डिब्बे को खंगाला। लेकिन, जांच में सभी बच्चे अपने परिजनों के साथ पाए गए।

बता दें कि बच्चों की तस्करी की सूचना मिलने पर नई दिल्ली स्थित जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन ने बदायूं की संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान को अलर्ट किया। संस्था की टीम बरेली जंक्शन पहुंची, जहां रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस अभियान में स्टेशन मास्टर, आरपीएफ, जीआरपी, एएचटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट), चाइल्ड लाइन और संबंधित संस्था के सदस्य शामिल रहे। दरभंगा से अमृतसर जा रही जननायक एक्सप्रेस बरेली पहुंचते ही जीआरपी, आरपीएफ और संस्था के लोगों ने घेर लिया। संदिग्ध बच्चों को चिन्हित कर पूछताछ की गई।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों को लगा सुरक्षा नियम का ब्रेक

सीईओ की नागरिकता बनी अड़ंगा, अधर में लटका प्रोजेक्ट, गृह मंत्रालय ने सुरक्षा नियम में ढील से किया इनकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बीसीएएस की मंजूरी अटकी जहाजों की उड़ान शुरू होने की समयसीमा अनिश्चित

अमृत विचार: बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने में अब तकनीकी नहीं, बल्कि नीतिगत अड़चन सबसे बड़ी बाधा बन गई है। कागजों पर तैयार दिख रहा यह प्रोजेक्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक सुरक्षा नियम में उलझकर फिलहाल अधर में लटक गया है।

दरअसल, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के 2011 के नियम के अनुसार, किसी भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारतीय नागरिक होना जरूरी है, क्योंकि वही सुरक्षा समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसी नियम में ढील देने का प्रस्ताव गृह मंत्रालय ने खारिज कर दिया, जिसके बाद जेवर एयरपोर्ट की उड़ानों की समयसीमा फिर अनिश्चित हो गई है। जेवर एयरपोर्ट का संचालन यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रालि. कर रही है, जो स्विस कंपनी जुरिच एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की सहायक है। कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन स्विस नागरिक हैं। यहीं से पूरा विवाद खड़ा हुआ, क्योंकि नियम के तहत सुरक्षा समन्वयक के रूप

में भारतीय नागरिक की अनिवार्यता तय है।

एयरपोर्ट को वाणिज्यिक संचालन शुरू करने के लिए सबसे अहम मंजूरी एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) की होती है, जो बीसीएएस जारी करता है। हालांकि तकनीकी रूप से एयरपोर्ट लगभग तैयार है और उसे डीजीसीए से एयरोड्रोम लाइसेंस भी मिल चुका है, लेकिन सीईओ की नागरिकता को लेकर सुरक्षा मंजूरी लंबित होने से एएसपी की स्वीकृति अटक गई है। इसका सीधा असर संचालन तैयारियों पर पड़ा है। एयरलाइंस अपनी योजना को अंतिम रूप नहीं दे पा रही हैं और यात्रियों के लिए उड़ान शुरू होने की कोई स्पष्ट तारीख सामने नहीं है।

एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारी यह भी मानते हैं कि क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने इस प्रोजेक्ट के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसलिए उन्हें पूरी तरह हटाना कंपनी के लिए आसान फैसला नहीं होगा। यही वजह है कि बीच का रास्ता निकालने की कोशिश चल रही है। कंपनी ने यह तर्क भी दिया है कि प्रबंधन ढांचे में राज्य सरकार और नेएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारी भी शामिल हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इस पर सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि सुरक्षा समन्वयक का पद अत्यंत संवेदनशील होता है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढील संभव नहीं है।

ये हैं विकल्प

- सीईओ पद पर भारतीय नागरिक की नियुक्ति
- सुरक्षा समन्वयक की भूमिका अलग अधिकारी को सौंपना
- नियमों में संशोधन की संभावनाएं (फिलहाल कम)

विदेशी निवेश में राष्ट्रीय सुरक्षा का पेंच

नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था और उम्मीद थी कि जल्द ही उड़ानें शुरू होंगी। लेकिन एक महीने बाद भी स्थिति जस की तस है, क्योंकि अंतिम सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल सकी है। यह मामला अब केवल एक एयरपोर्ट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विदेशी निवेश और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन की बड़ी बहस को भी सामने ला रहा है। फिलहाल समाधान की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जब तक गृह मंत्रालय और बीसीएएस से अंतिम मंजूरी नहीं मिलती, जेवर एयरपोर्ट से उड़ानों की शुरुआत इंतजार में ही रहेगी।

जमीन के विवादों के निस्तारण को बनें विशेष टीमें : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में 200 फरियादियों की सुनी समस्याएं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीनी विवादों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष टीमें गठित की जाएं। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी व्यक्ति की जमीन पर दबंगों का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

गोरखनाथ मंदिर में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार परिसर में पहुंचे सीएम ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल व संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन का स्वामित्व उसके वास्तविक मालिक के पास ही रहना चाहिए। यदि कहीं अवैध कब्जे की शिकायत मिलती है तो प्रशासन तत्काल कार्रवाई कर जमीन को कब्जामुक्त कराए और दोषियों को सख्त सजा दिलाए।

न्यूज ब्रीफ

संस्कृत बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट आज शाम को

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार को शाम 4 बजे घोषित किया जाएगा। परिषद की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम (कक्षा 11) और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) का रिजल्ट एक साथ जारी होगा। परिणाम लखनऊ स्थित शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय से घोषित किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना रिजल्ट परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकेंगे। परिषद ने सभी परीक्षार्थियों को परिणाम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही सही और प्रमाणिक जानकारी प्राप्त करें। रिजल्ट देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.upmssp.com पर जाएं, रोल नंबर दर्ज करें और परिणाम स्क्रीन पर देखें और डाउनलोड करें।

प्रदेश को जल्द मिलेंगे पांच नए स्टेडियम

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में खेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। जल्द ही गाजीपुर, चंदौली, हापुड़, संभल और शामली में पांच नए स्पोर्ट्स स्टेडियम तैयार होने जा रहे हैं। इससे खिलाड़ियों को अपने ही जिलों में बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की सुविधाएं मिलेंगी। प्रदेश में वर्तमान में 71 जिलों में 84 स्टेडियम संचालित हैं, जबकि नए स्टेडियमों का निर्माण तेजी से जारी है। गाजीपुर में निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, हापुड़ में करीब 70 प्रतिशत, संभल में 26 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है, जबकि शामली में निर्माण शुरू हो गया है। चंदौली में टेंडर प्रक्रिया चल रही है। खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह के अनुसार, इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिलेगा और खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। नए स्टेडियमों में मल्टीपर्पज हॉल, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन-टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, जिम, हॉकी-फुटबॉल मैदान और एथलेटिक्स ट्रैक जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

सड़कों की मरम्मत को 106 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण सड़कों के अनुरक्षण और मरम्मत कार्यों के लिए 106 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2026-27 में सड़कों की स्थिति सुधारने और आवागमन को सुगम बनाने में मदद करेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर ग्राम्य विकास विभाग ने कुल 21282.52 लाख रुपये के प्रावधान के सापेक्ष पहली किश्त के रूप में 10641.26 लाख रुपये जारी किए हैं। संबंधित शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत आज से

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी लखनऊ में 24 से 26 अप्रैल तक तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' आयोजित किया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले इस आयोजन की शुरुआत शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता होंगे। उद्घाटन सत्र में 'रश्मिरथी संवाद' स्मारिका का लोकार्पण होगा। इसके बाद राष्ट्रीय परिसंवाद में विद्वान दिनकर के साहित्य, राष्ट्रवाद और समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा करेंगे। शाम को रश्मिरथी पर आधारित नाटक का मंचन मुख्य आकर्षण रहेगा।

राहत : बारिश से खराब गेहूं भी एमएसपी पर खरीदेगी सरकार

15 जून तक चलेगी खरीद, 18 मंडलों में नोडल अधिकारी होंगे तैनात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 70% तक चमकविहीन और 20% तक सिकुड़े व टूटे गेहूं की होगी खरीद

अमृत विचार: बेमौसम बारिश से प्रभावित गेहूं किसानों को बड़ी राहत देते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार ने विशेष प्रावधान लागू किए हैं। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद अब प्रदेश में चमकविहीन और सिकुड़े गेहूं की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जाएगी।

सरकार के इस निर्णय के तहत किसानों का 70 प्रतिशत तक चमकविहीन गेहूं और 20 प्रतिशत तक टूटा या सिकुड़ा गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर बिना किसी कटौती

के खरीदा जाएगा। यह फैसला उन किसानों के लिए राहत भरा है, जिनकी फसल बारिश के कारण गुणवत्ता में प्रभावित हुई है। प्रदेश में हाल की बारिश से गेहूं के दानों में सिकुड़न और चमक में कमी आई है, जिससे किसानों को बाजार में उचित दाम मिलने में कठिनाई हो रही थी। ऐसे में राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र ने यह विशेष अनुमति दी है, ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सके। सरकार ने सभी 18 मंडलों के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती भी की है, जो खरीद प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करेंगे। यह पहल किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने और उनकी आय को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सत्यापन न होने पर भी खरीद

नई व्यवस्था के तहत जिन किसानों का पंजीकरण सत्यापन अभी पूरा नहीं हुआ है, उनसे भी गेहूं खरीदा जाएगा। क्रय केंद्र प्रभारी राजस्व और चकबंदी अभिलेखों के आधार पर खरीद सुनिश्चित करेंगे। प्रदेश के सभी जनपदों में 15 जून तक गेहूं खरीद जारी रहेगी। अधिक भीड़ होने पर किसानों को टोकन प्रणाली के तहत निर्धारित तिथि पर गेहूं बेचने की सुविधा दी जाएगी।

हरदोई में 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर स्थलीय निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

मल्टी-लेयर सुरक्षा में न हो चूक व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरदोई

- प्रधानमंत्री के हरदोई आगमन की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण
- 29 को गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण कार्यक्रम करेंगे मोदी

अमृत विचार: हरदोई में 29 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री के आगमन एवं गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिलग्राम तहसील के मल्लावां कट स्थित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड, सभा स्थल, वीआईपी मार्ग, पार्किंग, बैरिकेडिंग, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम पूरी तरह सुव्यवस्थित, सुरक्षित और गरिमामय ढंग से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए मल्टी-लेयर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सभा स्थल का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने बैठने की समुचित व्यवस्था, पंडाल की गुणवत्ता, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता, शौचालय और निर्बाध विद्युत आपूर्ति को मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हों। यातायात प्रबंधन की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के समय ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने हेलीपैड और वीआईपी मूवमेंट से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आपातकालीन सेवाओं-एम्बुलेंस, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस अवसर पर मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तीन वर्ष में कहां लगे कितने पौधे, होगी डिजिटल निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार सैटेलाइट-ड्रोन से पौधरोपण का कराएगी वेरिफिकेशन
- गड़बड़ी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, तकनीक से बढ़ेगी पारदर्शिता

अमृत विचार: योगी सरकार ने प्रदेश में किए गए बड़े पैमाने के पौधारोपण अभियानों की सख्त निगरानी का फैसला किया है। अब पिछले तीन वर्षों में लगाए गए पौधों की वास्तविक स्थिति का आकलन सैटेलाइट और ड्रोन तकनीक के जरिए किया जाएगा।

सरकार ने थर्ड पार्टी जांच के साथ-साथ विभागीय स्तर पर भी विस्तृत सत्यापन कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए मुख्य वन संरक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में पौधारोपण स्थलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। प्रदेश में बीते वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने का दावा किया गया है, जबकि इस वर्ष मानसून में 35 करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि लगाए गए पौधों का वास्तविक लाभ धरातल पर दिख रहा है या नहीं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने स्पष्ट किया है कि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आधुनिक तकनीक से होगी निगरानी

जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। पौधारोपण स्थलों का चयन रैंडम तकनीक से होगा, जिससे किसी भी प्रकार की पक्षपात की संभावना खत्म होगी।

थर्ड पार्टी के साथ विभागीय जांच

पिछले वर्ष पौधारोपण की थर्ड पार्टी जांच का जिम्मा वन अनुसंधान संस्थान को सौंपा गया था। अब इसके साथ विभागीय जांच भी कराई जाएगी, जिससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता और बढ़ेगी।

14 फर्मों के खाद्य तेल पर प्रतिबंध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफएसडीए के विशेष अभियान में 210 नमूनों की जांच, मिलावट व मानकों में खामियां उजागर

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग ने प्रदेश की 14 फर्मों के खाद्य तेल एवं वसा उत्पादों के विनिर्माण, भंडारण, वितरण और विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत लिए गए नमूनों की जांच में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद की गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के दौरान प्रदेश स्तर पर 58 खाद्य सचल दल गठित किए गए, जिन्होंने विभिन्न स्थानों से लगभग 210 नमूने संग्रहित किए। इनमें से 206 नमूने खाद्य तेल और वसा से संबंधित थे। इन नमूनों की जांच अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ओर से अधिकृत प्रयोगशालाओं में कराई गई।

विश्लेषण के दौरान कई नमूने असुरक्षित और मानक से नीचे पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ उत्पादों में लेड (सीसा) की मात्रा अधिक थी, जबकि कई मामलों में विभिन्न खाद्य तेलों का अनाधिकृत मिश्रण कर विक्रय किया जा रहा था। इसके अलावा, फोर्टिफाइड तेलों में आवश्यक विटामिन की निर्धारित मात्रा से कम मिलावट कर उपभोक्ताओं को गुमराह किया जा रहा था।

कार्रवाई के तहत जिन 14 फर्मों के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें प्रमुख रूप से लखनऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, हाथरस, आगरा, मेरठ, हापुड़ और गोरखपुर की फर्में शामिल हैं। इन फर्मों द्वारा निर्मित सरसों तेल, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, पामोलीन ऑयल, राइस ब्रान ऑयल, तिल एवं अलसी तेल सहित विभिन्न उत्पादों को जांच में असुरक्षित या अधोमानक पाया गया।

प्रदेश सरकार की 11 विशेष अपीलें एक साथ खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ

- देरी से दाखिल की गई अपीलों पर हाईकोर्ट सख्त, पीडब्ल्यूडी के कई जूनियर इंजीनियरों को मिली राहत
- कहा, सरकारी विभागों की लापरवाही और उदासीनता को नहीं दिया जा सकता बढ़ावा

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में प्रदेश सरकार द्वारा दाखिल 11 विशेष अपीलों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार अपीलें दाखिल करने में हुई देरी के लिए पर्याप्त कारण प्रस्तुत नहीं कर सकी। सरकार की विशेष अपीलें खारिज होने के बाद पीडब्ल्यूडी के तमाम जूनियर इंजीनियरों को बड़ी राहत मिली है।

उक्त आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने राम गोपाल गुप्ता व अन्य के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा अलग-अलग दाखिल विशेष अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। ये सभी अपीलें 9 सितंबर 2025 को एकल पीठ द्वारा दिये गए फैसले के खिलाफ दाखिल की गई थीं। एकल पीठ ने पीडब्ल्यूडी में 1984 से 1989 के बीच डेली वेजेज अथवा वर्क चार्ज कर्मचारी के रूप में बड़ी संख्या में नियुक्त याची जूनियर इंजीनियरों को 2006 के बजाय 2001 से विनियमित करने का आदेश दिया था, जिसके परिणाम स्वरूप इन जूनियर इंजीनियरों को अन्य तमाम लाभों के साथ-साथ पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिलना भी तय हो गया है। राज्य सरकार ने एकल पीठ के आदेश को विशेष अपीलें दाखिल कर, दो जजों की खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी थी। अपीलों पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पाया कि सभी अपीलें समय सीमा समाप्त होने के बाद दाखिल की गई थीं, जिनमें देरी 93 दिन से लेकर 195 दिन तक की थी। राज्य सरकार की ओर से अपीलों के दाखिल में देरी के लिए फाइलों के मूवमेंट, विभागीय प्रक्रिया, छुट्टियों और विधानमंडल सत्र जैसे कारण बताए गए, लेकिन खंडपीठ ने इन्हें पर्याप्त नहीं माना। कोर्ट ने टिप्पणी की कि सरकार के पास सुव्यवस्थित तंत्र और संसाधन होते हैं, ऐसे में सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रियाओं का हवाला देकर देरी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह भी स्पष्ट किया कि देरी माफी के आवेदन पर विचार करते समय मुख्य प्रश्न यह होता है कि देरी के लिए उचित कारण है या नहीं, सरकारी विभागों की सुस्ती को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता, यदि ऐसी देरी को स्वीकार किया गया, तो यह न्याय व्यवस्था में अनिश्चितता पैदा करेगा और आम वादकारियों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने सभी विलंब माफी प्रार्थना पत्र खारिज कर दिए, जिसके परिणामस्वरूप सभी 11 विशेष अपीलें भी स्वतः निरस्त हो गईं।

बढ़ते कदम | 'विकसित कृषि–विकसित भारत @2047' के लिए उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद की पहल

एआई–ड्रोन तकनीकों से खेती को मिली नई ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि एआई, ड्रोन, प्राकृतिक व जैविक खेती जैसी आधुनिक तकनीकों से कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जा रहा है। यह जानकारी उन्होंने "विकसित कृषि–विकसित भारत @2047" विषय पर आयोजित छठी कृषि विज्ञान कांग्रेस की सिफारिशों को लेकर दी।

उन्होंने बताया कि 8-10 अप्रैल 2026 को हुई इस कांग्रेस

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह।

में 700 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें वैज्ञानिक और छात्र शामिल थे। पिछले चार वर्षों में उपकार ने काला नमक चावल और मक्के की उन्नत किस्मों के विकास सहित कई उपलब्धियां हासिल की हैं। किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए उन्हें सीधे बाजार से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है।

कृषि में एआई और ड्रोन के उपयोग से फसल प्रबंधन, रोग नियंत्रण और उत्पादन में सुधार हो रहा है। मंडलीय स्तर पर प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना है। आईसीआरआईएसएटी के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

पशुपालन और बागवानी में भी नवाचार किए जा रहे हैं, जबकि किसानों की आर्थिक स्थिति के आकलन के लिए सर्वे कराया जा रहा है।

कांफ्रेंस में कृषि विकास पर बनेगी ठोस रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ में 24 अप्रैल को "जोनल एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस-2026" का आयोजन होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उत्तर भारत के 9 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संबोधित करेंगे।

सम्मेलन में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ), दलहन मिशन, राष्ट्रीय

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

खाद्य तेल-तिलहन मिशन और डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन जैसे अहम विषयों पर मंथन होगा। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, एफपीओ, स्टार्टअप्स और नाबार्ड सहित कई संस्थाएं भाग लेंगी। विभिन्न राज्य अपनी सफल कृषि मॉडल साझा करेंगे।

30 तक बनवा लें फार्मर आईडी नहीं तो होंगे योजनाओं से वंचित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 मई 2026 से फार्मर आईडी हो जाएगी अनिवार्य

अमृत विचार: जायद 2026 सीजन की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री अभियान तेज कर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि 30 अप्रैल तक सभी भूमिधर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन गांवों में अब तक कम रजिस्ट्रेशन हुआ है, वहां विशेष फोकस किया जा रहा है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि 15 मई 2026 से फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी जाएगी। इसके बिना किसानों को सरकारी योजनाओं, उर्वरक और बीज का लाभ नहीं मिल सकेगा। ऐसे में किसानों को समय रहते पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है।

जायद सीजन के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे भी तय समय में पूरा किया जाएगा। इसके लिए 28 अप्रैल को जिला स्तरीय टीमों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि 1 से 31 मई तक प्रदेशभर में सर्वे अभियान चलाया जाएगा। किसानों की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। लाउडस्पीकर, अखबारों और ग्राम प्रधानों के माध्यम से किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

राजनीति सर्वोत्कृष्ट कला है, क्योंकि इसमें अनेक अन्य कलाएं समाहित होती हैं और इसका उद्देश्य मानव कल्याण है।
–अरस्तु, दार्शनिक

भ्रामक युद्ध विराम

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका द्वारा युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाना पहली नजर में शांति का संकेत लगता है, पर गहराई से देखें तो यह एक जटिल सामरिक चाल अधिक प्रतीत होती है। इतिहास गवाह है कि युद्धविराम अक्सर संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि रणनीतिक विराम होता है। यह पुनर्संयोजन, दबाव निर्माण और कूटनीतिक संभावनाओं की परख का समय होता है। अमेरिका की मंशा को केवल शांति स्थापना तक सीमित मानना यथार्थवादी नहीं होगा, दरअसल यह कदम तीन स्तरों पर काम करता दिखता है— पहला, सैन्य थकान और संसाधनों के पुनर्गठन की आवश्यकता; दूसरा, अंतर्राष्ट्रीय दबाव को संतुलित करना और तीसरा, ईरान को वार्ता की मेज पर लाने के लिए समय खरीदना।

ईरान का यह दावा कि डोनाल्ड ट्रंप फिलहाल युद्ध जारी रखने की स्थिति में नहीं हैं, इसे पूर्ण सत्य मानना तथ्य उपेक्षा और जल्दबाजी होगी। सवाल अमेरिका की सैन्य क्षमता पर नहीं, बल्कि उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं और घरेलू दबावों पर अधिक हैं। अमेरिका का पाकिस्तान के कहने पर युद्धविराम बढ़ाने का तर्क भी अधिक विश्वसनीय नहीं लगता है। पाकिस्तान इस क्षेत्र में एक कारक अवश्य है, पर निर्णायक नहीं। अमेरिका के फैसले आमतौर पर उसके व्यापक भू-राजनीतिक हितों— विशेषकर ऊर्जा, इसराइल की सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व से संचालित होते हैं। इस संदर्भ में खाड़ी की 'मौजूदा शांति' वास्तव में भ्रामक है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर बढ़ता नियंत्रण और जहाजों की जब्ती जैसी घटनाएं संकेत देती हैं कि तनाव सतह के नीचे लगातार उबल रहा है। यदि यह जलडमरूमध्य लंबे समय तक बाधित रहता है, तो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ना तय है। 55 करोड़ बैरल तेल का नुकसान और एलएनजी आपूर्ति में दो प्रतिशत की गिरावट केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी हैं। अमेरिका इस दौरान ईरान पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बनाए रखना चाहता है, जबकि ईरान 'थोपी गई शर्तों' को अस्वीकार कर अपनी संप्रभुता का प्रदर्शन कर रहा है। यह गतिरोध तभी टूटेगा, जब दोनों पक्ष कुछ लचीलापन दिखाएं। यदि अमेरिका ईरान के प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करता है, तो समाधान की दिशा खुल सकती है, परंतु अनिश्चित युद्धविराम का एक बड़ा खतरा यह है कि यह स्थायी अस्थिरता को जन्म देता है।

यह न तो पूर्ण युद्ध है, न ही वास्तविक शांति, बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी भी क्षण संघर्ष फिर भड़क सकता है। यही कारण है कि वर्तमान ठहराव भविष्य के अधिक बड़े टकराव का संकेत भी हो सकता है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता और खाड़ी में बड़ी भारतीय आबादी के कारण भारत को संतुलित और व्यावहारिक नीति अपनानी होगी। भारत को एक ओर अपनी ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत तलाशने होंगे, वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक स्तर पर दोनों पक्षों से संवाद भी बनाए रखना होगा। 'रणनीतिक स्वायत्तता' की मौजूदा नीति यहां सबसे उपयुक्त प्रतीत होती है। कुल मिलकर यह अनिश्चित युद्धविराम शांति का संकेत कम और रणनीतिक विराम अधिक है।

प्रसंगवश

अदृश्य धागों से बुनी दुनिया

दुनिया को जानने-समझने के कई रास्ते हैं। विज्ञान उसे तथ्यों और नियमों की कसौटी पर परखता है, दर्शन उसे प्रश्नों और विचारों की रोशनी में देखता है, जबकि कला उसे अनुभव और संवेदना के माध्यम से व्यक्त करती है। कई बार कोई छोटा-सा प्रतीक भी जीवन की गहरी सच्चाइयों को उजागर कर देता है। जापान की एक लोककथा ऐसा ही एक प्रतीक सामने रखती है लाल धागे का।

कहा जाता है कि जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी छोटी उंगली में एक अदृश्य लाल धागा बंध जाता है, जो किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़ा होता है। यह धागा दोनों के जीवन को किसी न किसी रूप में एक-दूसरे से जोड़ देता है। लोक विश्वास यह भी कहता है कि यह धागा उस रक्त-नाड़ी का विस्तार है, जो हमारे हृदय से छोटी उंगली तक जाती है। यह लोककथा केवल भाग्य की कल्पना नहीं है; यह मनुष्य के जीवन में संबंधों की अनिवार्यता का रूपक है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

मनुष्य का जीवन दरअसल संबंधों से ही निर्मित होता है। हम अपने आप को भले ही स्वतंत्र व्यक्ति मानें, लेकिन हमारी पहचान अनेक रिश्तों, स्मृतियों और अनुभवों से मिलकर बनती है। परिवार, मित्रता, समाज, संस्कृति और साझा इतिहास ये सभी हमारे अस्तित्व को आकार देते हैं। इन संबंधों का एक बड़ा हिस्सा दिखाई नहीं देता, लेकिन उनका प्रभाव जीवन में लगातार बना रहता है। जैसे- किसी जाल के महीन धागे एक-दूसरे में उलझकर पूरी संरचना को थामे रहते हैं, वैसे ही हमारे संबंध भी जीवन की पूरी बुनावट को संभाले रखते हैं।

यदि जीवन को एक रूपक में समझना हो तो वह किसी सीधी रेखा की तरह नहीं, बल्कि धागों से बुनी हुई एक जटिल संरचना की तरह है। हर संबंध एक धागे जैसा है। कभी मजबूत, कभी ढीला, कभी उलझा हुआ और कभी टूट जाने के कगार पर। रिश्तों की यही जटिलता जीवन को अर्थ भी देती है और चुनौती भी। आज के समय में दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है। तकनीक, संचार और डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है। इसके बावजूद मनुष्य के भीतर अकेलेपन की भावना भी उतनी ही तीव्र होती जा रही है।

यह हमारे समय का एक बड़ा विरोधाभास है। बाहरी जुड़ाव बढ़ रहा है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी गहरी हो रही है। ऐसे समय में यह विचार कि हम सब अदृश्य धागों से जुड़े हुए हैं, हमें अपने अस्तित्व की एक नई समझ देता है। स्मृतियां भी इन धागों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमारे भीतर अतीत की उपस्थिति बनाए रखती हैं। किसी व्यक्ति से जुड़ी एक छोटी-सी स्मृति भी वर्षों बाद अचानक जीवित हो उठती है और हमें उन क्षणों में वापस ले जाती है, जिन्हें हम बीत चुका समझते हैं। इसी तरह किसी संबंध का टूटना केवल एक व्यक्ति से दूरी नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन की बुनावट का एक धागा ढीला पड़ जाना होता है। शायद इसलिए मनुष्य संबंधों के प्रति इतना संवेदनशील होता है।

जीवन की एक और सच्चाई उसकी अनिश्चितता है। हम योजनाएं बनाते हैं, लक्ष्य तय करते हैं, लेकिन जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी कोई अनजान व्यक्ति अचानक हमारे जीवन में प्रवेश कर जाता है और हमारी सोच की दिशा बदल देता है। कभी कोई रिश्ता धीरे-धीरे समय की धुंध में खो जाता है। इन सबके बीच जीवन हमें यह सिखाता है कि हर अनुभव चाहे, वह सुख का हो या दुःख का, हमारी आंतरिक यात्रा का हिस्सा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

ट्रंप की रणनीतिक विफलता और भविष्य के संकेत

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अप्रैल 2026 के भू-राजनीतिक परिदृश्य में, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ घोषित युद्ध विराम ने अमेरिकी विदेश नीति की एक बड़ी विफलता को उजागर किया है। 'पूर्ण जीत' और ईरान की सैन्य शक्ति को 'पूरी तरह से नष्ट' करने के शुरुआती बड़बोले दावों के बाद, यह युद्ध विराम ट्रंप प्रशासन के लिए एक शर्मनाक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। यह संघर्ष न केवल मध्य पूर्व में स्थिरता लाने में विफल रहा, बल्कि इसने अमेरिकी कूटनीति की सीमाओं को भी उजागर किया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान युद्ध में युद्ध विराम की अवधि बढ़ाने की घोषणा से मध्यस्थों को अमेरिका और ईरान के बीच आमने-सामने की बातचीत का एक नया दौर आयोजित करने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा, लेकिन हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं। अमेरिका और इज़राइल ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया, जिसके कारण तेल की कीमतें बढ़ गईं और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई। इस युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया है, जिससे ईंधन की कीमतें बढ़ने और अन्य देशों में भी बिजली संयंत्रों पर हमले का खतरा पैदा हो गया।

ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु और मिसाइल ढांचे को नष्ट कर दिया है, लेकिन हकीकत यह रही कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और अमेरिकी धमकियों को नजरअंदाज करते हुए जवाबी हमले जारी रखे। 48 घंटे के अल्टीमेटम के बाद जब युद्ध विराम की घोषणा की गई, तो यह जीत से ज्यादा एक सामरिक वापसी और ईरान के सामने झुकने जैसा प्रतीत हुआ। ईरान ने स्पष्ट किया कि उसने कोई युद्ध विराम नहीं मांगा था, जिससे ट्रंप के दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठे हैं।

इस घोषणा से अस्थायी रूप से लड़ाई फिर से शुरू होने से तो बच गई, लेकिन दोनों पक्षों के बीच व्यापक मतभेद बने हुए हैं। ईरान, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मौजूदा युद्ध विराम आठ अप्रैल को शुरू हुआ, जो ट्रंप द्वारा कई बार समय सीमा तय किए जाने के बाद हुआ। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता का पिछला दौर पाकिस्तान में आयोजित किया गया था। अमेरिकी वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका और ईरान के बीच हुई उच्चतम स्तरीय वार्ता में भाग लिया, जो बिना किसी समझौते के समाप्त हुई।

वैंस की पाकिस्तान यात्रा अभी भी स्थगित है और ईरान पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मौजूदा युद्ध विराम की समय सीमा समाप्त होने से कुछ ही घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर यह कदम उठाया, क्योंकि वह ईरान से 'एकीकृत प्रस्ताव' की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अनिर्णय के लिए ईरान के 'गंभीर रूप से विभाजित' नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया। इन सब के बीच दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि अमेरिका और ईरान ने वार्ता के एक नए दौर के आयोजन के संकेत दिए हैं।

पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि मिली है कि शीर्ष वार्ताकार, वैंस और ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर क़लीबाफ़, अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे, लेकिन मंगलवार देर रात, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सम्मेलन में भाग लेने के बारे में कोई 'अंतिम निर्णय' नहीं लिया गया है। प्रवक्ता, इस्माइल बगाई ने सरकारी टीवी को बताया कि निर्णय न ले पाने का कारण अमेरिकियों की ओर से 'विरोधाभासी संदेश' और 'अस्वीकार्य कार्रवाइयां', विशेष रूप से ईरान की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी है।

यदि पाकिस्तान बैठक आयोजित करने में सफल भी हो जाता है, तो भी होर्मुज जलडमरूमध्य के भविष्य, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और नाकाबंदी को लेकर गंभीर चुनौतियां बनी रहेंगी। सप्ताहांत में ईरान ने जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाया। अमेरिका ने भी जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी जहाज पर हमला किया और उसे अपने कब्जे में ले लिया, जिससे संकेत मिलता है कि स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ईरान का सारा उच्च संवर्धित यूरेनियम अभी भी देश में ही है, संभवतः उन संवर्धन स्थलों में दबा हुआ है, जिन पर पिछले साल जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान अमेरिका ने बमबारी की थी।

ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऐसा करने का अधिकार है और वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश से इनकार करता है, जबकि ट्रंप ने इज़राइल के साथ मिलकर ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने और अपने भंडार को छोड़ने का आह्वान किया है। ईरान ने युद्ध समाप्त करने के अपने 10 सूत्री प्रस्ताव में इसे खारिज कर दिया। इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता होने वाली थी, लेकिन ईरान का प्रतिनिधिमंडल नहीं पहुंचा। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की अगुवाई में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पाकिस्तान रवाना होने वाला था, ऐसा नहीं हुआ।

वहीं युद्ध विराम ख़त्म होने से पहले ही ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी समय सीमा बढ़ाने की घोषणा की। कहा कि यह फ़ैसला पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया, 'हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर अपना हमला तब तक रोकें, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि एक साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आते।'

इसके कुछ घंटे बाद ही, बुधवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने तीन कार्गो जहाज़ों पर हमला कर दो को सीज़ कर लिया। इनमें एक पर ग्रीस का और दूसरे पर पनामा का झंडा लगा था, जबकि तीसरा जहाज़ यूएई की एक कंपनी का है। फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना, होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे होकर 20 फीसदी प्राकृतिक गैस और तेल का परिवहन होता है, जलमार्ग में ईरानी हमलों के कारण लगभग बंद है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम की अवधि बढ़ाने की घोषणा से ईरान से आमने-सामने की बातचीत का एक नया दौर आयोजित करने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा, लेकिन दोनों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं।

आमने

पिछली कांग्रेस सरकार ने इस प्रोजेक्ट में सालों की देरी की थी। प्रधानमंत्री ने ही 2018 में इसे फिर से शुरू किया और इसकी प्रगति को तेज़ किया। जनता उस दौर में रिफाइनरी प्रोजेक्ट में हुए कथित घोटालों और विवादित जमीन सौदों से वाकिफ है। इस प्रोजेक्ट के बारे में सच्चाई लोगों के सामने पहले ही आ चुकी है।

– भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

रिफाइनरी प्रोजेक्ट में देरी और साइट से जुड़ी हाल की दुर्घटना से ध्यान भटकाने की कोशिशें की जा रही हैं। देरी भाजपा के कार्यकाल के दौरान हुई थी और प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने की मौजूदा 'जल्दबाजी' के कारण ही यह घटना हुई। दो दिन बाद भी, दुर्घटना पर आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं हुआ है। –अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

नेपाल: गृहमंत्री का इस्तीफा व जनता की उम्मीदें

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में दो मंत्रियों के रुखसती को 'बालेन सरकार की उलटी गिनती' की दृष्टि से भले न देखा जाए, लेकिन इस घटना से मात्र 26 दिन पूर्व सत्ता रूढ़ हुई बालेन सरकार के अनुभव और परिपक्वता को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। मनी लांड्रिंग और विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से व्यवसायिक साझेदारी, संपत्ति अर्जन जैसे और भी आरोपों के खुलासे के बाद सुडान गुरूंग के खिलाफ विरोध और प्रदर्शन तेज हो गया था। उनके खिलाफ काठमांडू के नकसाल थाने में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग जोर पकड़ रही थी। सुडान गुरूंग ने, हालांकि अपने शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्तीफा न देने की बात कही थी, लेकिन अचानक उन्होंने बुधवार को प्रधानमंत्री बालेन शाह को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

नेपाल में 26 दिन के भीतर यह दूसरे मंत्री का इस्तीफा है। इसके कुछ दिन पूर्व जब श्रम मंत्री दीपक कुमार साह का इस्तीफा हुआ था, तब बालेन शाह की खूब वाहवाही हुई थी। दीपक कुमार साह पर अपनी पत्नी को स्वास्थ्य बोर्ड में सदस्य के पद पर स्थापित करने का आरोप था। दीपक साह धोखाधड़ी के मामले में जेल भी जा चुके हैं। दीपक साह से इस्तीफा लेने पर बालेन सरकार के स्वच्छ छवि के कसीदे पढ़े गए थे, वहीं सुडान गुरूंग के इस्तीफे को एक ऐसे मंत्री का इस्तीफा माना जा रहा है, जिसने सिर्फ ईमानदार होने का मुखौटा लगा रखा था।

सुडान गुरूंग की छवि जेन जी आंदोलन के जरिए ओली सरकार को अपदस्थ करने वाले नायक की उभरी थी। ओली सरकार पर भ्रष्टाचार के अनगिनत आरोप थे। ओली ही क्यों, राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल में जितनी भी सरकारें आईं, उन सबसे जनता ऊब चुकी थी। जेन जी आंदोलन में ओली तो सेना के कैंप में भागकर मार-पिटाई से बच गए थे, जबकि लगभग सभी पार्टियों के शीर्ष नेता, पूर्व प्रधानमंत्री, उनकी पत्नियां जेन जी के गुस्से का शिकार हुई थीं। जनता चूंकि उन सभी सरकारों से ऊबी हुई थी, इसलिए ऐसे नेताओं के साथ हुए बर्बर व्यवहार से खुश थी। इस हिंसक आंदोलन में 76 युवाओं की जान गई थी और काठमांडू में महत्वपूर्ण सरकारी इमारतें, माल और हिल्टन जैसे अरबों रुपये के होटल आग के हवाले हो गए थे।

राजनीतिक अफरातफरी के बीच उच्च न्यायालय की पूर्व जज सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इस सरकार ने छः महीने के अंदर चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंप देने का वादा किया। अंतरिम सरकार के गठन और प्रधानमंत्री के चयन में भी सुडान गुरूंग की भूमिका खास थी। इस पार्टी के अध्यक्ष पूर्व पत्रकार रवि लामी छाने हैं। वे पिछले चुनाव में पूर्वी नेपाल में पहली मर्तबा चुनाव लड़े और बीस सांसदों के साथ नेपाल प्रतिनिधि सभा में धमाकेदार इंट्री की और ओली सरकार में उप प्रधानमंत्री के साथ गृहमंत्री भी बने, लेकिन अमेरिकी नागरिकता विवाद के चलते उन्हें उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से मंत्री और प्रतिनिधि सभा से इस्तीफा देना पड़ा, हालांकि बाद में इस विवाद के हल हो जाने पर वे फिर जीतकर प्रतिनिधि सभा में लौटे, लेकिन मंत्री अथवा अन्य किसी सरकारी पद से दूर रहे।

बतौर गृह मंत्री रवि लामी छाने की छवि काफी सख्त थी। पहली मर्तबा उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर प्रहार किया था। रवि लामी छाने के इस तेवर से खुद ओली सरकार हिल गई थी, साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के बड़े नेता भी कांप उठे थे, क्योंकि सबके हाथ भ्रष्टाचार में सने हुए हैं, हालांकि रवि लामी छाने स्वयं एक बड़े घोटाले में न्यायालय का सामना कर रहे हैं।

नेपाल की राजनीति में रवि लामी छाने और उनकी पार्टी की छवि अन्य पार्टियों की अपेक्षा स्वच्छ थी। यही वजह रही कि काठमांडू के मेयर रहे, बालेन शाह, हामी नेपाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालक रहे सुडान गुरूंग और तमाम दूसरे पार्टियों के नेता बड़ी तेजी से इस पार्टी में शामिल हुए। रवि लामी छाने ने बालेन शाह को प्रधानमंत्री का चेहरा तय कर दिया।

जनता चूंकि परिवर्तन के मूड में थी ही, लिहाजा चुनाव हुआ तो पहाड़ से मैदान तक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को एक तरफा जीत मिली। शपथ ग्रहण के बाद हर रोज सरकार के चकित करने वाले एक से एक फरमान से जनता उत्साहित थी और उसे परिवर्तन की अनुभूति की आश थी। गृहमंत्री पद पर रहते हुए सुडान गुरूंग ने पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार करने का आदेश देकर सुर्खियां बटोरीं तो थी, लेकिन अपनी ही पार्टी के अंदरखाने उनकी आलोचना भी होने लगी थी। उनका अन्य मंत्रालयों में दखल भी मंत्रियों को असहज कर रहा था। गृहमंत्री सुडान गुरूंग के खिलाफ जेन जी के ही एक धड़े ने मोर्चा खोल दिया है। इस घटना से बालेन सरकार का असहज होना स्वाभाविक है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जनता के आंदोलन और सवालों के बीच नेपाल के गृहमंत्री सुडान गुरूंग ने इस्तीफा दे दिया है। उम्मीदों से भरी जनता के साथ संतुलन बैठाना बालेन सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है।

सोशल फोरम

चले गए बब्बन खान

अजय ब्रह्मात्मज
फिल्म राइटर

हैदराबाद में आज मातम छाया हुआ है। 'अदरक के पंजे' के क्रिएटर बब्बन ख़ान नहीं रहे। पिछली सदी के आखिरी दशकों में उनके स्टेज शो का ऐसा जलवा था कि गिनीज बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में भी इसे शामिल किया गया। हैदराबादी ह्यूमर से भरपूर इस शो में एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार की हताशा, दुर्दशा और मनोदशा का चित्रण था। परिवार के मुखिया रामुसु अपनी गरीबी और अनियंत्रित परिवार की वजह से लगातार कर्ज में रहते हुए जिंदगी की चिखचिख से परेशान हाल रहे। यह शो छोटा परिवार सुखी परिवार का संदेश देता था।

बब्बन खान ने अपने पिता और परिवार की कहानी काफी मजेदार अंदाज में पेश किया था। आठ भाई-बहनों के परिवार में बब्बन ख़ान अपने मां-बाप की अकेली संतान के रूप में बचे रहे। 10 की उम्र तक तो उनका नाम भी नहीं रखा गया था। मां-बाप ने सोचा था कि जिंदा रहेगा तो नाम रख देंगे।

बब्बन ख़ान ने अपने खस्ताहाल परिवार की यह तंजिया कहानी रात भर में एक लैंप पोस्ट के नीचे बैठकर लिखी। मां का इकलौता गहना बेचकर शो की व्यवस्था की। शो के दो टिकट देकर दर्जी से अपनी शेरवानी सिलवाई। पहला शो नाकाम रहा, लेकिन किसी प्रशंसक ने नेपथ्य में जाकर उन्हें 500 रुपये दिए और कहा कि शो जारी रखना।

धीरे-धीरे यह शो हैदराबाद से देश के अनेक शहरों से होता हुआ, विदेश के शहरों में भी धूम मचाता रहा। 10,000 से अधिक इसके शो हो चुके थे।

स्टैंडअप कॉमेडी के चलन में आने के बहुत पहले बब्बन ख़ान ने घरेलू और पारिवारिक हंसी-मजाक का ऐसा पुलिंदा पेश किया था कि दर्शक हंसते-हंसते बेहाल हो जाते थे।

बब्बन खान की मेधा को सलाम! **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

गांव के युवाओं में हुनर है, मगर बाजार नहीं

देश के ग्रामीण इलाकों में हुनर की कमी नहीं है, बात अगर बिहार की करें, तो यहां हर गांव एक चलता-फिरता कारीगर विद्यालय लगता है। कहीं मिट्टी को आकार देकर सुंदर बर्तन बनाए जाते हैं, तो कहीं सुई-धागे और रंगों से दीवारों और कपड़ों पर ऐसी कलाकारी की जाती है, जिसे देखकर शहरों की महंगी गैलरियां भी फीकी पड़ जाएं, लेकिन विडंबना यह है कि इतना हुनर होने के बावजूद नौजवानों के लिए रोजगार और बाजार की कमी आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। यही कारण है कि या तो वे बेरोजगार हैं या फिर अपने गांव और परिवार को छोड़कर दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। इसका असर केवल परिवारों पर ही नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही पारंपरिक हस्तकलाओं पर भी पड़ रहा है, जो मिटने की कगार पर पहुंच रही हैं।

भारत जैसे विशाल देश में बेरोजगारी की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय रही है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में देश की बेरोजगारी दर वर्ष 2023-24 में लगभग 3.2% दर्ज की गई, जबकि युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर इससे कहीं अधिक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच रोजगार के अवसरों में बड़ा अंतर भी देखने को मिलता है, जिससे ग्रामीण युवाओं को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सरिता कुमारी
एक्टिविस्ट

यदि बिहार की बात करें, तो यहां बेरोजगारी का संकट विशेष रूप से युवाओं के बीच गहराता जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में बेरोजगारी दर लगभग 11.4% के आसपास बताई गई है, जो कई अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही यह भी देखा गया है कि नियमित और स्थायी नौकरियों की भारी कमी है, जिसके कारण बहुत से लोग अस्थायी या अनियमित काम करने को मजबूर हैं। हाल के वर्षों में युवाओं में बेरोजगारी की दर फिर से बढ़कर लगभग 16% तक पहुंचने की खबरें सामने आई हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती हैं।

यहां बेरोजगारी की समस्या का सबसे बड़ा कारण रोजगार के सीमित अवसर और कौशल के अनुसार काम का अभाव है। बिहार की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, जहां लगभग 54% से अधिक लोग कृषि से जुड़े हुए हैं, लेकिन कृषि कार्य मौसमी होने के कारण पूरे वर्ष रोजगार उपलब्ध नहीं रहता। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण युवाओं को वर्ष के कई महीनों में खाली बैठना पड़ता है या फिर उन्हें दूसरे राज्यों जैसे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र की ओर पलायन करना पड़ता है।

बिहार के उत्तरी भाग, विशेषकर सीतामढ़ी और मिथिला क्षेत्र, अपनी पारंपरिक हस्तकलाओं के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध रहे हैं। मिथिला क्षेत्र की मधुबनी पेंटिंग जहां भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों तक अपनी पहचान बना चुकी है। वहीं सीतामढ़ी और उसके आसपास के क्षेत्र की हस्तकलाएं जैसे सिक्की घास से बनी टोकरियां, बांस से बनी हस्तशिल्प, लकड़ी के खिलौने और मिट्टी के बर्तन जैसी कई पारंपरिक कलाएं भी पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

इन कलाओं में स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता, लेकिन आज इन पारंपरिक हस्तकलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। बाज़ार की कमी और उचित मूल्य का अभाव। कई बार कारीगरों को महीनों की मेहनत के बाद भी इतना पैसा नहीं मिलता कि वे अपने परिवार का खर्च आसानी से चला सकें। नई पीढ़ी इन कलाओं से दूरी बनाने लगी है, क्योंकि उन्हें भविष्य सुरक्षित नहीं दिखता। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

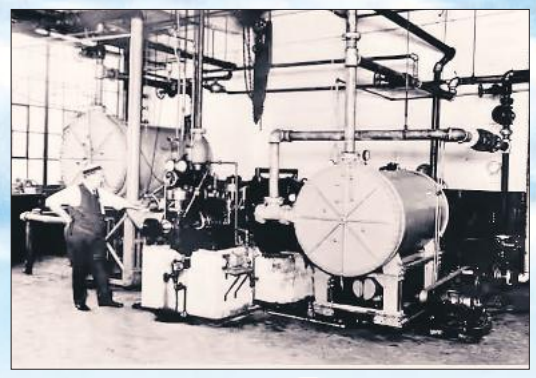

ऐसे हुई एसी की खोज

एयर कंडीशनर (AC) का मुख्य कार्य कमरे के तापमान को नियंत्रित करना और वातावरण को आरामदायक बनाना होता है। यह गर्म हवा को बाहर निकालकर ठंडी हवा अंदर पहुंचाता है, जिससे कमरे में ठंडक बनी रहती है। आज के आधुनिक AC सिर्फ ठंडक ही नहीं देते, बल्कि हीटिंग और एयर प्यूरीफिकेशन जैसी सुविधाएं भी प्रदान करते हैं। AC की क्षमता को British Thermal Unit (BTU) में मापा जाता है, जो इसकी कूलिंग क्षमता को दर्शाता है।

एयर कंडीशनर का आविष्कार विलिस हेवलैंड कैरियर ने वर्ष 1902 में किया था। वे कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद Buffalo Forge Company के प्रिंटिंग प्लांट में कार्यरत थे। वहां अधिक गर्मी और नमी के कारण अखबार की छपाई में समस्या आ रही थी, विशेषकर रंगीन स्याही सही ढंग से कागज पर नहीं बैठती थी। इस चुनौती को हल करने के लिए कैरियर ने एक ऐसी मशीन विकसित की, जो तापमान और नमी दोनों को नियंत्रित कर सके। उनका यह आविष्कार सफल रहा और प्रिंटिंग प्रक्रिया में सुधार आया।

2 जनवरी 1906 को कैरियर को उनके इस आविष्कार के लिए अमेरिकी पेटेंट (नंबर 808897) प्राप्त हुआ। शुरुआती AC मशीनें आकार में बहुत बड़ी थीं और केवल उद्योगों में ही उपयोग की जा सकती थीं। बाद में तकनीक के विकास के साथ इन्हें छोटे आकार में बनाया जाने लगा।

साल 1915 में कैरियर ने एयर कंडीशनिंग के क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने के लिए कंपनी स्थापित की। इसके बाद 1931 में H. H. Schultz और J. Q. Sherman ने विंडो AC का आविष्कार किया, जिसे 1932 में बाजार में उतारा गया। उस समय इसकी कीमत काफी अधिक थी, जिससे यह आम लोगों की पहुंच से दूर था। समय के साथ एयर कंडीशनर तकनीक में निरंतर सुधार हुआ है और आज यह हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

वैज्ञानिक बारे में

विलिस हेवलैंड कैरियर का जन्म 26 नवंबर 1876 को Angola, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे बचपन से ही जिज्ञासु और गणित में रुचि रखने वाले थे। उनकी माता ने उन्हें कठिन समस्याओं को सरल तरीकों से समझना सिखाया, जिसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ा। उन्होंने Cornell University से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। कैरियर का स्वभाव शांत और शोधपरक था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन वैज्ञानिक कार्यों और आविष्कारों को समर्पित किया। 1950 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके योगदान आज भी दुनिया को ठंडक पहुंचा रहे हैं।

चिंपैंजियों के बीच चल रहा है खूनी गृहयुद्ध

दुनिया के एक हिस्से में एक ऐसी जंग भी हो रही है, जिसमें सीजफायर कराने वाला कोई नहीं है। ये ईरान, इजराइल या अमेरिका के बीच युद्ध नहीं है, बल्कि ये अफ्रीकी देश युगांडा के जंगलों में चल रहा है और इस युद्ध में इंसान नहीं, बल्कि चिंपैंजी लड़ रहे हैं। वैसे तो यह युद्ध पिछले आठ सालों से लगातार चल रहा है, लेकिन अप्रैल 2026 में यह तब प्रकाश में आया जब वैज्ञानिकों ने पश्चिमी यूगांडा (पूर्वी अफ्रीका) के किबाले नेशनल पार्क (नगोगो क्षेत्र) में चिंपैंजी के बीच एक बहुत खूनी 'सिविल वार' (आंतरिक युद्ध) की रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसे मीडिया में 'ब्लडियस वार ऑन रिकार्ड' या 'प्राइमेट सिविल वार' कहा जा रहा है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात जंगली चिंपैंजी समूह है, जिसमें लगभग 200 सदस्य। शोधकर्ता इसे 1995 से अध्ययन कर रहे हैं।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

वैज्ञानिक विश्लेषण

चिंपैंजी यानी वनमानुष, जिसे आम बोलचाल की भाषा में कभी-कभी चिम्प भी कहा जाता है, का वैज्ञानिक नाम पैन ट्रोग्लोडाइट्स है। यह होमिनीडे परिवार का सदस्य है। चिंपैंजी मनुष्यों से कई व्यावहारिक और संज्ञानात्मक लक्षण साझा करते हैं, जैसे हंसी, दुख, सहानुभूति और औजार उपयोग। ये विशेषताएं उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन (प्राइमेटोलॉजी) के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती हैं। इनके सबसे निकटतम रिश्तेदार हैं बोनोबो और मनुष्य। मनुष्यों के साथ डीएनए समानता लगभग 98.7 प्रतिशत है। दोनों का एक साझा पूर्वज लगभग 6-7 मिलियन वर्ष पहले था। चिंपैंजी औजारों का उपयोग करते हैं, जैसे छड़ियों से दीमक निकालना, पत्थर से नट तोड़ना आदि। जेन गुडॉल ने 1960 में सबसे पहले इसका अवलोकन किया था, जिसमें उन्होंने समस्या समाधान, योजना बनाना, स्मृति, संकेत भाषा सीखना और संख्याओं की समझ का अध्ययन साझा किया। ये शिकार करते हैं, कभी-कभी युद्ध और हिंसा भी दिखाते हैं।

गृहयुद्ध के कारण

चिंपैंजी के युद्ध का वैज्ञानिकों को सटीक कारण अभी पता नहीं है। चिंपैंजियों के बीच छिड़े इस गृहयुद्ध के पीछे तीन बड़ी वजहें बताई जा रही हैं। पहली है चिंपैंजियों की बढ़ती जनसंख्या। साल 2016 तक किबाले नेशनल पार्क में चिंपैंजियों के गुटों में सदस्यों की संख्या 200 के पार पहुंच गई थी, इतनी आबादी की वजह से खाने के संसाधनों को लेकर तनाव पैदा होने लगा था। दूसरी बड़ी वजह थी 2017 में जंगलों में आया एक वायरस, जिससे बुजुर्ग चिंपैंजियों की बड़ी तादाद में मौत हो गई थी। बुजुर्गों की मौत के बाद बड़े गुटों में कई अल्फा मेल यानी गुट का नेतृत्व करने वाले चिंपैंजी बन गए थे। इसी तीसरे कारण के चलते चिंपैंजियों के गुट ज्यादा क्षेत्र कब्जाने के लिए लड़ने लगे और यह गृहयुद्ध छिड़ गया। बीते दिनों यहां शुरुआत में आपसी टकराव के चलते पच्चीस चिंपैंजियों की मौत हुई थी और इन मौतों के बाद से ये कथित गृहयुद्ध बढ़ता चला गया और ये आज तक जारी है। आपके मन में एक सवाल उठ रहा होगा कि आखिर चिंपैंजी गृहयुद्ध कैसे करते हैं? क्या चिंपैंजी भी कोई रणनीति बनाते हैं? क्या चिंपैंजियों के पास भी इंसानों की तरह हथियार होते हैं? चिंपैंजी और इंसान के डीएनए में अधिकांश समानता होती है। यही वजह है कि जब चिंपैंजी जंग करने उतरता है, तो वो इंसानों की तरह रणनीति भी बनाता है। चिंपैंजी अपने शत्रु की आवाजाही के रास्ते को देखते और समझते हैं। जब शत्रु कम संख्या में अपने पारंपरिक रास्ते से गुजर रहा होता है, तो बड़ा दल बनाकर चिंपैंजी उस पर हमला कर देते हैं, बिल्कुल इंसानों की तरह। खास बात ये है कि हमले के वक्त आक्रामक दल के कुछ चिंपैंजी उन रास्तों को बंद कर देते हैं, जहां से दुश्मन के भागने की संभावना हो, जो एक खूनी संघर्ष को जन्म देता है।

मानव युद्ध की जड़ों की समझ

चिंपैंजी हमारे सबसे करीबी रिश्तेदार हैं। शोधकर्ता 30$ साल के डेटा से यह अध्ययन साइंस जर्नल में प्रकाशित की। 24 वर्षों के सामाजिक नेटवर्क डेटा से पता चला कि 2015 में दो क्लस्टर के बीच संबंध कमजोर पड़ने लगे। पहले वे एक-दूसरे के साथ घूमते, संभोग करते और संबंध रखते थे। बाद में वे अलग-अलग क्षेत्र में रहने लगे और 2018 तक कोई सकारात्मक संबंध नहीं बचा। "पुराने दोस्त दुश्मन बन गए", यह रिलेशनल डायनेमिक्स (संबंधों की गतिशीलता) का परिणाम माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि चिंपैंजी में यह हिंसा बिना भाषा, धर्म, जाति या विचारधारा के सिर्फ सामाजिक संबंधों के टूटने से हुई। इससे मानव युद्ध की जड़ें समझने में मदद मिल सकती है, शायद संबंधों की गतिशीलता मानव संघर्ष में भी ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जितना हम सोचते हैं। वैज्ञानिक लगातार निगरानी कर रहे हैं।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक अध्ययन

साइंस जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में प्राइमेटोलॉजिस्ट आरोन सैंडेल और उनके सहयोगियों ने जंगली चिंपैंजी में देखे गए पहले 'गृह युद्ध' का दस्तावेजीकरण किया है। जून 2015 में सैंडेल युगांडा के किबाले राष्ट्रीय उद्यान में न्गोगो चिंपैंजी समूह के एक छोटे से झुंड का अवलोकन कर रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि जैसे ही चिंपैंजी के बड़े समूह के अन्य सदस्य जंगल में उनके करीब आने लगे, उनके सामने मौजूद चिंपैंजी घबराए हुए व्यवहार करने लगे। वे मुंह बनाने लगे और एक-दूसरे को तसल्ली देने के लिए छूने लगे, ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी अजनबी से मिलने वाले हों, जबकि वे सब उनके अपने करीबी साथी थे। सैंडेल ने बाद में कहा कि वह क्षण चिंपैंजी के एक कभी घनिष्ठ समूह के बीच वर्षों तक चलने वाले खूनी संघर्ष का पहला संकेत था।

शोधकर्ताओं ने दुनिया में जंगली चिंपैंजी के सबसे बड़े ज्ञात समूह में स्थायी विभाजन का पता लगाने के लिए चिंपैंजी के इस सुप्रसिद्ध समूह के तीन दशकों से अधिक के व्यवहार संबंधी अवलोकनों का सहारा लिया। दोनों समूहों के मजबूत होने के बाद, पश्चिमी समूह के सदस्यों ने अगले सात वर्षों में केंद्रीय समूह पर चौबीस लगातार और समन्वित हमले किए, जिनमें कम से कम सात वयस्क पुरुषों और सत्रह शिशुओं की मौत हो गई। सैंडेल ने बताया कि अचानक मृत्यु ने संभवत: मोहल्लों के बीच संबंधों को कमजोर कर दिया, जिससे अल्फा परिवर्तन होने पर यह समूह ध्रुवीकरण के प्रति संवेदनशील हो गया। फिर 2017 में एक बीमारी का प्रकोप भी हुआ, जिसने संभवत: विभाजन को अपरिहार्य बना दिया या इसे थोड़ा तेज कर दिया। अध्ययन में बताया गया है कि आनुवंशिक साक्ष्यों के आधार पर, चिंपैंजी के बीच ये गृहयुद्ध संभवत: हर 500 वर्षों में एक बार होते हैं यानी 500 सालों में चिंपैंजियों की आबादी ज्यादा हो जाती है और फिर आपसी तनाव और खून-खराबे का दौर शुरू होता है, लेकिन सैंडेल ने कहा कि कोई भी मानवीय गतिविधि जो सामाजिक एकता को बाधित करती है, जैसे वनों की कटाई, जलवायु संकट या बीमारियों का प्रकोप, ऐसे अंतर-समूह संघर्षों को और अधिक सामान्य बना सकती है।

मरीन लाइफ

समुद्री संतुलन के रक्षक

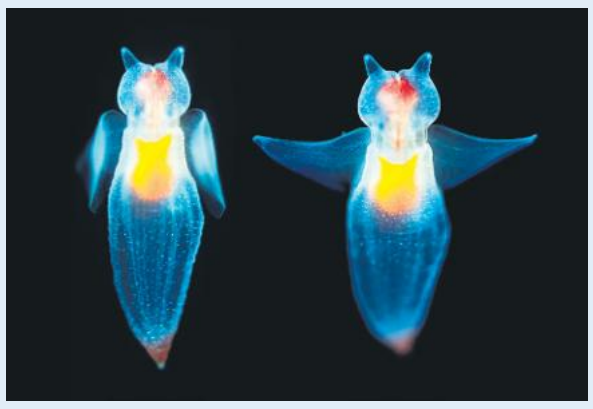

समुद्री देवदूत छोटे, तैरने वाले समुद्री घोंघे होते हैं, जिन्हें वैज्ञानिक रूप से Sea Angel कहा जाता है। उनका पारदर्शी, नाजुक शरीर और पंखों जैसी संरचनाएं उन्हें किसी दिव्य जीव जैसा रूप देती हैं, इसलिए इन्हें 'देवदूत' नाम मिला है। ये जीव मुख्यतः ठंडे और गहरे समुद्री जल में पाए जाते हैं, विशेष रूप से आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में। समुद्री देवदूत वास्तव में Gastropods के विकसित रूप हैं। सामान्य घोंघों की तरह इनके पूर्वजों के पास कठोर खोल और रेंगने के लिए मांसल पैर होते थे, लेकिन समय के साथ इनके शरीर में अद्भुत परिवर्तन हुए। उनका पैर विकसित होकर दो पंखनुमा उपांगों में बदल गया, जिनकी मदद से वे पानी में सुंदर ढंग से तैरते हैं। साथ ही, उनका खोल पूरी तरह समाप्त हो गया, जिससे वे अधिक हल्के और तेज तैराक बन सके।

हालांकि उनका रूप बेहद आकर्षक और शांत लगता है, लेकिन उनका व्यवहार एक कुशल शिकारी का होता है। समुद्री देवदूत अपने शिकार को पकड़ने के लिए विशेष संरचनाओं का उपयोग करते हैं। इनके पास Radula नामक दांतेदार जीभ जैसी संरचना होती है, जो शिकार को पकड़ने और चीरने में मदद करती है। इसके अलावा, वे अपने टेंटेकल्स (स्पर्शक) की सहायता से शिकार को जकड़ते हैं और उसे खोल से बाहर खींच लेते हैं। इनका मुख्य शिकार एक विशेष प्रकार का पंखदार घोंघा होता है, जिसे Clione limacina कहा जाता है। यह शिकारी-शिकार संबंध समुद्री पारिस्थितिकी में संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समुद्री देवदूत अत्यधिक चयनात्मक होते हैं और लगभग केवल इसी प्रजाति पर निर्भर रहते हैं।

आज के समय में जलवायु परिवर्तन और Ocean Acidification समुद्री देवदूतों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। महासागरों में बढ़ती अम्लता उनके शिकार के खोल को कमजोर कर देती है, जिससे उनका जीवन चक्र प्रभावित होता है। यदि उनके शिकार की संख्या घटती है, तो इसका सीधा असर समुद्री देवदूतों की आबादी पर पड़ेगा। इस प्रकार, समुद्री देवदूत न केवल अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे समुद्री पारिस्थितिकी के नाजुक संतुलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका जीवन हमें यह समझाता है कि प्रकृति में सौंदर्य और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

आखिर क्यों होता है पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस ज्यादा

पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस की संभावना महिलाओं की तुलना में अधिक होती है और इसका मुख्य कारण आनुवंशिकी है। रंगों को पहचानने की क्षमता हमारी आंखों के रेटिना में मौजूद विशेष कोशिकाओं, जिन्हें कोन (cones) कहा जाता है, पर निर्भर करती है। इन कोशिकाओं में मौजूद पिगमेंट प्रकाश की विभिन्न तरंगदैर्घ्य को पहचानते हैं, जिससे हमें लाल, हरा और नीला जैसे रंग दिखाई देते हैं। जब इन पिगमेंट्स में किसी प्रकार की कमी या दोष होता है, तो व्यक्ति को रंगों को पहचानने में कठिनाई होती है। विशेष रूप से, सबसे सामान्य प्रकार का रंगभेद Red-green color blindness है। इसके लिए जिम्मेदार जीन X chromosome पर स्थित होते हैं। महिलाओं के पास दो एक्स क्रोमोसोम (XX) होते हैं, जबकि पुरुषों के पास एक एक्स और एक वाई क्रोमोसोम (XY) होता है। यदि किसी महिला के एक एक्स क्रोमोसोम में कलर ब्लाइंडनेस का दोषपूर्ण जीन हो, तो दूसरा स्वस्थ एक्स क्रोमोसोम उसकी भरपाई कर सकता है। यही कारण है कि महिलाओं में कलर ब्लाइंडनेस अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। इसके विपरीत, पुरुषों के पास केवल एक ही एक्स क्रोमोसोम होता है। यदि उस पर कलर ब्लाइंडनेस से संबंधित जीन मौजूद हो, तो उसके प्रभाव को संतुलित करने के लिए कोई दूसरा एक्स क्रोमोसोम नहीं होता। परिणामस्वरूप, पुरुषों में कलर ब्लाइंडनेस होने की संभावना अधिक होती है। यही वजह है कि लगभग हर 12 में से 1 पुरुष इस समस्या से प्रभावित होता है, जबकि महिलाओं में यह अनुपात बहुत कम है। कलर ब्लाइंडनेस के कई प्रकार होते हैं, जैसे Protanopia (लाल रंग को पहचानने में कठिनाई), Deuteranopia (हरे रंग की पहचान में समस्या) और Tritanopia (नीले रंग से संबंधित दुर्लभ समस्या)। अधिकतर मामलों में यह जन्मजात होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में उम्र बढ़ने, आंखों की बीमारियों या दवाओं के प्रभाव से भी रंग पहचानने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

हालांकि कलर ब्लाइंडनेस का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन आधुनिक तकनीक ने कुछ सहायक उपाय उपलब्ध कराए हैं। विशेष प्रकार के चश्मे और मोबाइल ऐप्स रंगों के अंतर को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं। इस प्रकार, कलर ब्लाइंडनेस केवल एक कमजोरी नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता का एक उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि मानव शरीर की संरचना कितनी जटिल और रोचक है।

चिंतनीय है पृथ्वी पर बढ़ता तापमान और सिमटते वन

पृथ्वी केवल एक खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि जीवन की वह अद्भुत संरचना है, जिसमें असंख्य तंत्र एक साथ संतुलन में कार्य करते हैं। वायु, जल, मृदा, वनस्पति और जीव-जंतु- ये सभी मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिक तंत्र रचते हैं, जो करोड़ों वर्षों की विकास प्रक्रिया का परिणाम है। किंतु वर्तमान समय में यह संतुलन अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। मानव-जनित कारणों से पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है और इसका सीधा प्रभाव वनों तथा वन्यजीवों के अस्तित्व पर पड़ रहा है। प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस इस संकट को समझने और उससे उबरने की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। जब हम इस विराट सृष्टि के स्वरूप पर विचार करते हैं, तो सबसे पहले जिस तत्व का बोध होता है, वह पृथ्वी है। यही वह धरा है, जिसने अनादि काल से समस्त जीव-जगत को अपने आंचल में स्थान दिया है। यह केवल मिट्टी, जल और पाषाण का समूह नहीं, बल्कि जीवन का आधार, चेतना का केंद्र और अस्तित्व का स्तंभ है।

भारतीय मनीषा ने पृथ्वी को 'माता' कहकर संबोधित किया और मनुष्य को उसका 'पुत्र' माना। यह संबंध केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक और दार्शनिक आधार पर टिका हुआ है। प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस हमें इसी संबंध का स्मरण कराता है और यह प्रश्न उठाता है कि क्या हम अपनी माता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर पा रहे हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि औद्योगिक युग के आरंभ से अब तक पृथ्वी के औसत तापमान में लगभग 1 डिग्री से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। यह वृद्धि भले ही नगण्य प्रतीत हो, परंतु इसके परिणाम अत्यंत व्यापक हैं। पृथ्वी की ऊष्मा संतुलन प्रणाली, जिसमें सूर्य से प्राप्त ऊर्जा और अंतरिक्ष में उत्सर्जित ऊर्जा का संतुलन शामिल है- अब असंतुलित हो रही है। वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों की मात्रा बढ़ने से यह ऊष्मा पृथ्वी की सतह पर अधिक समय तक बनी रहती है, जिससे तापमान में वृद्धि होती है।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

वर्तमान समय में वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों की सांद्रता ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के दहन, वनों की कटाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण हुई है। परिणामस्वरूप, पृथ्वी की सतह, महासागरों और वायुमंडल का तापमान निरंतर बढ़ रहा है। वन इस संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वृक्ष प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन युक्त गैसों को अवशोषित करते हैं और प्राणवायु का उत्सर्जन करते हैं। तापमान वृद्धि का सीधा प्रभाव वनों की संरचना और उनकी जैव विविधता पर पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, तापमान में वृद्धि के कारण अनेक वृक्ष प्रजातियां अपने पारंपरिक आवास क्षेत्रों से विस्थापित हो रही हैं। वे ऊंचाई वाले या ठंडे क्षेत्रों की ओर प्रवास कर रही हैं, जिससे वन पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है।

वनाग्नि की घटनाओं में वृद्धि भी तापमान वृद्धि का एक गंभीर परिणाम है। उच्च तापमान, कम आर्द्रता और सूखे की स्थिति वनों को अत्यधिक ज्वलनशील बना देती है। एक बार आग लगने पर यह तेजी से फैलती है और विशाल क्षेत्रों को नष्ट कर देती है। इन आगों के कारण न केवल वृक्षों की हानि होती है, बल्कि वायुमंडल में बड़ी मात्रा में कार्बन युक्त गैसें भी उत्सर्जित होती हैं, जो तापमान वृद्धि को और बढ़ाती हैं। वन्यजीवों पर इसका प्रभाव अत्यंत गंभीर है। प्रत्येक जीव की एक तापीय सीमा होती है, जिसके भीतर वह जीवित रह सकता है। जब तापमान इस सीमा से बाहर जाता है, तो उनके शरीर की जैव-रासायनिक क्रियाएं प्रभावित होती हैं।

जल स्रोतों का सूखना इस संकट को और गहरा करता है। जंगलों में रहने वाले जीव जल के लिए लंबी दूरी तय करने को विवश हो जाते हैं, जिससे उनका जीवन और अधिक संकटग्रस्त हो जाता है। यह स्थिति कई बार मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष को जन्म देती है, जो दोनों के लिए हानिकारक है। समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, वनों का संरक्षण और विस्तार आवश्यक है। वृक्षारोपण केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लगाए गए वृक्ष दीर्घकाल तक जीवित रहें और पारिस्थितिक संतुलन में योगदान दें। इसमें समाज और शासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संरक्षण के लिए कठोर नियम बनाए जाने चाहिए और उनका पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाना आवश्यक है, ताकि वे अपने कर्तव्यों को समझ सकें।

जैव विविधता की स्थिति

वन्यजीव इस तंत्र की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे बीजों के प्रसार में सहायक होते हैं, जिससे नए वृक्षों का जन्म होता है। वे खाद्य श्रृंखला का हिस्सा होते हैं, जिससे विभिन्न जीवों की संख्या संतुलित रहती है। यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो इसका प्रभाव पूरे पर्यावरण पर पड़ता है।

तापमान वृद्धि के कारण जल स्रोतों का सूखना भी वन्यजीवों के लिए एक बड़ी चुनौती है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह ज्ञात हुआ है कि वैश्विक ताप वृद्धि के साथ-साथ वर्षा के पैटर्न में भी परिवर्तन हो रहा है। इससे अनेक क्षेत्रों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे जल स्रोत समाप्त हो रहे हैं। जल के अभाव में वन्यजीवों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी ऊर्जा खपत बढ़ती है और वे अधिक जोखिम में आ जाते हैं।

जैव विविधता के संदर्भ में भी यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्तमान समय में प्रजातियों के विलुप्त होने की दर प्राकृतिक दर से कई गुना अधिक हो गई है। यह संकेत करता है कि हम एक ऐसे कालखंड में प्रवेश कर चुके हैं, जहां व्यापक स्तर पर जैव विविधता का ह्रास हो रहा है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,664	24,173.05
गिरावट	852.49	205.05
प्रतिशत में	1.09	0.84

सोना 1,56,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन- तुलसी 2550, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल- (प्रति कु0)- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी- पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4260

प. एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 852 अंक टूटा

अमेरिका-ईरान वार्ता रुकने से कच्चा तेल फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 205 अंक नुकसान में रहा। अमेरिकी-ईरान वार्ता रुकने के कारण कच्चा तेल एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से बाजार में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के साथ ही एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों को प्रभावित किया।

तीस शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक यानी 1.09 प्रतिशत टूटकर 77,664 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 942.31 अंक यानी 1.20 प्रतिशत फिसलकर 77,574.18 पर आ गया था। दूसरी ओर 50 शेयर पर आधारित एनएसई निफ्टी 205.05 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरकर 24,173.05 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.89 प्रतिशत बढ़कर 103.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.39 प्रतिशत और स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.34 प्रतिशत की गिरावट आई। क्षेत्रवार प्रदर्शन देखें तो पीएसयू बैंक में 2.36 प्रतिशत, वाहन में 2.27 %, रियल्टी में 1.91 %, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुओं में 1.71 %, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में 1.63 और बैंकएक्स में 1.46 प्रतिशत की गिरावट आई। दूसरी ओर स्वास्थ्य देखभाल में 1.66, पूंजीगत वस्तुओं में 0.40, बिजली में 0.40 और औद्योगिकी वस्तुओं में 0.11 % की तेजी रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,078.36 करोड़ के शेयर बेचे।

एशिया के बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार भी नुकसान में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त में रहे थे।

गिरावट वाले शेयर

ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक

ये रहे लाभ में

अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मा, भारती एयरटेल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान से टूटा भरोसा

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि भारतीय बाजारों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, निफ्टी में लगातार दूसरे दिन नरमी देखी गई। बाजार का मिजाज जोखिम से बचने का है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान से जुड़ी चिंताओं ने निवेशकों के भरोसे को कमजोर किया है।

एक वित्त वर्ष में 7.5% घटा चावल निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का चावल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत घटकर 11.53 अरब डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों सहित प्रमुख बाजारों को निर्यात में कमी इसकी मुख्य वजह रही। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। वहीं मार्च में निर्यात 15.36 प्रतिशत घटकर 99.75 करोड़ डॉलर रहा।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ओमान सहित पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों को होने वाले निर्यात पर असर पड़ा है।

2,800 करोड़ रुपये से अधिक का करेगी निवेश अमेजन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन इंडिया कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण उपायों को मजबूत करने और देशभर में अपने संचालन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए 2,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि यह नया निवेश कंपनी की 2030 तक भारत में 35 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसमें कारोबार विस्तार, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन जैसे उपाय शामिल हैं। अमेजन इंडिया एवं ऑस्ट्रेलिया के संचालन उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा कि यह निवेश कंपनी के प्रयासों को और मजबूत करेगा।

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

बिना सुधारों और नवाचारों के पिछड़ जाएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम लिखे एक खुले पत्र में आगाह किया कि यदि भारत संरचनात्मक सुधारों, विशेषकर रोजगार, विनिर्माण एवं नवाचार में तेजी नहीं लाता है तो हाल के आर्थिक लाभ व्यर्थ हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि पिछले छह वर्ष दिखाते हैं कि जब नीतियां समन्वित होती हैं तो भारत क्या कर सकता है। लेकिन साथ ही एक जोखिम भी है..., यह मान लेना कि सफलता आगे भी जारी रहेगी और इस बात को कम आंकना कि कितना काम बाकी है।

बर्नस्टीन ने कहा कि वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) रैंकिंग में भारत की बढ़त और सब्सिडी के बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान ने वृद्धि को आधार दिया है, लेकिन वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और प्रौद्योगिकी व्यवधान तेज हो रहा है।

रोजगार है प्रमुख चिंता

एक प्रमुख चिंता रोजगार है, खासकर तब जब 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (जेन एआई) उस सेवा क्षेत्र के लिए खतरा बन रहा है जिसने दशकों तक भारत के मध्यम वर्ग को आगे बढ़ाया है। बर्नस्टीन ने साथ ही यह भी सवाल उठाया कि क्या विनिर्माण क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्थापित श्रम को समायोजित कर सकता है। पत्र में कहा गया है कि अंततः, कोई देश अपने लोगों को कहां और कैसे तैनात करता है, यही उसके दीर्घकालिक भविष्य को निर्धारित करता है।

संरचनात्मक बाधाएं

पत्र में कृषि को एक प्रमुख बाधा बताया गया, जहां लगभग 42-45 प्रतिशत कार्यबल केवल 15-16 प्रतिशत जीडीपी में योगदान देता है। कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद सुधारों को फिर से शुरू करने, सिंचाई बढ़ाने और सब्सिडी पर निर्भरता घटाने की बात कही गई।

एआई एवं विनिर्माण में दूरी

बर्नस्टीन ने आगाह किया कि भारत बुनियादी प्रौद्योगिकी विकसित करने के बजाय डेटा सेंटर पर ध्यान केंद्रित करके कृत्रिम मेधा (एआई) में पीछे रह सकता है।

निर्णायक कार्रवाई जरूरी

बर्नस्टीन ने कहा कि भारत में पूंजी, प्रतिभा या महत्वाकांक्षा की कमी नहीं है। अब आवश्यकता है कि कठिन निर्णयों को टालने के बजाय जल्दी लेने की अधिक स्पष्ट इच्छा दिखाई जाए। कार्रवाई का अवसर अब भी खुला है, लेकिन यह तेजी से कम होता जा रहा है।

पेट्रोल, डीजल की कीमत बढ़ाने की अभी कोई योजना नहीं : तेल मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25-28 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जाने का दावा करने वाली खबरों को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कुछ खबरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने की बात कही जा रही है। स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। यह स्पष्टीकरण कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें संकेत दिया गया था कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। कोटक ने कच्चे तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल रहने के आधार पर 25-28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें नागरिकों में डर एवं घबराहट पैदा करने के लिए पेश की जा रही हैं और ये भ्रामक व गुमराह करने वाली हैं।

बिजनेस ब्रीफ

श्रीकांत वेलमकन्नी बने नैसकॉम के चेयरमैन

नई दिल्ली। देश की कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल के सह-संस्थापक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीकांत वेलमकन्नी को नैसकॉम का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। नैसकॉम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वेलमकन्नी ने एसएपी लैब्स इंडिया की एमडी सिंधु गंगाधरन का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल अप्रैल 2026 में पूरा हो रहा है। नैसकॉम ने बताया कि किशोर पाटिल को संस्था का वाइस चेयरमैन चुना गया है। वेलमकन्नी देश की शुरुआती और एआई आधारित प्रमुख कंपनियों में से एक के सह-संस्थापक हैं और उनके पास कृत्रिम मेधा, डेटा विश्लेषण और वैश्विक बाजार की गहरी समझ है।

मारुति सुजुकी ने एक साल में बनाईं रिकॉर्ड 23.4 लाख कारें

नयी दिल्ली, एजेंसी

मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख इकाई का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि वाहन विनिर्माता संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार वह 23.4 लाख इकाई का उत्पादन करने वाली भारत की एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता है। मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माण इकाइयों में इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी भी बन गई है। एमएसआईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने रिकॉर्ड उत्पादन पर कहा कि दुनिया भर में बहुत कम कंपनियां एक ही देश में इतनी बड़ी मात्रा में उत्पादन करने में सक्षम रही हैं। ताकेउची ने कहा कि सरकार के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मे कटौती का फैसला लागू करने से बाजार के विश्वास को बल मिला।

आकलन | **रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने जारी की 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026'**

भारत में तेजी से बढ़ रहे अरबपति, पांच साल में हो जाएंगे 313

नयी दिल्ली,एजेंसी

देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है।

अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की।

इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में 'तेजी से वृद्धि' हुई है। नाइट फ्रैंक के अनुसार, भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है।

भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत है। भारत अब दुनिया में यूएचएनडब्ल्यूआई की छठी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2021 के 5,51,435 से बढ़कर 7,13,626 हो गई है।

- **रिपोर्ट के अनुसार 2031 तक 25,217 हो जाएंगे तीन करोड़ डॉलर की नेटवर्थ वाले लोग**

नाइट फ्रैंक के अनुसार, देश में पिछले पांच वर्ष में अरबपतियों की संख्या 58 प्रतिशत बढ़कर 2026 में 207 हो गई है जिससे यह अमेरिका (914) और चीन (485) के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में अरबपतियों की संख्या 2026 की शुरुआत के 207 से बढ़कर 2031 तक 51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 313 होने का अनुमान है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अंतरराष्ट्रीय साझेदार, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत में धनवानों की संख्या का बढ़ना उसकी आर्थिक विकास को दर्शाता है। अधिक उद्यमशील अर्थव्यवस्था बनते हुए मजबूत पूंजी भंडार, अधिक विकसित वित्तीय बाजारों और वैश्विक स्तर पर जुड़े संस्थापकों एवं निवेशकों के बढ़ते समूह के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण, सूचीबद्ध शेयर बाजार, निजी पूंजी और पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय सभी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

बारी की कतार...

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान पर गुरुवार को मुर्शिदाबाद में बहरमपुर कृष्णनाथ कॉलेज में मतदान के लिए कतार में खड़े मतदाता की सहायता करता सुरक्षा कर्मी। ● अमृत विचार

बंगाल चुनाव के पहले चरण में हुआ भारी मतदान तृणमूल कांग्रेस के जीत की स्थिति में होने का संकेत : ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुए भारी मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस अभी से ही जीत की स्थिति में है। कोलकाता के बो बाजार इलाके में आयोजित रैली में ममता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली (केंद्र की सत्ता) पर विजय हासिल करेंगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक राज्य में 89.93 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि हम जीत की स्थिति में हैं। मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे कुर्सी नहीं चाहिए। मैं सिर्फ दिल्ली में भाजपा सरकार का अंत चाहती हूं।

चार मई तृणमूल की समाप्ति तिथि, बंगाल में भारी मतदान से सत्ता परिवर्तन के संकेत: मोदी

मथुरापुर (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि चार मई को मतगणना वाला दिन बंगाल में 'टीएमसी की 15 साल पुरानी सिंडिकेट प्रणाली और महाजंगल राज' की समाप्ति का दिन होगा। मोदी ने दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले काकद्वीप स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य में भारी मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भय का शासन भाजपा के भरोसे के वादे से निश्चित रूप से पराजित हो रहा है।

मोदी ने कहा कि बंगाल में एक भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहाँ रिश्वत के बिना काम होता हो, जहाँ टीएमसी के सिंडिकेट और उनके बिचौलिए कमीशन न लेते हों। 15 साल पुरानी सिंडिकेट प्रणाली और टीएमसी का 'महाजंगल राज' चार मई को समाप्त हो रहा है। ममता बनर्जी सरकार को झूठे वादे करने और लोगों को धोखा देने के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा किए गए 'टूटे वादों' की सूची गिनाई। मोदी ने कहा कि मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाले पुल का निर्माण, जहां गंगासागर मेला आयोजित होता है, अभी तक शुरू नहीं हुआ है, और लोगों को अभी तक नौकाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। बाढ़ नियंत्रण हेतु घाटाल मास्टर प्लान भी शुरू ही नहीं हो पाया है।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रोडशो में जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

...फिर कोई घुसपैठ नहीं कर पाएगा : अमित शाह

बालागढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि भाजपा के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पश्चिम बंगाल में एक भी घुसपैठिये को घुसने नहीं दिया जाएगा और पहले से मौजूद अवैध प्रवासियों को चुन-चुन कर बाहर निकाला जाएगा। हुगली जिले के बालागढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी।

बंगाल चुनाव: समानांतर 'रणनीति कक्ष' का संचालन कर रहे थे ममता-अभिषेक और शाह

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 152 सीटों पर बृहस्पतिवार को पहले चरण का मतदान हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता अमित शाह ने क्रमशः कालीघाट और साल्ट लेक से अपने अपने दलों के 'रणनीति कक्ष' का संचालन किया। इस महत्वपूर्ण चुनावी मुकाबले में वास्तविक समय में मतदान और बूथ स्तर की गतिविधियों पर पल- पल नजर रखी। बनर्जी के साथ उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी थे, जबकि शाह के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता थे।

राज्य में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में तेजी से मतदान हुआ, जिसमें शाम छह बजे तक करोड़ मतदाताओं में से रिकॉर्ड तोड़ 91.64 प्रतिशत अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। इस दौरान छिटपुट हिंसा, धमकियों और भाजपा उम्मीदवारों पर हमलों के कुछ मामले भी सामने आए। सुबह से ही, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का राजनीतिक केंद्र कालीघाट एक तरह से कमांड सेंटर बन गया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी मतदान के रुझानों, जिले से मिली जानकारी और किसी भी तरह की गड़बड़ी के संकेतों पर कड़ी नजर रख रहे थे। स्थानीय सूत्रों के व्यापक नेटवर्क से सुसज्जित तृणमूल नेतृत्व न केवल निगरानी कर रहा था, बल्कि जिले के नेताओं को, विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में, निर्देश भी जारी कर रहा था। अगर कालीघाट तृणमूल कांग्रेस का पारंपरिक केंद्र था, तो भाजपा के सॉल्ट लेक कार्यालय में भी एक समानांतर कमान संरचना बनायी गयी थी।

बंगाल की चुनावी लड़ाई पर केंद्रीय नेतृत्व की मजबूत पकड़ को रेखांकित करते हुए मतदान शुरू होने के कुछ ही समय बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां सॉल्ट लेक स्थित भाजपा के 'रणनीति कक्ष' का दौरा किया। चुनाव प्रचार की बारीकी से निगरानी कर रहे शाह ने जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक की। यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनकी आधिकारिक यात्रा का हिस्सा नहीं था और उत्तरी बंगाल के कई निर्वाचन क्षेत्रों और दक्षिणी बंगाल के कुछ हिस्सों में मतदान शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद हुआ था। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मतदान प्रतिशत और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की रिपोर्ट के संबंध में पार्टी पदाधिकारियों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं की भी समीक्षा की।

तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता में बनी रहेगी: सांसद दयानिधि मारन

चेन्नई, एजेंसी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता दयानिधि मारन ने बृहस्पतिवार को विश्वास व्यक्त किया कि सत्तारूढ़ पार्टी तमिलनाडु में लगातार दूसरी बार सत्ता में आएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने चेन्नई में मतदान करने के बाद कहा कि द्रमुक सत्ता में बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि पूरे तमिलनाडु के लोग चाहते हैं कि द्रमुक फिर से सत्ता में आए। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। यहां सत्तारूढ़ द्रमुक और मुख्य विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सत्ता के प्रमुख दावेदार हैं, जबकि अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) और तमिल राष्ट्रवादी सीमान नीत एनटीके भी मुकाबले में है।

वोट के बाद निशान दिखाते सीएम स्टालिन।

चेन्नई: द्रमुक के विरोध में भाजपा ने दिया धरना

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने द्रमुक के कुछ सदस्यों पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए मयलापुर निर्वाचन क्षेत्र में एक मतदान केंद्र के सामने धरना प्रदर्शन दिया। राज्य की 234 विधानसभा सीटों पर मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही मयलापुर से भाजपा की उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन मौके पर पहुंचीं। आरोप लगाया कि द्रमुक के कुछ सदस्यों ने पार्टी के चुनाव चिन्ह 'उगते सूरज' का खुलेआम प्रदर्शन किया और मतदान के लिए कतार में खड़े मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया।

मतदान के बाद निशान दिखाते अभिनेता कमल हासन, श्रुति हासन।

वर्ल्ड ब्रीफ

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति दुतेर्ते पर चलेगा मुकदमा

द हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते पर मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोप में मुकदमा चलाया जाएगा। आरोप है कि दुतेर्ते के कार्यकाल के दौरान मादक पदार्थ-रोधी अभियानों में कार्रवाई के नाम पर अत्याचार किए गए। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से पाया कि यह मानने के लिए पर्याप्त आधार हैं कि पहले दक्षिणी फिलीपींस के दवाओ शहर के महापौर के रूप में और फिर राष्ट्रपति पद पर रहते हुए दुतेर्ते दर्जनों हत्याओं के लिए जिम्मेदार थे। दुतेर्ते (80) को पिछले साल फिलीपींस में गिरफ्तार किया गया था और उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के कारण अदालती कार्यवाही में देरी हुई है।

नेपाल: राष्ट्रपति पौडेल ने बुलाए बिना संसद सत्र स्थगित किया

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद के दोनों सदनों का सत्र बिना बुलाए ही बृहस्पतिवार को स्थगित कर दिया। पौडेल ने 21 अप्रैल को मंत्रिमंडल की सिफारिश पर 30 अप्रैल को संसद का सत्र बुलाया था। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता रितेश कुमार शाक्य ने बताया कि नेपाल सरकार और मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा के सत्र को स्थगित करने के लिए विशेष कारणों का हवाला दिया। संसद सत्र को आहूत किये बिना स्थगित करने के फैसले को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। संसद के सबसे वरिष्ठ सदस्य और नेपाली कांग्रेस के नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि संसद सत्र को बुलाए बिना ही स्थगित करने का सरकार का निर्णय अभूतपूर्व और हतप्रभ करने वाला है।

अवैध बर्खास्तगी पर 45 लाख रुपये का मुआवजे के आदेश

जयपुर। राजस्थान में जयपुर में श्रम न्यायालय ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित पांच सितारा होटल राजपूताना शेरेटन से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने दो कर्मचारियों की सेवा समाप्ति को अवैध करार देते हुए होटल प्रबंधन को एकमुश्त 45 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। हालांकि अदालत ने कर्मचारियों को पुनः नौकरी पर बहाल करने के बजाय आर्थिक क्षतिपूर्ति को उचित माना। ये दोनों मामले विद्याधर नगर निवासी शैलेन्द्र कुमार और बनीपार्क निवासी अजय बहादुर द्वारा दायर किए गए थे। दोनों श्रमिकों की ओर से एडवोकेट कुणाल रावत ने पैरवी की।

होर्मुज से बारूदी सुरंगों को हटाने में लग सकता है छह महीने का समय : पेंटागन

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहने की आशंका उच्चस्तर तक पहुंची

वाशिंगटन, एजेंसी

पेंटागन ने अमेरिकी सांसदों को चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को हटाने में छह महीने तक का समय लग सकता है। इस चेतावनी के बाद वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की संभावना सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्यों को दी गई एक गोपनीय ब्रीफिंग से परिचित अधिकारियों के अनुसार इस समयसीमा से फरवरी के अंत में युद्ध की शुरुआत के बाद से ईरान की ओर से तैनात की गई बारूदी सुरंगों को हटाने की जटिलता का पता चलता है।

सांसदों को बताया गया कि तेहरान ने जलडमरूमध्य में और उसके आसपास कम से कम 20 सुरंगें बिछाई होंगी, जिनमें से कुछ जीपीएस सक्षम प्रणालियों से लैस हैं जो उन्हें बहने या दूर से स्थित किए जाने की अनुमति देती हैं। इस कारण उनका पता लगाना और उन्हें हटाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्यों के लिए एक गोपनीय ब्रीफिंग में साझा किए गए पेंटागन के आकलन के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद ही इस तरह की कोई कार्रवाई शुरू होने की संभावना है। होर्मुज जलडमरूमध्य, समुद्री ऊर्जा आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है जहां से आमतौर पर विश्व की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल ऊर्जा आपूर्ति का 20 प्रतिशत है। इस मार्ग के बंद होने से ऊर्जा बाजारों में पहले ही हलचल मच गई है, जलडमरूमध्य में टैंकरों का आवागमन पहले की तुलना में काफी कम हो गया है, जबकि तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

फिर गलत साबित हुआ ट्रंप का दावा

इस ब्रीफिंग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावों का पुरजोर खंडन किया कि ईरान ने पहले ही उस क्षेत्र से बारूदी सुरंगें हटाना शुरू कर दिया है। इसके विपरीत, पेंटागन के आंतरिक आकलन से पता चलता है कि यह प्रक्रिया कहीं अधिक लंबी और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है, जिससे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के सांसद नाराज हैं। मौजूदा व्यवधानों के अनिश्चितकालीन विस्तार से आने वाले महीनों में तेल और गैस की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, जिसका असर मुद्रास्फीति और घरेलू ईंधन लागत पर भी पड़ेगा। पिछले सप्ताह होर्मुज को कुछ समय के लिए फिर से खोला गया था, लेकिन ईरान द्वारा वाशिंगटन पर नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखकर प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद इसे तुरंत फिर बंद कर दिया गया।

मिनाब के बच्चे अब भी चित्र बनाते हैं... शीर्षक पर नई दिल्ली में ईरानी दूतावास की आयोजित की प्रदर्शनी।

ईरान ने होर्मुज से पहली बार वसूला टोल

तेहरान। ईरानी संसद के उप अध्यक्ष हामिद रेजा हाजी बाबाई ने कहा कि देश के केंद्रीय बैंक को नवगठित होर्मुज टोल प्रणाली से अपना पहला राजस्व प्राप्त हुआ है। पिछले महीने ईरानी संसद के सुरक्षा आयोग ने रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर परिवहन शुल्क लगाने की योजना को मंजूरी दी थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे दुनिया के लिए खतरनाक बताया था।

बर्लिन में रजा पहलवी पर फेंका लाल रंग

बर्लिन। ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी पर बृहस्पतिवार को बर्लिन की एक इमारत से बाहर निकलते समय लाल रंग का तरल पदार्थ फेंका गया। यह घटना जर्मनी के संघीय प्रेस कॉन्फ्रेंस भवन के बाहर तब हुई जब पहलवी संवाददाता सम्मेलन करके बाहर निकल रहे थे।

सेंटकॉम ने 31 जहाजों को वापस लौटाया

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ अपनी समुद्री घेराबंदी को और सख्त करते हुए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की कि उसने ईरान के विरुद्ध अमेरिकी घेराबंदी के हिस्से के रूप में 31 जहाजों को बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया है। इन जहाजों में अधिकांश तेल टैंकर बताए जा रहे हैं।

ट्रंप ने होर्मुज में बारूदी सुरंगे बिछा रही नावें नष्ट करने का दिया आदेश

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने वाली छोटी ईरानी नावों को नष्ट करने का आदेश दिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से बारूदी सुरंगों को हटाने के प्रयास तेज कर रही है। उन्होंने पोस्ट किया, 'मैंने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज के पानी में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली किसी भी नाव, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, उसे गोली मारकर नष्ट कर दिया जाए। उन्होंने लिखा, हमारे बारूदी सुरंग हटाने वाले यंत्र इस समय जलडमरूमध्य को साफ कर रहे हैं। मैं यह कार्य तीन गुना अधिक रफ्तार से जारी रखने का आदेश देता हूं।

ईरान युद्ध अमेरिका की सेना पर भारी अब नौसेना प्रमुख ने दिया त्यागपत्र

वाशिंगटन, एजेंसी

● रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से थे मतभेद, होर्मुज की नाकेबंदी की चुनौती के बीच पद छोड़ा

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के एक और वरिष्ठ सैन्य अफसर ने त्यागपत्र दे दिया है। ताजा इस्तीफा अमेरिकी नौसेना प्रमुख जॉन सी फेलन का है जिनके बारे में अमेरिका के युद्ध विभाग ने बयान जारी किया है कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। इसके बाद उप प्रमुख हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में सेवा देंगे।

फेलन की विदाई कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक रही। उनके संबंध युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ ठीक नहीं थे, हालांकि बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंध अच्छे थे। एक सूत्र ने कहा, फेलन यह नहीं समझ पाए कि वह सर्वोच्च अधिकारी नहीं थे। उनका काम दिए गए आदेशों का पालन करना था, न कि उन आदेशों का पालन करना जो उनके अनुसार दिए जाने चाहिए। फेलन ने मंगलवार को नौसेना के भविष्य और गोल्डन फ्लीट पहल सहित इसके प्रमुख निवेशों पर चर्चा करने के लिए संवाददाताओं से बात की थी।

फेलन का त्यागपत्र उस महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है, जब अमेरिकी नौसेना ने 13 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले सभी समुद्री यातायात की घेराबंदी शुरू कर दी है। दुनिया के तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

संकट: अमेरिका की सेना में एक के बाद एक इस्तीफे

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद सबसे चर्चित और बड़ा इस्तीफा नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के निदेशक जो केंट का था जिन्होंने यह कहते हुए त्यागतपत्र दिया था कि ट्रंप ने इजराइल के दबाव में ईरान पर हमला किया है और वह इस युद्ध का अंतरात्मा से समर्थन नहीं कर सकते। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को इसलिए हटाया गया था क्योंकि उनकी रिपोर्ट ने राष्ट्रपति के दावों के विपरीत बताया था कि अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल कुछ महीनों का नुकसान हुआ है। अब सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को भी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर पद छोड़ने के लिए कह दिया गया था। जॉन फेलन को हटाए जाने को भी ईरान युद्ध की रणनीतियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

अमेरिकी नौसेना ने किया ईरान से जुड़े एक और तेल टैंकर को जब्त कर अपने कब्जे में लेने का दावा

दुबई। अमेरिकी सेना ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने ईरान से जुड़ा एक और तेल टैंकर जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल ईरानी तेल की तस्करी के लिए किया जा रहा था। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा कि उसने हिंद महासागर में तेल टैंकर मैजेस्टिक एक्स को जब्त किया है। यह घटना ईरान द्वारा बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन मालवाहक जहाजों पर हमला करने और उनमें से दो को अपने कब्जे में लेने के बाद हुई है। रक्षा विभाग ने तेल टैंकर को जब्त करने का फुटेज जारी किया, जिसमें जहाज पर अमेरिकी सैनिक दिखाई दे रहे हैं।

लुफ्थांसा एयरलाइन ने रद्द कीं 20,000 उड़ानें

ईंधन संकट की मार, सहायक कंपनी सिटीलाइन को भी किया बंद

लास वेगास, एजेंसी

लुफ्थांसा एयरलाइंस और अन्य यूरोपीय एयरलाइन का मालिकाना हक रखने वाली जर्मन कंपनी ने मंगलवार को ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि और कुछ देशों में विमान ईंधन की कमी की चिंताएं गहराने के मद्देनजर अक्टूबर तक छोटी दूरी की 20,000 उड़ानों में कटौती करने की घोषणा की। लुफ्थांसा समूह के मुताबिक कम मुनाफे वाले मार्गों की उड़ानों को रद्द करने से लगभग 40,000 मीट्रिक टन विमान ईंधन के बराबर बचत होगी।

● कम मुनाफे वाली इन उड़ानों को रद्द करने से होगी 40,000 हजार मीट्रिक टन ईंधन की बचत

कंपनी ने पिछले सप्ताह लागत कम करने के लिए अपनी एक क्षेत्रीय सहायक कंपनी सिटीलाइन को बंद कर दिया। कंपनी ने कहा कि उसने योजनाबद्ध तरीके से कई केंद्रों का एकीकरण किया है जिसमें लुफ्थांसा एयरलाइन, ऑस्ट्रियन एयरलाइन, ब्रसेल्स एयरलाइन, स्विस और आईटीए एयरवेज के साथ-साथ ब्रसेल्स, रोम, वियना और ज्यूरिख में स्थित केंद्र भी शामिल होंगे। फरवरी के अंत में जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए तब से कुछ बाजारों में विमान ईंधन की कीमत दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यात्रियों पर इसका असर पहले से दिख रहा है जो कुछ मार्गों पर उड़ान विकल्पों में कमी और गर्मियों के मौसम में बढ़ते शुल्क तथा किराए में वृद्धि के रूप में देखा जा सकता है, वहीं कई एयरलाइन बैग जांच के शुल्क में वृद्धि कर रही हैं या ईंधन अधिभार जोड़ रही हैं।

ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जारी लड़ाई ने दुनिया भर में ईंधन की कीमतों और आपूर्ति को बाधित कर दिया है। लुफ्थांसा ने कहा कि उसने आने वाले हफ्तों के लिए पर्याप्त जेट ईंधन सुरक्षित कर लिया है और गर्मियों के दौरान अपनी ईंधन आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए विभिन्न उपायों पर काम कर रही है जिसमें जेट ईंधन की भौतिक खरीद भी शामिल है।लुफ्थांसा एयरलाइन परिचालन में कटौती करने वाली अकेली एयरलाइन नहीं है।

अमेरिका के हार मान लेने तक बातचीत नहीं : हाजी बाबाई

तेहरान। ईरान के सांसद हामिद रजा हाजी बाबाई ने कहा है कि जब तक अमेरिका अपनी हार स्वीकार नहीं करता, तब तक उससे किसी भी प्रकार की वार्ता संभव नहीं है।

ईरानी संसद के उपाध्यक्ष हाजी बाबाई ने क्षेत्रीय देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे ईरान के खिलाफ किसी हमले में सहयोग न करें। जो देश आतंकी गतिविधियों को सुविधाएं देंगे, उनके हवाई अड्डों, होटलों और यहां तक कि नेतृत्व को भी निशाना बनाया जा सकता है। ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब ईरान पर इजराइल व अमेरिकी हमलों के बावजूद उसकी सैन्य क्षमता बरकरार बताई जा रही है।

नोटबंदी में जब्त दो लाख रुपये मूल्य के नोट बदले रिजर्व बैंक : हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने भारतीय रिजर्व बैंक को नोटबंदी के दौरान एक व्यक्ति से जब्त किए गए दो लाख रुपये मूल्य के 500 रुपये के नोट बदलने के निर्देश दिए हैं, जिन्हें उसे नोट बदलने के लिए निर्धारित अवधि के बाद लौटाया गया था।

न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फाल्के और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की पीठ ने आदेश में कहा कि व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि पुलिस ने उसके पास मौजूद नोट चलन से बाहर किए गए नोटों को बदलने की अंतिम तिथि से पहले ही जब्त कर लिए थे और ये नोट उस अवधि के खत्म होने तक पुलिस के कब्जे में थे। पीठ ने गिरीश मलानी की याचिका को स्वीकार करते हुए आरबीआई को नोटबंदी के दौरान उससे जब्त किए गए दो लाख रुपये मूल्य के 500 रुपये के नोटों को बदलने के निर्देश दिए। मलानी ने अपनी याचिका में कहा था कि वह एक दिसंबर 2016 को 500 रुपये के 400 नोटों के साथ माहुर की ओर जा रहा था, तभी नगरपालिका चुनावों के मद्देनजर पुलिस गश्ती दल ने उसके वाहन को रोका और एहतियात के तौर पर दो लाख रुपये नकद जब्त कर माहुर थाने में जमा करा दिए।

भारत की विदेश नीति में अफ्रीका अहम

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के लोगो के अनावरण पर हुई सभा में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान है और नई दिल्ली का अफ्रीका के साथ संबंध समानता, परस्पर सम्मान और साझा प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित एक स्पष्ट दृष्टिकोण से निर्देशित है।

जयशंकर ने आगामी 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-4' के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम यहां भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन ढांचे के माध्यम से भारत और अफ्रीका के बीच स्थायी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए एकत्रित हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका संबंध हमारे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं, जो सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंध के माध्यम से विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत ने अफ्रीकी देशों के प्रति एकजुटता दिखाई थी और इससे हमारे संबंध और मजबूत हुए।

विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अफ्रीका से भी गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, संघर्ष, एकजुटता, लचीलेपन और आकांक्षाओं का हमारा साझा इतिहास हमारी साझेदारी को आकार देता है। जयशंकर ने कहा कि आज अफ्रीका भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना और अफ्रीका का ''एजेंडा 2063'' सतत विकास और समावेशी विकास के माध्यम से समृद्धि और प्रगति की दिशा में पूरक रोडमैप हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि कई उच्च स्तरीय वार्ताओं के साथ भारत और अफ्रीका के बीच प्रमुख स्तंभों पर संबंध मजबूत हुए हैं, और भारत वैश्विक व्यवस्था में अफ्रीका के उचित स्थान का समर्थन कर रहा है।

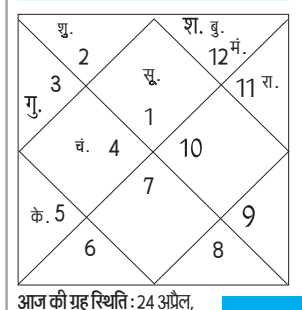

मंत्री ने कहा कि इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम 2023 में भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को समूह में शामिल करना था। उन्होंने कहा, यह हमारे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाता है कि आने वाले समय में वैश्विक शासन को दिशा देने में ग्लोबल साउथ की आवाजों का विशेष महत्व होगा।

दो पाकिस्तानी चीनी स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले विदेशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़ ने चीन के अंतरिक्ष मिशन के लिए चयनित पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों खुर्रम दाऊद और मोहम्मद जीशान अली से गुरुवार को मुलाकात कर उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको की अंतरिक्ष यात्री आताशी हस्नान इफ्तिखार भी उपस्थित थीं। शरीफ ने अंतरिक्ष यात्रियों से कहा कि उनसे मिलना उनके लिए गर्व का विषय है और यह मिशन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा। शरीफ ने चीनी राजदूत के साथ बातचीत में कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में पाकिस्तान और चीन की मित्रता नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

● दोनों से मिले शरीफ, कहा- यह मिशन पाकिस्तान की उपलब्धि

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों के पहले समूह के चयन में पाकिस्तान के दो उम्मीदवारों का चयन किया गया है। दोनों चयनित उम्मीदवार प्रशिक्षण के लिए शीघ्र ही चीन जाएंगे और आवश्यक प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन पूरा करने के बाद उनमें से एक को अंतरिक्ष मिशन में भेजा जाएगा।

पाकिस्तानी विमानों पर भारत के हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली। भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया। प्रतिबंध में इस नए विस्तार के साथ पाकिस्तान के विमानों के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र बंद रहने की अवधि एक वर्ष से अधिक हो जाएगी। यह फैसला 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद पहली बार लागू किया गया था।

भ्रष्टाचार में शहबाज की बेटी-दामाद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर रोक

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बेटी और दामाद के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को निलंबित कर दिया है। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि लाहौर की जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश राणा आरिफ ने बुधवार को 'पंजाब साफ पानी कंपनी' से संबंधित भ्रष्टाचार मामले में राबिया इमरान और उनके पति इमरान अली यूसुफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निलंबित कर दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष और न्यायसंगत सुनवाई का अधिकार है। अदालत ने 2022 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल के दौरान उनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किए थे।

ईयू ने यूक्रेन के लिए 106 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया

ब्रसेल्स। हंगरी द्वारा अपना वीटो वापस लेने के बाद, यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को दो वर्षों के लिए आर्थिक और सैन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद के वास्ते 106 अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दे दी।

ईयू ने यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लेकर उसके खिलाफ नए प्रतिबंधों को भी मंजूरी दे दी है। इन उपायों को साल की शुरुआत में तैयार किया गया था और संघर्ष का चौथा साल पूरा होने पर फरवरी में इनकी घोषणा की जानी थी, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया ने इस कदम का विरोध किया।

कूटनीति | पहलगाम हमले की बरसी पर भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में अमेरिकी सांसदों ने की मांग

जैश और लश्कर-ए-तैयबा पर कार्रवाई करे पाकिस्तान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सांसदों ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का आह्वान करते हुए पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश जैसे आतंकी संगठनों पर कठोर नकेल कसने की अपील की है। वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल हिल में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी 'आतंकवाद की मानवीय कीमत' के दौरान सांसदों ने पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

पहलगाम हमले की पहली बरसी के अवसर पर आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में अमेरिकी कांग्रेस के 19 सदस्य और 60 से अधिक कांग्रेसी कार्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कांग्रेस के सदस्य ब्रैड शेरमन ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को लश्कर-ए-तैयबा का ही हिस्सा माना जाता है, जिसे पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है। हमें पाकिस्तान सरकार से यह स्पष्ट मांग करनी चाहिए कि वह लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों को पूरी तरह खत्म करे। हाउस रिपब्लिकन कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष लिसा मैकक्लेन और सांसद रिचर्ड मैककॉर्मिक ने भी इस खतरे को साझा दुश्मन बताया।

भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित प्रदर्शनी में पहुंचे अमेरिकी सांसद।

भारत पर बड़े आतंकी हमलों को किया प्रदर्शित

डिजिटल और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से इस प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर 2008 के मुंबई हमलों और पिछले साल हुए पहलगाम हमले के विनाशकारी परिणामों को दिखाया गया। यह आयोजन उन परिवारों और समुदायों को समर्पित था जिन्होंने आतंकी हिंसा में अपने प्रियजनों को खोया है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज भौतिक सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। सहयोगी आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। घर में धार्मिक गतिविधियां हो सकती हैं।

तुला – आज मेहनत करेंगे, तो परिणाम भी अच्छा मिलेगा। काम को लेकर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

वृष – आज किसी जरूरी सूचना या व्यक्ति से जुड़कर काम आगे बढ़ सकता है। छोटी कोशिश भी अच्छा परिणाम दे सकती है।

वृश्चिक – आज आपका नजरिया पॉजिटिव रहेगा। आप हर स्थिति में रास्ता निकाल लेंगे। कुछ नया सीखने या समझने का मौका मिल सकता है।

मिथुन – आज खर्च को लेकर सजग रहने की जरूरत है। सोच-समझकर लिया गया फैसला आगे लाभ देगा। विद्यार्थी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं।

धनु – आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी बात को लेकर असहज महसूस हो सकता है। धैर्य बनाए रखें।

कर्क – आज आपको सफलता मिलेगी। अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग करेंगे। जिम्मेदारियों का आसानी से निर्वहन कर पाएंगे।

मकर – आज साझेदारी पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। संतुलन बनाए रखें। पारिवारिक मामलों को शांतिपूर्ण तरीके से निपटा लें।

सिंह – आज थोड़ा शांत रहकर स्थिति को समझना बेहतर रहेगा। हर बात में तुरंत प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। चीजें आपके पक्ष में होंगी।

कुंभ – आज सही प्राथमिकता तय करेंगे, तो दिन आपके पक्ष में रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

कन्या – आज किसी के साथ मिलकर किया गया काम सफल होगा। योजनाओं को आगे बढ़ाने का अच्छा समय है। संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन – आज का दिन सकारात्मक रहेगा। आपको अपने मन के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 24 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 19 .21 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-पुष्य 20 .14 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

सुडोकू - 128 का हल

8	4	3	2	1	5	7	9	6
9	6	2	4	3	7	8	5	1
7	1	5	6	8	9	3	2	4
1	9	4	8	7	6	5	3	2
2	5	6	3	9	1	4	7	8
3	8	7	5	4	2	6	1	9
6	3	9	7	2	4	1	8	5
5	2	8	1	6	3	9	4	7
4	7	1	9	5	8	2	6	3

सुडोकू -129

				6		1		
4		7						
9					5	8		
					9		7	
2								5
	3							
		2	1					3
					7	6		4
5				3				

मशहूर नहीं हुआ हूं, मैं वैसा ही बने रहने की कोशिश कर रहा हूं जैसा मैं पहले था। मुझे नहीं लगता कि मैं बदल गया हूं। मुझे अभी भी बहुत कुछ करना है क्योंकि यह तो बस शुरुआत है। इसलिए मैं चीजों को जितना हो सके उतना आसान रखता हूं।
–प्रफुल हिंगे, तेज गेंदबाज, सनराइजर्स

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार ,24 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बनाम

गुजरात टाइटंस

समय - शाम 7:30 बजे

सैमसन के शतकीय प्रहार के बाद स्पिनरों ने मुंबई को जाल में फंसाया

आईपीएल-2026 : चेन्नई सुपर किंग्स ने 103 रनों के बड़े अंतर से किया परास्त

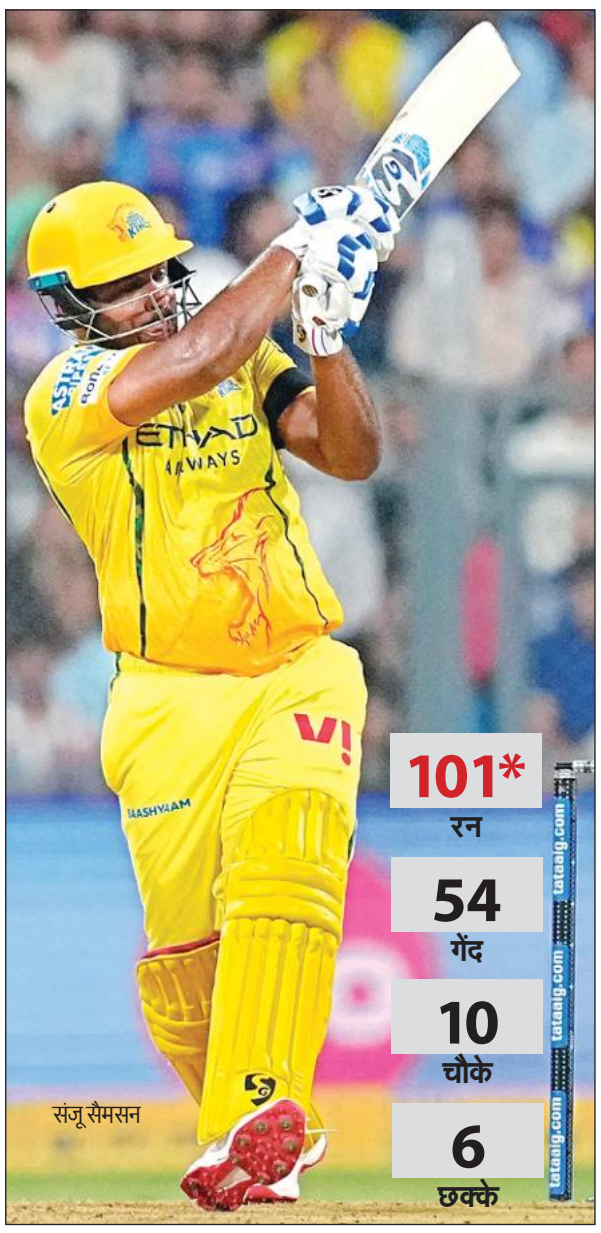

मुंबई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन (नाबाद 101) के सत्र के दूसरे शतक और बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन (17 रन देकर चार विकेट, एक मेडन) की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बृहस्पतिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 103 रन से करारी शिकस्त दी।

इस जीत से सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से आठवें स्थान पर खिसक गई। सैमसन के आईपीएल में अपने पांचवें शतक के लिए 54 गेंद खेलीं जिसमें 10 चौके और छह छक्के जडे. थे। उनके शतक से सीएसके ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद छह विकेट पर 207 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस शुरुआती झटकों से नहीं उबर सकी और 19 ओवर में महज 104 रन पर ऑल आउट हो गई। यह पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की आईपीएल में सबसे बड़ी हार है। पांच बार की चैंपियन सीएसके की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। सीएसके के लिए वेस्टइंडीज के हुसैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने एक ओवर मेडन डाला जिसमें एक विकेट भी शामिल रहा। उन्होंने तिलक वर्मा (37 रन) को आउट कर उनके और सूर्यकुमार यादव (35 रन) के बीच 73 रन की भागीदारी का अंत किया। उनके अलावा नूर अहमद ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर दो विकेट झटके जबकि मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन और गुरजपनीत सिंह ने एक एक विकेट झटका। मुंबई इंडियंस की शुरूआत काफी खराब हुई जिसने पहले ही ओवर में दानिश मालेवार का विकेट खो दिया। हुसैन की गेंद मालेवार के बल्ले का किनारा छूकर विकेट के पीछे सैमसन के हाथों में समां गई। इस तरह मालेवार लगातार दो मैच में असफल रहे। टीम को दूसरा झटका दूसरे ओवर में चौधरी की गेंद पर लगा जो क्विंटन डिकॉक के स्टंप उखाड़ गई। इस तरह मुंबई ने सात रन पर दूसरा विकेट खो दिया। सूर्यकुमार क्रीज पर उतरे जिन्होंने चौका लगाकर खाता खोला। तीसरे ओवर में नमन धीर के रूप में मुंबई इंडियंस को तीसरा झटका लगा जो हुसैन की गेंद पर बोल्ड हो गए। मुंबई इंडियंस का छह ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 29 रहा जो इस सत्र में उसका सबसे कम पावरप्ले स्कोर है।

चेन्नई सुपर किंग्स

207/6 (20 ओवर)

संजू सैमसन नाबाद	101
रुतुराज गायकवाड़ का तिलक बो गजनफर	22
सरफराज खान बो सैंटनर	14
शिवम दुबे का गजनफर	05
डेवाल्ड ब्रेविस का बुमराह बो अश्विनी	21
कार्तिक शर्मा का सैंटनर बो बुमराह	18
जेमी ओवरटन का धीर बो अश्विनी	15
अकील हुसैन नाबाद	02

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1-32, 2-72, 3-91, 4-122, 5-165, 6-181

गेंदबाजी : बुमराह 4-0-31-1, हार्दिक 2-0-38-0, गजनफर 4-0-25-2, सैंटनर 4-0-44-1, अश्विनी 4-0-37-2, कृष भगत 2-0-31-0

02 शतक हो गए संजू सैमसन के इस सत्र में, वहीं आईपीएल में पांच शतक पूरे हो गए

04 विकेट लिए अकील हुसैन ने सिर्फ 17 रन देकर

मुंबई इंडियंस

104/10 (19 ओवर)

क्विंटन डिकॉक बो मुकेश चौधरी	07
दानिश मालेवार का सैमसन बो हुसैन	00
नमन धीर बो हुसैन	00
सूर्यकुमार यादव का सरफराज बो हुसैन	35
तिलक वर्मा बो हुसैन	37
हार्दिक पांड्या का चौधरी बो नूर	01
शेरफाने रदरफोर्ड का कंबोज बो नूर	00
शार्दुल ठाकुर का ब्रेविस बो कंबोज	06
कृष भगत का गुरजपनीत बो ओवरटन	07
अश्विनी कुमार नाबाद	01
बुमराह का सैमसन बो गुरजपनीत	02

अतिरिक्त : 08, **विकेट पतन** : 1-7, 2-7, 3-11, 4-122, 5-85, 6-85, 7-87, 8-100, 9-100

गेंदबाजी : अकील हुसैन 4-0-17-4, मुकेश चौधरी 4-0-31-1, अंशुल कंबोज 3-0-10-1, नूर अहमद 4-0-23-2, जेमी ओवरटन 2-0-14-1, गुरजपनीत सिंह 2-0-7-1

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320
- संजू सैमसन चेन्नई -293 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

धोनी विकेटकीपर के तौर पर लौटेंगे, सिर्फ 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर नहीं, अभी फिट नहीं

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने गुरुवार को साफ किया कि जब भी एमएस धोनी अपनी पिंडली की चोट से उबरकर लौटेंगे तो वह विकेटकीपर के तौर पर ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे, न कि सिर्फ एक 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर खेलेंगे। 44 साल के धोनी गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ हुए मैच में आईपीएल 2026 का अपना लगातार सातवां मैच नहीं खेल पाए। वह अभी भी उस चोट से उबर रहे हैं जिसकी वजह से 28 मार्च को उन्हें शुरू में दो हफ्ते के लिए टीम से बाहर होना पड़ा था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का इस्तेमाल करते हुए सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर सकते हैं, खासकर तब जब संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। हसी ने इस संभावना को खारिज कर दिया और संकेत दिया कि धोनी विकेट के पीछे अपनी पुरानी और जानी-पहचानी भूमिका में ही वापसी करेंगे। मैच के बीच में हसी ने प्रसारक से कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि वह विकेट के पीछे ही होंगे। उनके लिए सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें पिंडली में चोट लगी है। दिक्कत सिर्फ दौड़ने में है। अगर वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने आते हैं, तो उन्हें तेजी से एक-दो रन लेने पड़ेंगे। उन्हें बस यह पक्का करना होगा कि उनकी पिंडली इतनी मजबूत हो कि वह इस दबाव को झेल सके।

हाईलाइट

नाइट राइडर्स का मैदान ओलंपिक में क्रिकेट की मेजबानी करेगा

लॉस एंजलिस। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार को शिलान्यास किया गया। गुप्ता ने कहा दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। जब अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी दी। इससे इस बात का पता चलता है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं।

बार्सिलोना ने लगातार सातवीं बार जीता महिला स्पेनिश लीग

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर लगातार सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग फ़ुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस जीत से बार्सिलोना दूसरे स्थान पर मौजूद रियाल मैड्रिड से 16 अंक आगे हो गया है जो खिताब जीतने के लिए पर्याप्त हैं। बार्सिलोना का यह 11वां लीग खिताब है। बार्सिलोना ने इस साल के टूर्नामेंट में अपने 26 मैचों में से 25 मैच जीते हैं। पिछले साल नवंबर में उसे रियल सोसिडाड के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था जो उसकी एकमात्र हार थी। बार्सिलोना की महिला टीम ने लीग में अब तक 116 गोल किए हैं और सात गोल खाए हैं। इस तरह से उसका गोल अंतर 109 है।

हर मैच में नहीं कर सकते 'फिनिशिंग' : टिम डेविड

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड समझते हैं कि एक 'फिनिशर' के तौर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल होता है और उन्होंने इस बात को स्वीकार लिया है और उनके अनुसार असफलता के समय खुद को ज्यादा सख्ती से नहीं आंकना ही सबसे जरूरी है पिछले साल आरसीबी को अपना पहला आईपीएल खिताब जिताने में डेविड के निचले क्रम में की गई जोरदार बल्लेबाजी ने अहम भूमिका निभाई थी और इस बार भी उन्होंने अपनी 'पावर-हिटिंग' की झलक दिखाई है। डेविड ने कहा, ''हमारी टीम काफी अच्छी है और टी20 क्रिकेट में मध्यक्रम बल्लेबाज़ के तौर पर आप हर मैच में फिनिशिंग नहीं कर सकते। इसलिए अगर आप हर बार ऐसा करने की उम्मीद करते हैं तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। हम बस अपना खेल खेलते हैं और उसका मजा लेने की कोशिश करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 9 विकेट से रौंद शृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (दाएं)।

- कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने खेली शतकीय पारी

टी-20 विश्व कप से पहले कमजोरियां हुईं उजागर : हरमनप्रीत

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम ने सही समय पर खराब प्रदर्शन किया क्योंकि इससे टीम प्रबंधन को कमजोरियों को दूर करने और जून में होने वाले टी20 विश्व कप में 'मजबूत वापसी' करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। भारतीय महिला टीम को अक्टूबर 2024 में हुए टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद पहली बार किसी टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने तीसरा मैच नौ क्रिकेट से जीतकर पांच मैच की शृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली। पिछले टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शृंखलाएं जीती।

बल्लेबाजी पर फोकस करेंगे बेंगलुरु-गुजरात

- घरेलू मैदान का पूरा फायदा उठाना चाहेगा बेंगलुरु

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होगी तो उनका लक्ष्य बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चिन्नास्वामी की थोड़ी चिपचिपी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे जिससे उसकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी हार थी जिससे उसने शीर्ष चार में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका गंवा दिया था।

मौजूदा चैंपियन आरसीबी को यह बात अच्छी तरह से पता होगी कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन से उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि उसे अब अपने अधिकतर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं। यही नहीं वह अब अपने दो घरेलू मैच भी रायपुर में खेलेगा। आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने प्रशंसकों को शानदार विदाई देना चाहेगा लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फिल साल्ट को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे छक्के जड़ने में माहिर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के वैकल्पिक तरीके खोजने पड़े, हालांकि उन्हें इसमें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली।

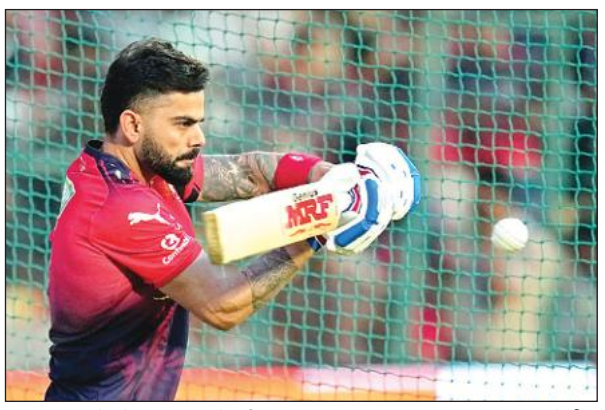

अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली। एजेंसी

आरसीबी को प्लान बी तैयार रखना होगा

आरसीबी के बल्लेबाजों को एक प्लान बी तैयार रखना चाहिए, क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि उनका आक्रामक खेल हर समय कारगर साबित होगा। इसी तरह से गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से चिंतित है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उसकी पूरी टीम 100 रन पर आउट हो गई थी और उसे 99 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, टॉम बैंटन, ग्लेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, जयंत यादव, अरशद खान, शाहरुख खान, मानव सुथार, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा।

बोले-जडेजा राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं कर पाए हैं 'जड्डू'

'मैदान पर आने से पहले होटल में ही छोड़ देता हूं अहंकार'

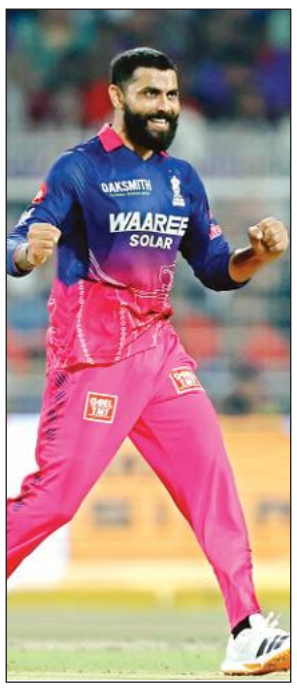

नई दिल्ली, एजेंसी

रविंद्र जडेजा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए विभिन्न कारणों से अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं किए हैं लेकिन उन्हें इस बात का कोई शिकवा नहीं है और उनका कहना है कि वह मैदान पर आने से पहले अपना अहंकार होटल के कमरे में छोड़ देते हैं। जडेजा ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम को 40 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

इससे पहले कुछ मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे न कर पाने के बारे में जडेजा ने जियोहॉटस्टार से कहा जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हूं। मैं केवल इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस तरह की भी अपेक्षा करेगी मैं उसे पूरी करने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा अगर इस मैच में बल्लेबाजी की बात करें तो मैं पारी के आखिर तक खेलना चाहता था क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन कम बना पाते। जडेजा ने 29 गेंद पर 43 रन बनाए और फिर चार ओवरों में 29 रन देकर एक विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा एलएसजी के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना शायद आसान होता। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर परिस्थिति और हर मैच की स्थिति अलग होती है, इसलिए आपको उसके अनुसार खेलना होता है। एकाना स्टेडियम की पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में जडेजा ने कहा जब मैं दिग्वेश राठी के सामने बल्लेबाजी कर रहा था तो उनकी कुछ गेंदें रुक कर विकेट पर आ रही थी। इसलिए मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं तो शायद मुझे भी कुछ मदद मिल सके। इस बीच पूर्व भारतीय खिलाड़ी और बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत के बल्लेबाजी के तरीके पर निराशा व्यक्त की। बांगड़ ने कहा अपनी पारी की शुरुआत में उन्होंने जिस शॉट को खेलने की कोशिश की, वह सही तरीका नहीं था। उन्होंने जिन तीन गेंद का सामना किया उन पर 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने का प्रयास किया। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का काफी अनुभव है और अगर वह शुरुआत में स्पष्ट रणनीति के साथ खेलते हैं तो उन्हें बेहतर परिणाम मिलेंगे।

इकाना की पिच वाका जैसी : मुख्य कोच लैंगर

लखनऊ : लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने एकाना की पिच की तुलना पर्थ की बीते जमाने की मशहूर वाका पिच से की और स्वीकार किया कि उनकी टीम इसमें मिलने वाली गति और उछाल से तालमेल बिठाने में नाकाम रही है। एलएसजी अपने घरेलू मैदान पर अब तक खेले गए तीनों मैच हार चुका है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे यहां क्रमशः छह और सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा जबकि बुधवार को राजस्थान रॉयल्स ने उसे 40 रन से हराया।

प्राची-वंशिका ने जीता स्वर्ण पदक भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

काहिरा, एजेंसी

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप

भारत की प्राची गायकवाड़ ने बृहस्पतिवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में स्वर्ण पदक जीता जबकि वंशिका चौधरी और सेजल कांबले ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में शीर्ष दो स्थान हासिल किए जिससे यहां चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारत का पदक तालिका में दबदबा कायम रहा।

गुरुवार को दो स्वर्ण के साथ भारत के प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण हो गए हैं। इससे पूर्व पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में शिव नरवाल ने स्वर्ण जीता था। इसके साथ ही भारत के कुल पदक की संख्या 11 हो गई है जिसमें तीन स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। नारायण प्रणव ने भी पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीता। प्राची ने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) दार्या चुप्रिस को पीछे छोड़ा जिन्होंने 354.4 का स्कोर बनाया। एक अन्य एआईएन निशानेबाज एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इस बीच, नारायण ने अपनी स्पर्धा में 229.5 के फाइनल स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

वंशिका ने महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 241.3 का स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता जबकि सेजल ने 24 शॉट के बाद 239.6 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। चीनी ताइपे की लियाओ के रोंग को 218.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

प्राची श्री पोजीशन्स फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय थीं। उन्होंने 578 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर क्वालीफाई किया था। पदक दौर में नीलिंग पोजीशन में पहले 10 शॉट के बाद वह पांचवें स्थान पर थी। प्रोन राउंड में शानदार प्रदर्शन के बाद वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं और उस समय शीर्ष पर चल रही डार्या से सिर्फ 0.6 अंक पीछे थीं। इसके बाद स्टैंडिंग के शुरुआती पांच शॉट में 50 से अधिक का स्कोर करके भारतीय निशानेबाज पहली बार बढ़त बनाने में कामयाब रहीं लेकिन डार्या ने अगली सीरीज में 51.0 का स्कोर करके पलटवार किया।